दैनिक
नव प्रदेश

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ | 2 | छत्तीसगढ़ | 4 | अभिव्यक्ति | 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, रविवार, 25 जनवरी 2026 | कृष्ण पक्ष-सप्तमीं, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-14 अंक- 333 | पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

मोहब्बत और अदावत सियासत में भी सब जायज है। सियासतदानों का एक ही मकसद होता है कि सत्ता सुंदरी का सांनिध्य प्राप्त हो जाये। इसके लिए वे लव के लिए कुछ भी करेगा की तर्ज पर कुर्सी के लिए कुछ भी करने और किसी भी हद तक गिरने के लिए तैयार रहते हैं। महाराष्ट्र के नगरीय निकाय चुनाव के बाद दौ कौड़ी के पार्षदों की करोड़ो में बोली लग रही है। वे कपड़ो की तरह निष्ठा बदल रहे हैं। जानी दुश्मन जिगरी दोस्त बन रहे हैं। सबका एक ही सिद्धांत है अपना काम बनता भाड़ में जाये जनता।

प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले में 61 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे गए, अपॉइंटमेंट लेटर पाकर खिले युवाओं के चेहरे

अब मिशन मोड में सरकारी नौकरी, मोदी बोले- नियुक्ति पत्र राष्ट्र निर्माण का निमंत्रण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 18वें रोजगार मेले के तहत देशभर के 61,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों के अपॉइंटमेंट लेटर वितरित किए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह नियुक्ति पत्र राष्ट्र निर्माण का निमंत्रण है।

पीएम मोदी ने युवाओं को संविधान के प्रति उनके कर्तव्यों की याद दिलाई। पीएम मोदी ने कहा कि नए साल की शुरुआत आपके जीवन में खुशियां लेकर आई है। इसके साथ ही, जब कल ही बसंत पंचमी मनाई गई, तो आपके जीवन में भी एक नया 'बसंत' शुरू हो गया है। आपका कर्तव्य संविधान से जुड़ गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि इस समय गणतंत्र भी मनाया जा रहा है। शुक्रवार, 23 जनवरी को, हमने सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पराक्रम दिवस मनाया, और कल, 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस है। आज ही के दिन संविधान ने जन गण मन को राष्ट्रगान और वंदे मातरम को राष्ट्रगीत के रूप में मान्यता दी थी।

आज, इस शुभ दिन पर, 61 हजार से ज्यादा युवाओं को अपॉइंटमेंट लेटर मिल रहे हैं। एक तरह से यह राष्ट्र निर्माण के लिए निमंत्रण पत्र है। यह भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक 'संकल्प पत्र' है। आप सभी, अपने सहयोगियों के साथ मिलकर, हमारे देश की रक्षा को बेहतर बनाएंगे और हमारे स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा प्रणाली को भी मजबूत करेंगे, जबकि अन्य ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेंगे।

युवाओं को कौशल से जोड़ना हमारा लक्ष्य

पीएम मोदी ने कहा कि मैं यहां मौजूद सभी युवाओं को बधाई देना चाहता हूं। दोस्तों, युवाओं को कौशल से जोड़ना और उन्हें रोजगार के अवसर देना हमारी सरकार का लक्ष्य रहा है। सरकारी नौकरियों को 'मिशन मोड' में लाने के प्रयास में, रोजगार मेला शुरू किया गया था।

दुनिया के सबसे युवा देशों में भारत

पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि भारत की युवा शक्ति के लिए ज्यादा अवसर पैदा हों। इसके लिए, भारत कई देशों के साथ व्यापार और मोबिलिटी समझौते कर रहा है।

छत्तीसगढ़ की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति : सीएम साय, 100 एकड़ में निर्माण

फिल्म सिटी का बरसों पुराना सपना साकार छत्तीसगढ़ में होगी बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ का बरसों पुराना सपना आज साकार हो गया है। चित्रोत्पला फिल्म सिटी तथा ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण से फिल्म निर्माण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश और दुनिया में एक नई पहचान मिलेगी। इस महत्वाकांक्षी पहल के माध्यम से छत्तीसगढ़ न केवल फिल्म निर्माण और सांस्कृतिक आयोजनों का एक प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर होगा, बल्कि यह परियोजना राज्य की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करेगी।

चित्रोत्पला फिल्म सिटी और ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण से स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा, निवेश के नए अवसर सृजित होंगे और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त होगी। यह परियोजना आने वाले वर्षों में राज्य के युवाओं, कलाकारों और पर्यटन क्षेत्र के लिए विकास के नए द्वार खोलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के ग्राम माना-तूता में चित्रोत्पला फिल्म सिटी तथा ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ चित्रोत्पला फिल्म सिटी तथा ■ शेष पृष्ठ 6 पर

बड़े पर्दे पर दिखेगी छत्तीसगढ़ की झलक

मुख्यमंत्री ने भूमिपूजन के साथ ही फिल्म निर्माण और कन्वेंशन सेंटर से संबंधित विभाग को चार प्रस्ताव प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में फिल्म निर्माण गतिविधियों को नई गति मिलेगी और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों को बड़े पर्दे पर स्थान मिलेगा।

खास बातें

- फिल्म सिटी और कल्चरल कन्वेंशन सेंटर से युवाओं, कलाकारों और पर्यटन को मिलेगा नया आयाम
- मुख्यमंत्री साय ने किया चित्रोत्पला फिल्म सिटी एवं ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर का भूमिपूजन
- फिल्म निर्माण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश-दुनिया में मिलेगी विशेष पहचान

बर्फबारी से बिजली गुल, 4797 ट्रांसफार्मर खराब, 563 सड़कें बंद

- सड़कों से बर्फ हटाने 385 मशीनें काम लगाई गई
- दुर्गम और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हालात चुनौतीपूर्ण बने

शिमला (ए.)। हिमाचल प्रदेश में हुई भारी बर्फबारी के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रदेशभर में 1,291 सड़कें यातायात के लिए बंद हो गई हैं, जबकि करीब 4,800 बिजली ट्रांसफार्मर ठप होने से कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित है।

दुर्गम और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हालात ज्यादा चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। सड़कों को खोलने और स्थिति सामान्य करने ■ शेष पृष्ठ 6 पर

तेजी से काम कर रहे

मशीनों की तैनाती पारदर्शी तरीके से की जा रही है। संसाधनों का दुरुपयोग नहीं होगा। सरकार का फोकस जल्द से जल्द सड़कों को सुरक्षित रूप से खोलकर लोगों को राहत पहुंचाने पर है।

विक्रमादित्य सिंह, लोक निर्माण मंत्री, हिमाचल प्रदेश

न्यूज गैलरी

नबीन मथुरा-वृंदावन धाम की यात्रा पर

नई दल्ली (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार को मथुरा-वृंदावन के एक दिन के प्रवास पर रहेंगे और वहां दर्शन-पूजन के साथ एक प्रतिष्ठित मंदिर के परिसर में बैठक कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मासिक रेडियो कार्यक्रम - प्रधानमंत्री मन की बात को सुनेंगे।

जहां एसआईआर वहां सुनियोजित वोट चोरी

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को 'सुनियोजित और रणनीतिक वोट चोरी' करार देते हुए आरोप लगाया है कि जहाँ-जहाँ एसआईआर की प्रक्रिया शुरु की जा रही है वहां-वहां सुनियोजित वोट चोरी की साजिश की जा रही है।

एयर इंडिया की न्यूयार्क-नेवार्क उड़ान दो दिन रद्द

नई दिल्ली (वार्ता)। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने अमेरिका में भारी हिमपात की चेतावनी के बाद 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और नेवार्क जाने वाली या वहां से आने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयरलाइंस ने बताया कि अमेरिका के पूर्वी तट पर न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और आसपास के इलाकों अलर्ट जारी किया है।

बांग्लादेश टी-20 वर्ल्डकप से बाहर, स्कॉटलैंड खेलेगा

नई दिल्ली। बांग्लादेश टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया। दुबई में हुई बैठक के दौरान आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने यह फैसला लिया। आईसीसी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी। गुरुवार को आईसीसी से दी गई 24 घंटे की डेडलाइन के बावजूद बांग्लादेश सरकार ने भारत में खेलने से इनकार कर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप से हट सकता है: पीसीबी

पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप से हट सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफमोहसिन नकवी ने कहा, आईसीसी ने बांग्लादेश के साथ गलत व्यवहार किया। हम अब सरकार के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, अगर उन्होंने मना कर दिया तो हम भी टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश को वर्ल्ड कप से हटा दिया है। उनकी जगह अब स्कॉटलैंड को मौका मिल गया। टीम ग्रुप-सी में बांग्लादेश की जगह सभी मैच खेलेगी। मोहसिन नकवी ने द डॉन वेबसाइट को बताया- बांग्लादेश के साथ गलत व्यवहार हुआ।

सेक्स सीडी कांड: सेशन कोर्ट ने पलटा निचली अदालत का फैसला

सीबीआई की रिव्यू याचिका मंजूर, अब पूर्व सीएम भूपेश समेत सभी आरोपियों को करना होगा 'ट्रायल' का सामना

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित 'सेक्स सीडी कांड' में राज्य की सियासत एक बार फिर गरमा गई है। रायपुर सेशन कोर्ट ने मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए सीबीआई की विशेष निचली अदालत के उस फैसले को निरस्त कर दिया है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आरोपों से बरी किया गया था। कोर्ट ने सीबीआई की रिव्यू पिटिशन को मंजूर करते हुए स्पष्ट किया कि अब इस केस की दोबारा सुनवाई होगी और बघेल को नियमित रूप से कोर्ट में पेश होना होगा।

निचली अदालत ने दी थी क्लीन चिट: बता दें कि मार्च 2025 में सीबीआई की विशेष अदालत ने भूपेश बघेल को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ सभी धाराएं हटा दी थीं। तब कोर्ट ने कहा था कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने का कोई पर्याप्त आधार नहीं है। हालांकि, केंद्रीय जांच ब्यूरो ने इस फैसले को चुनौती देते हुए सेशन कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी, जिस पर अब फैसला जांच एजेंसी के पक्ष में आया है।

मुरारका और विनोद वर्मा की अर्जी भी खारिज: सेशन कोर्ट ने न केवल बघेल के खिलाफ केस बहाल किया, बल्कि मामले के अन्य आरोपियों- कारोबारी कैलाश मुरारका और पूर्व सीएम के सलाहकार विनोद वर्मा की उन याचिकाओं को भी खारिज कर दिया, जिनमें उन्होंने खुद को आरोपों से मुक्त करने की गुहार लगाई थी। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं और उन्हें न्यायिक प्रक्रिया (ट्रायल) का सामना करना ही होगा।

गरमा-गरम

इंतजार खत्म! *तीन दिन बाद दिल्ली में होंगी 'मदर ऑफ ऑल डील्स', भारत पहुंच रहे ईयू के टॉप लीडर्स*

भारत-ईयू के बीच होने जा रहा एफटीए, चीन-अमेरिका के उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली (ए.)। भारत और यूरोपीय संघ के बीच फ्री ट्रेड डील (एफटीए) का ऐलान होने जा रहा है। 27 जनवरी को इस पर फाइनल मुहर लग जाएगी। इस डील को 'मदर ऑफ ऑल डील' कहा जा रहा है, जो अब तक के सभी डील्स से बड़ी होने वाली है। यह दशकों के इंतजार के बाद पूरा होने जा रहा है। इस बीच, यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि भारत पहुंच रहे हैं। ईयू के टॉप लीडर्स गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में भी शामिल होंगे, जिसके बाद फ्री ट्रेड डील का ऐलान किया जा सकता है।

24 जनवरी को यूरोपी संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन नई दिल्ली पहुंच रही हैं, जो दोपहर 2.40 बजे पहुंचेगी। इसके बाद शाम 6 बजे विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से होटल इंपीरियल में मुलाकात करेंगी। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच बड़ी डील होने जा रही है। आज यूरोप के प्रतिनिधि भारत आ रहे हैं, जो 5 दिन के कार्यक्रम में शामिल होंगे। ये 26 जनवरी की परेड में भी शामिल होंगे, जिसके बाद डील का ऐलान होगा। यात्रा के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अमेरिका जैसे देशों पर निर्भरता कम करेगा

भारत और यूरोपीय संघ के बीच पांच दिन का कार्यक्रम रखा गया है, जो राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक क्षेत्रों में भारत-यूरोपीय संघ के संबंधों को गहरा करेगा. साथ ही ग्लोबल स्तर पर तनाव बढ़ने और अमेरिका जैसे देशों पर निर्भरता कम भी करेगा। दरअसल, यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने मंगलवार को

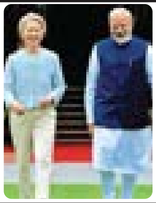

स्विट्ज़रलैंड के दावोस में बड़ा ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि यूरोपीय संघ और भारत के बीच बड़ी डील होने जा रही है, जो आज तक किसी ने दूसरे देश से नहीं की होगी। उन्होंने कहा कि इससे 27 देशों के इस समूह को 'फर्स्ट मूवर एडवांटेज' मिलेगा। वहीं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इसे 'मदर ऑफ़ ऑल डील्स' कहा है।

दंतेश्वरी मंदिर को चोरों ने बनाया निशाना सोने-चांदी के आभूषणों को किया पार

जगदलपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में चोरों के हौंसले बुलंद है। इस बार चोरों ने प्रसिद्ध दंतेश्वरी मंदिर को निशाना बनाया। मंदिर में देर रात बड़ी चोरी की वारदात हुई है। अज्ञात चोरों ने मंदिर के पीछे के दरवाजे के ताले को तोड़कर अंदर प्रवेश किया और माता दंतेश्वरी के सोने-चांदी के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। लोगों में घटना को लेकर नाराजगी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मंदिर परिसर को सुरक्षित कर जांच शुरू कर दी गई है। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। वहीं चोरों की आवाजाही के सुराग जुटाने के लिए शहर के अन्य सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं। सीसीटीवी में ■ शेष पृष्ठ 6 पर

स्वर्गीय विनोद कुमार शुक्ल की रचनाएं साधारण मनुष्य के असाधारण जीवन का दस्तावेज

छत्तीसगढ़ ने बीते 200 वर्षों में हिंदी साहित्य को बार-बार नई दिशा दी, इनमें श्री शुक्ल भी शामिल : डॉ. सुशील कुमार त्रिवेदी

स्मृति शेष स्वर्गीय विनोद कुमार शुक्ल: 'साहित्य की खिड़कियां' विषय पर हुई परिचर्चा

नवा रायपुर के पुरखौती मुक्तांगन में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित रायपुर साहित्य उत्सव के पहले दिन देश के शीर्षस्थ साहित्यकार स्वर्गीय श्री विनोद कुमार शुक्ल और उनके साहित्य का स्मरण किया गया। 'स्मृति शेष स्वर्गीय विनोद कुमार शुक्ल : साहित्य की खिड़कियां' विषय पर आयोजित परिचर्चा में साहित्य, प्रशासन, पत्रकारिता और फिल्म से जुड़े वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर भावपूर्ण संवाद किया। वक्ताओं ने श्री शुक्ल और उनकी रचनाओं से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए उनके साहित्य को मानवीय संवेदना और मौलिक अभिव्यक्ति का अद्वितीय उदाहरण बताया।

रायपुर साहित्य उत्सव में श्री शुक्ल और उनके साहित्य का स्मरण

छत्तीसगढ़ ने पिछले 200 वर्षों में हिंदी साहित्य को बार-बार दिशा दी

परिचर्चा के प्रथम वक्ता भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं साहित्यकार डॉ. सुशील कुमार त्रिवेदी ने कहा कि वे वर्ष 1973 से लगातार विनोद कुमार शुक्ल से जुड़े रहे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने पिछले 200 वर्षों में हिंदी साहित्य को बार-बार दिशा दी है। ठाकुर जगमोहन सिंह, माधवराव सप्रे, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, मुकुटधर पांडेय से लेकर विनोद कुमार शुक्ल तक की परंपरा ने हिंदी साहित्य को समृद्ध किया है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि श्री शुक्ल ने किसी विचारधारा या कवि का अनुगमन नहीं किया, उनका संपूर्ण लेखन मौलिक है। उनकी रचनाओं में साधारण मनुष्य अपनी पूरी गरिमा और संवेदना के साथ उपस्थित होता है। शोषितों का जीवन, खुद के गढ़े हुए मुहावरे, सरल भाषा और गहरी अनुभूति उनके साहित्य की पहचान है। उनके उपन्यासों में 'घर' सबसे खूबसूरत और मानवीय प्रतीक के रूप में उभरता है।

रचनाएं पूरी दुनिया को जोड़ती हैं : डॉ. नीलम वर्मा

परिचर्चा की सूत्रधार डॉ. नीलम वर्मा ने समापन करते हुए कहा कि स्वर्गीय श्री विनोद कुमार शुक्ल के साहित्य की एक नहीं, अनेक खिड़कियां हैं। उनके लेखन में गहरी मानवीय करुणा और संवेदना समाई हुई है। वे किसी एक राज्य या देश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनकी रचनाएं पूरी दुनिया को जोड़ती हैं।

किताबों में जनमानस की सच्ची और आत्मीय बातें : सुश्री टी.जे. भानु

अभिनेत्री सुश्री टी.जे. भानु ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि साहित्य उन्हें बचपन से संबल देता रहा है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार श्री विनोद कुमार शुक्ल की कविता पढ़ी, तो लगा कि यही वे बातें हैं, जिन्हें वे स्वयं कहना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि वे हर वर्ष 1 जनवरी को श्री शुक्ल के जन्मदिन पर रायपुर आती थीं और उनसे मिलती थीं। उनकी किताबों में जनमानस की सच्ची और आत्मीय बातें हैं।

रचनाएं मनुष्य को मनुष्य से जोड़ती हैं : आकांक्षा पारे

नई दिल्ली की युवा कथाकार एवं पत्रकार सुश्री आकांक्षा पारे ने कहा कि कई लोग विनोद कुमार शुक्ल की रचनाओं को दुरूह कहकर खारिज कर देते हैं, लेकिन बहुत से पाठकों को इन्हीं रचनाओं से गहरा और आत्मीय लगाव है। उन्होंने कहा कि श्री शुक्ल मनुष्यता के पुजारी थे, उनकी रचनाएं मनुष्य को मनुष्य से जोड़ती हैं।

रचनाएं पाठकों में कौतुक और उत्सुकता जगाती हैं : सौरभ शर्मा

जनसंपर्क विभाग के उप संचालक एवं युवा साहित्यकार श्री सौरभ शर्मा ने कहा कि स्वर्गीय श्री विनोद कुमार शुक्ल का साहित्य यह सिखाता है कि सामान्य जीवन जीते हुए भी मनुष्य कैसे खुश रह सकता है। वे बड़े कवि और लेखक तो थे ही, उससे भी बड़े इंसान थे। उन्होंने श्री शुक्ल के साथ बिताए समय को याद करते हुए कहा कि उनके साथ बैठना सुकून से भर देता था, समय का पता ही नहीं चलता था। उन्होंने बताया कि 'स्मृति' का प्रयोग श्री शुक्ल के साहित्य में विपुलता से हुआ है। उनकी रचनाएं पाठकों में कौतुक और उत्सुकता जगाती हैं।

कथाएं हमारी मिट्टी से उपजे शब्दों में अपनी बात कहती हैं : अनुभव शर्मा

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एवं लेखक श्री अनुभव शर्मा ने कहा कि श्री विनोद कुमार शुक्ल को पढ़ने के बाद उन्होंने उनके साहित्य को जिया है। उनकी रचनाओं में आए प्रतीक और बिंब हमें अपने आसपास के जीवन में दिखाई देते हैं। उन्होंने बताया कि श्री शुक्ल ने उन्हें भी लिखने के लिए प्रेरित किया। 'पेड़ों का हरहराना, चिड़ियों का चहचहाना' जैसे छोटे-छोटे प्रतीक उनकी रचनाओं में हर जगह मिलते हैं। उनकी कथाएं हमारी मिट्टी से उपजे शब्दों में अपनी बात कहती हैं और प्याज की तरह परत-दर-परत खुलती जाती हैं।

उपनिषद से एआई तक विषय पर आयोजित परिचर्चा में वक्ताओं ने रखे विचार

डॉ. गोपाल कमल की पुस्तक 'गुणाढ्य की गुणसूत्र कथा' का हुआ विमोचन

भाषा के मानकीकरण में एआई की भूमिका बड़ी चुनौती : डॉ. व्यास

प्रश्न जितना गहरा, उत्तर भी उतना ही गहरा होगा : प्रफुल्ल केतकर

रायपुर नवा रायपुर में आयोजित साहित्य महोत्सव 2026 के दूसरे दिन कवि-कथाकार अनिरुद्ध नीरव मंडप पर साहित्य : उपनिषद से एआई तक विषय पर केंद्रित परिचर्चा आयोजित हुई। इस परिचर्चा में वक्ता के रूप में ट्रिपल आईटी नवा रायपुर के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश व्यास, वरिष्ठ पत्रकार श्री प्रफुल्ल केतकर, वरिष्ठ लेखक डॉ. गोपाल कमल शामिल हुए। परिचर्चा के सूत्रधार साहित्यकार श्री संजीव तिवारी रहे, परिचर्चा का यह सत्र कवि जगन्नाथ प्रसाद भानु को समर्पित रहा। इस अवसर पर डॉ. गोपाल कमल द्वारा लिखित पुस्तक, गुणाढ्य की गुणसूत्र कथा का विमोचन किया गया।

ट्रिपल आईटी के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश व्यास ने कहा कि एआई का जो रूप आज हम देख रहे हैं, इसके पीछे विगत 30–40 वर्षों की मेहनत है। एआई निरंतर निखरता जा रहा है। तकनीक खुद को परिमार्जित करती जाती है, यह प्रक्रिया सतत है। एआई नेट पर उपलब्ध जानकारी, आंकड़ों और सूचनाओं का विश्लेषण कर हमें डिस्क्रिप्टिव टेक्नोलॉजी के रूप में समझाता है। धीरे-धीरे एआई निखरा और प्रिडिक्टिव टेक्नोलॉजी के रूप में काम करने लगा। वरिष्ठ पत्रकार श्री प्रफुल्ल केतकर ने परिचर्चा को संबोधित करते हुए कहा कि गीता के 18 अध्यायों में सभी तरह के ज्ञान का समावेश है। एआई को लेकर लोग चिंतित हैं कि एआई का फ्यूचर क्या होगा। एआई के आधार पर जापान ने जब रोबोट बनाया तो वह स्वयं को नेगेटिव प्रॉम्प्ट देने लगा। एआई कमांड और प्रॉम्प्ट पर काम करता है। एआई वही बताता है जो नेट पर उपलब्ध है। श्री केतकर ने कहा कि हमारे ऋषि सूचना की नहीं, ज्ञान की बात करते थे। वरिष्ठ लेखक डॉ. गोपाल कमल ने सत्र में अपने संबोधन में कहा कि हमारे साथ में सोचने की परंपरा ऋग्वेद से आती है। हम सभी एआई में डीप लर्निंग की बात करते हैं। भाषा कहां से आती है, वह आकार कैसे लेती है, मनुष्य भाषा तक कैसे पहुंचा, इस पर होने वाले कार्य और अध्ययन को साइकोलिंग्विस्टिक के नाम से जाना जाता है। जेनेटिक कोड के जरिए ही हम नई चीजों को सीख पाते हैं।

जब हम मिट्टी में मिल रहे हो तो ये मिट्टी भी रोए इस धरती की : सुश्री रुबिका लियाकत

रायपुर साहित्य उत्सव के दूसरे दिन अभिनव नीरव मंडल के प्रथम सत्र में विचारोत्तेजक संवाद और सारगर्भित विमर्श हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में आईं वरिष्ठ पत्रकार रुबिका लियाकत एवं छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा के मध्य रोचक परिचर्चा सम्पन्न हुई। अपने संबोधन में सुश्री लियाकत ने राष्ट्रवाद पर संबोधित कहा कि जब हम मिट्टी में मिल रहे हों, तो यह मिट्टी भी रोए इस धरती की। उन्होंने पत्रकारिता के 18 वर्षों के अनुभव साझा करते हुए युवाओं को आगाह किया कि सोशल मीडिया पर आए 30 सेकंड के वीडियो पर आँख मूँदकर भरोसा न करें, बल्कि तथ्यों की स्वयं पड़ताल करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे किसी व्यक्ति या विचारधारा के लिए नहीं, बल्कि सत्य और अच्छाई के लिए कार्य करती हैं और उनकी प्रतिबद्धता भारत के प्रति है। इतिहास और सामाजिक समरसता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी के दंगों के समय किए गए मानवीय कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा स्वभावतः सेक्युलर है और भारतीयता उसी समझ से विकसित होती है। निजी प्रसंग साझा करते हुए उन्होंने बताया कि उनकी दादी सनातन परंपराओं का पालन भी करती थीं, पाँच वक्त नमाज़ भी पढ़ती थीं और सबका आदर करती थीं, यह भारत की साझा संस्कृति का उदाहरण है। विराट हिंदू सम्मेलन से जुड़े अनुभवों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें धर्म पर मन से विचार रखने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वयं कलमा पढ़ती हैं, उनके तीनों बच्चे कुरान पढ़ते हैं पर वे अपने बच्चों को इस प्रकार तैयार कर रही हैं कि वे वंदे मातरम् और भारत माता की जय कहने में संकोच न करें क्योंकि उनकी पहचान भारतीय होने से है।

समापन समारोह

मुख्य अतिथि
श्री रमेन डेका
राज्यपाल, छत्तीसगढ़

अध्यक्ष
डॉ. सच्चिदानन्द जोशी
प्रख्यात रंगकर्मी, नाटय लेखक

विशिष्ट अतिथि
श्री ओ पी चौधरी
वित्तमंत्री, छत्तीसगढ़
डॉ चंद्रप्रकाश द्विवेदी
फिल्म अभिनेता, निर्देशक
श्री अनुराग बसु
फिल्म निर्माता, निर्देशक

दिनांक : 25 जनवरी 2026, रविवार
समय : अपराह्न 2.45 बजे से
आयोजक स्थल : पुरखौती मुक्तांगन, नवा रायपुर, अटल नगर

रंगमंच में अभिनेता की प्रधानता होती है जबकि धारावाहिकों में लेखक की

रायपुर साहित्य उत्सव के अंतर्गत श्यामलाल चतुर्वेदी मंडप में आज "नई पीढ़ी की फिल्मी दुनिया" विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में अभिनेता श्री सत्यजीत दुबे, अभिनेत्री सुश्री टी. जे. भानु, विधायक एवं प्रसिद्ध कलाकार श्री अनुज शर्मा तथा सुश्री सुविज्ञा दुबे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। परिचर्चा के दौरान श्री अनुज शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा अत्यंत सरल और सहज है, जिसे संवाद के माध्यम से और अधिक सुलभ बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय महिलाओं की सशक्त भूमिका का है, जहां सिनेमा और समाज दोनों क्षेत्रों में उनका योगदान निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने फिल्म निर्माण प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिनेमा में निर्देशक की भूमिका प्रमुख होती है, रंगमंच में अभिनेता की प्रधानता होती है, जबकि धारावाहिकों में लेखक की भूमिका निर्णायक होती है। उन्होंने साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का उदाहरण देते हुए कहा कि किसी रचनाकार की पहचान उसके पहनावे से नहीं, बल्कि उसकी रचनाओं से होती है। अभिनेता श्री सत्यजीत दुबे ने कहा कि किसी भी फिल्म में भावनात्मक तत्व होना आवश्यक है, तभी वह दशकों तक दर्शकों के मन में जीवित रहती है।

S-46634

'भारत का बौद्धिक विमर्श' सत्र बना वैचारिक मंथन का केंद्र

रायपुर के गौरवशाली आयोजन रायपुर साहित्य उत्सव ने अपनी भव्यता और वैचारिक गंभीरता से प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के साहित्यिक और बौद्धिक जगत में एक सशक्त पहचान बनाई है। उत्सव के विभिन्न सत्रों के बीच 'भारत का बौद्धिक विमर्श' विषय पर आयोजित विशेष सत्र ने सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया, जिसने बुद्धिजीवियों, युवाओं और श्रोताओं को गहन विचार के लिए प्रेरित किया। इस सत्र के मुख्य वक्ता प्रख्यात विचारक एवं लेखक श्री राम माधव रहे। उन्होंने अपने संतुलित और तार्किक वक्तव्य के माध्यम से भारतीय चेतना को आधुनिक संदर्भों में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। श्री राम माधव ने कहा कि किसी भी जीवंत राष्ट्र के लिए उसका बौद्धिक विमर्श उसकी प्राणवायु होता है। श्री राम माधव ने इस भ्रांति को भी सशक्त तर्कों के साथ खंडित किया कि बौद्धिकता केवल पश्चिमी दृष्टिकोण तक सीमित है। उन्होंने कहा कि भारत का स्वतंत्र चिंतन 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना के साथ-साथ आधुनिक यथार्थ को समझने की क्षमता भी रखता है। संवाद के दौरान उनके तर्कों की श्रृंखला ने विद्वानों के साथ-साथ युवाओं और सामान्य श्रोताओं को भी विशेष रूप से प्रभावित किया।

तृतीय दिवस 25 जनवरी 2026

विनोद कुमार शुक्ल मंडप

संवाद
संविधान और भारतीय मूल्य
श्री शिवप्रकाश जी, श्री हितेश शंकर, श्री गुरुप्रकाश
सूत्रधार : डॉ. भूपेंद्र करवंदे

परिचर्चा
सिनेमा और समाज
श्री अनुराग बसु, डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेद्वी, श्री अनंत विजय
सूत्रधार : श्री मनोज वर्मा

लाला जगदलपुरी मंडप

परिचर्चा
ट्रैवल ब्लॉग : पर्यटन के प्रेरक
श्री राहुल चौधरी
डॉ. कायनात काज़ी
सुश्री शिखा वाष्णेय

परिचर्चा
पत्रकारिता और साहित्य
श्री अनंत विजय, डॉ. हिमांशु द्विवेदी, श्री अवधेश कुमार
श्री गिरीश पंकज, श्रीमती स्मिता मिश्रा
सूत्रधार : श्री विभाष झा

परिचर्चा
शासन और साहित्य
डॉ सुशील त्रिवेदी, श्रीमती इंदिरा मिश्र, श्री बी के एस रे
डॉ. संजय अलंग, श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी
सूत्रधार: डॉ. गौरव सिंह

श्यामलाल चतुर्वेदी मंडप

परिचर्चा
नवयुग में भारत बोध
श्री संजीव शर्मा
डॉ. संजय द्विवेदी
डॉ. प्रवीण गुगनानी

संवाद
नाट्यशास्त्र और कला परंपरा
डॉ. सच्चिदानंद जोशी
डॉ. लवली शर्मा, कुलपति
सूत्रधार : राजेश गनोदवाले

छत्तीसगढ़ी काव्य पाठ
श्री रामेश्वर वैष्णव, श्री रामेश्वर शर्मा, श्री मीर अली मीर,
श्रीमती शशि सुरेन्द्र दुबे, श्री भरत द्विवेदी।

न्यूज गैलरी

राज्य स्तरीय रोजगार मेला 29 जनवरी से

रायपुर। राजधानी के सेजबहार स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में आगामी 29-30 और 31 जनवरी को राज्य स्तरीय रोजगार मेला 2026 का आयोजन किया गया है। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्रों के रिक्त 15 हजार पदों पर साक्षात्कार लिया जाएगा। रोजगार मेला के लिए आवेदकों को ऑनलाइन पोर्टल ईरोजगार. सीजी. जीओवी. इन में पंजीयन करना होगा और 29 जनवरी को समस्त शैक्षणिक योग्यता, पासपोर्ट साइज फोटो, पहचान पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र इत्यादि दस्तावेज लेकर निर्धारित स्थल पर पहुंचना होगा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र रायपुर के उपसंचालक ने बताया कि ऐसे आवेदक जिन्होंने पहले राज्य रोजगार मेला के लिए ऑनलाइन पंजीयन किया है, उन्हें पुनः पंजीयन करने की जरूरत नहीं है।

केमिस्ट भर्ती परीक्षा के नतीजे घोषित

रायपुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत केमिस्ट के पदों पर भर्ती के लिए व्यापमं द्वारा 21 दिसंबर को आयोजित परीक्षा के नतीजे आज घोषित कर दिए गए। परीक्षा के बाद मॉडल उत्तर वेबसाइट पर जारी कर दावा-आपत्ति मंगाई गई थी। प्राप्त दावा-आपत्तियों का विषय विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण किया गया। जिसके बाद वेबसाइट पर अंतिम उत्तर के साथ परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। अभ्यर्थी व्यापमं की वेबसाइट पर स्वयं का प्रोफाइल लॉगिन कर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं।

किसान मेला कुम्हारी में 30 और 31 जनवरी को

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ द्वारा 30 व 31 जनवरी को कुम्हारी में किसान मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसके मुख्य अतिथि होंगे राज्यपाल रमेन डेका। संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष दीप चौहान ने बताया, इस किसान मेले के आयोजन का उद्देश्य नवीन कृषि तकनीकों, पशुपालन, जैविक खेती एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना है। इस आयोजन को मुख्य आतिथ्य प्रदान करने का आग्रह लेकर संघ के पदाधिकारियों ने राज्यपाल श्री डेका से भेंट की। प्रतिनिधि मंडल में पूर्व विधायक-धरसींवा देवजी भाई पटेल, संघ के प्रदेश अध्यक्ष विरेंद्र सिंह लोहान, उपाध्यक्ष प्रफुल्ल टांक व सहसचिव दिलीप राठौर शामिल थे। इस किसान मेले के समापन समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान विशेष रूप से सम्मिलित होंगे।

जमीन बिक्री के नाम पर 20 लाख की धोखाधड़ी

रायपुर। बैरनबाजार क्षेत्र में जमीन बिक्री का सौदा कर 20 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 3 (5), 318 (4) के तहत अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पीड़ित विजय पटेल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी शहनाज खान और शफिक खान से 2604 वर्गफुट जमीन खरीदने के लिए एक करोड़ 40 लाख रुपए में सौदा हुआ था। 17 जुलाई 25 को 20 लाख बयाना के तौर पर दिया गया, लेकिन आरोपियों ने तीन माह बाद भी जमीन की रजिस्ट्री नहीं कराई।

राज्यपाल डेका से नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर शुक्ला ने की सौजन्य भेंट

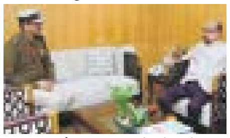

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में रायपुर के नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने सौजन्य मुलाकात की। पुलिस आयुक्त ने राज्यपाल को कानून व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी। राज्यपाल श्री डेका ने उन्हें जनभावनाओं के अनुरूप बेहतर शान्ति और कानून-व्यवस्था बनाने रखने की शुभकामनाएं दी।

जन जागरुकता से आएगी सड़क दुर्घटनाओं में कमी : सीएम साय

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत 12 मार्ग में 12 नवीन बसों का शुभारंभ और रायपुर के पंडरी में आधुनिक लाइसेंस सेंटर कार्यालय भवन पंडरी का हुआ भूमिपूजन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सड़क सुरक्षा का संदेश देते हुए स्वयं हेलमेट पहनकर चलाई स्कूटी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जन जागरूकता से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। यातायात नियमों के प्रति सजगता ही हमें जनहानि से बचा सकती है। मुख्यमंत्री साय ने सड़क सुरक्षा का संदेश देते हुए स्वयं हेलमेट पहनकर बाइक चालकों के दल के साथ स्कूटी चलाई।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने राजधानी रायपुर के पंडरी में आधुनिक लाइसेंस सेंटर कार्यालय भवन पंडरी का भूमिपूजन और प्रदेश भर में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत 12 नवीन मार्गों में 12 नवीन बसों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मानव जीवन अनमोल है। उन्होंने बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए यातायात नियमों के पालन की अपील आम नागरिकों से की जिससे वाहन दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। आज इस कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा के लिए कार्य कर रहे राहगीरों, पुलिस मितान, चिकित्सकों, यातायात पुलिस कर्मियों सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया गया है। ये सभी लोग इस कार्य में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में किसी माता की कोख सूनी हो जाती है, कई भाई अपनी बहन से हमेशा के लिए बिछड़ जाते हैं और कई बच्चे अनाथ हो जाते हैं।

कृमिनाशक दवा भी अमानकः एल-1 के बाद एल-2 की एल्बेंडाजोल दवा में खोट

रायपुर/नवप्रदेश। एल-1 कंपनी के बाद कृमि की समस्या से मुक्ति के लिए शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध कराई जाने वाली एल्बेंडाजोल नामक दवा मानक मात्रा में खरी नहीं उतर पाई। सीजीएमएससी द्वारा सर्कुलर जारी कर उक्त दवा की प्रभावित बैच को स्वास्थ्य केंद्रों से वापस मंगाय गया है। दवा निगम ने नया टेंडर जारी कर तीसरी कंपनी से इसकी खरीदी की है। सीजीएमएससी के माध्यम से हुए टेंडर में एल-1 बनाने कंपनी की वाली एल्बेंडाजोल के संबंध में कुछ स्वास्थ्य केंद्रों से शिकायत मिली थी। इसके बाद दवा निगम ने सभी स्वास्थ्य केंद्रों से दवा वापस मंगाई थी।

संदेह के आधार पर दवाओं की जांच कराई गई, तो उसके करीब चार बैच के सैंपल फेल हो गए थे। सख्त रुख अपनाने हुए दवा की सप्लाई रोककर कंपनी से अनुबंध समाप्त किया था। इसके बाद एल-2 वाली कंपनी को दवा सप्लाई का आर्डर दिया गया। करीब आठ महीने बाद इसकी दवा को लेकर भी शिकायत हुई और दवा निगम ने तत्काल एहतियात बरतते हुए रायपुर और बलौदाबाजार जिलों के स्वास्थ्य केंद्रों से संबंधित दवा वापस मंगाने आर्डर जारी किया है। पेट से कृमि हटाने वाली इस दवा के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

सीजीएमएससी इस दवा की खरीदी के लिए नया टेंडर जारी कर रही

सूत्रों के मुताबिक, सीजीएमएससी इस दवा की खरीदी के लिए नया टेंडर जारी कर खरीदी की प्रक्रिया पूरी कर रहा है। इन दवाओं के जरिए प्रदेश में विभिन्न तरह के अभियान चलाए जाते हैं। अगले माह फरवरी में फाइलेरिया के अभियान में भी कुछ जिलों में इस दवा का डोज भी शामिल किया गया है।

जमीन का 1.40 करोड़ में किया सौदा 20 लाख लेकर नहीं कराई रजिस्ट्री

रायपुर। बैरनबाजार इलाके में स्थित एक जमीन का कारोबारी ने 1.40 करोड़ रुपए में सौदा किया था। कारोबारी ने प्रॉपर्टी मालिक को 20 लाख रुपए एडवांस दिए, लेकिन इसके बाद से आरोपी रजिस्ट्री के नाम पर गुमराह करता रहा। न तो जमीन की रजिस्ट्री कराई गई और न ही एडवांस की रकम वापस की गई। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि फाफाडीह निवासी विजय पटेल का अपना कारोबार है। एक परिचित के माध्यम से उनकी मुलाकात शहबाज खान और शफिक खान से हुई थी। शहबाज खान की बैरनबाजार में 2604 वर्गफीट जमीन है। इसी जमीन का सौदा 1.40 करोड़ रुपए में तय हुआ था। कारोबारी ने अलग-अलग किश्तों में 20 लाख रुपए एडवांस दिए। शेष राशि रजिस्ट्री के समय देने की बात तय हुई थी।

आरोप है कि शहबाज और शफिक खान करीब एक साल तक रजिस्ट्री के नाम पर विजय पटेल को गुमराह करते रहे। न तो रजिस्ट्री कराई गई और न ही एडवांस की रकम लौटाई गई। बाद में आरोपियों ने वही जमीन किसी अन्य व्यक्ति को अधिक कीमत पर बेच दी और एडवांस की रकम अपने निजी कार्यों में खर्च कर दी।

एल्बेंडाजोल दवा के कई बैच फेल, स्वास्थ्य केंद्रों से वापस मंगाई गई दवा

रायपुर/नवप्रदेश। एल-1 कंपनी के बाद कृमि संक्रमण से मुक्ति के लिए शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में वितरित की जाने वाली एल्बेंडाजोल दवा भी गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरी है। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सर्कुलर जारी कर प्रभावित बैच की दवा स्वास्थ्य केंद्रों से वापस मंगाई है। दवा निगम ने इसके बाद नया टेंडर जारी कर तीसरी कंपनी से दवा की खरीदी की है। सीजीएमएससी के माध्यम से हुए टेंडर में एल-1 कंपनी द्वारा आपूर्ति की गई एल्बेंडाजोल दवा को लेकर कुछ स्वास्थ्य केंद्रों से शिकायतें मिली थीं। इसके बाद सभी केंद्रों से दवा वापस मंगाई। जांच के दौरान करीब चार बैच के सैंपल फेल पाए गए, जिसके बाद दवा की सप्लाई रोकते हुए संबंधित कंपनी से अनुबंध समाप्त कर दिया गया। इसके बाद एल-2 कंपनी को दवा सप्लाई का आदेश दिया गया, लेकिन करीब आठ महीने बाद उसकी दवा को लेकर भी शिकायतें सामने आईं। इस पर दवा निगम ने एहतियातन रायपुर और बलौदाबाजार जिलों के स्वास्थ्य केंद्रों से संबंधित दवा तत्काल वापस मंगाने के निर्देश दिए हैं। पेट से कृमि नष्ट करने वाली इस दवा के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। सूत्रों के अनुसार, सीजीएमएससी ने एल्बेंडाजोल दवा की खरीदी के लिए नया टेंडर जारी कर प्रक्रिया पूरी करने की तैयारी शुरू कर दी है।

मतदाता सूची या मजाक? कहीं पिता से छोटा दादा, तो कहीं बाप से बड़ा बेटा

रायपुर की वोटर लिस्ट में मिलीं लाखों खामियां

रायपुर/नवप्रदेश। जिले की मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान सामने आई विसंगतियां वर्षों से चली आ रही लापरवाही को उजागर करती हैं। कहीं दादा की उम्र पिता से कम दर्ज है तो कहीं बेटे की उम्र पिता से अधिक पाई गई है।

इन्हीं गड़बड़ियों के बीच जिले की सात विधानसभा सीटों में अब तक 5 लाख 28 हजार मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं, जबकि 1 लाख 33 हजार मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। दावा-आपत्ति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 21 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

पिता के नाम और उम्र मतदाता सूची में दर्ज विवरण से मेल नहीं: प्रारंभिक जांच में पाया गया कि करीब 2 लाख 15 हजार मतदाताओं के पिता के नाम और उम्र मतदाता सूची में दर्ज विवरण से मेल नहीं खाते। वहीं 6,040 मामलों में मतदाताओं की उम्र आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों से अलग पाई गई।

57,709 मामलों में पिता का नाम गलत दर्जः विधानसभावार आंकड़ों के अनुसार रायपुर ग्रामीण में 57,709 मामलों में पिता का नाम गलत दर्ज मिला। यहां माता-पिता की उम्र में 10,466, मतदाता की उम्र में 2,181 और दादा-दादी की उम्र में 2,038 मामलों में अंतर पाया गया। रायपुर पश्चिम में पिता के नाम की 40,350, रायपुर उत्तर में 26,448, रायपुर दक्षिण में 45,867, धरसींवा में 58,858, आरंग में 61,431 और अभनपुर में 61,236 त्रुटियां सामने आईं।

मतदाता सूची संशोधन के दौरान फार्म-6 के माध्यम से 16,590 नए नाम जोड़े गए। फार्म-7 के तहत 709 नाम हटाने के आवेदन आए, जबकि फार्म-8 से 6,968 प्रविष्टियों में सुधार कराया गया। इस प्रकार कुल 24,267 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि 5,11,136 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए।

22 जनवरी तक दावा-आपत्ति ली गईः चुनाव विभाग के अनुसार 22 जनवरी तक दावा-आपत्ति ली गई। 14 फरवरी तक दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा और 21 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी। जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, वे निर्धारित समय में आवेदन कर पुनः नाम जुड़वा सकते हैं।

रायपुर ग्रामीण में सर्वाधिक 1,34,252 नाम कटेः विधानसभावार देखें तो रायपुर ग्रामीण में सर्वाधिक 1,34,252 नाम कटे, लेकिन यहां से केवल 3,215 आवेदन आए।

सरकारी भवनों की शिफ्टिंग शुरू बिना रजिस्ट्री वाले भवन तोड़े जा रहे

रायपुर/नवप्रदेश। शुक्रवारी बाजार मंदिर से रेलवे की नई रोड तक सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से चल रहा है। पीडब्ल्यूडी ने सड़क चौड़ीकरण की जद में आने वाले मकानों को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें कई सरकारी भवनों के साथ ही पार्षद कार्यालय, अपना क्लीनिक, सामुदायिक भवन जैसे करीब 15 मकान शामिल हैं। प्रशासन के मुताबिक पूरे प्रोजेक्ट के तहत करीब 170 मकानों को हटाया जाना है। वर्तमान में ऐसे मकानों को तोड़ा जा रहा है, जिनकी रजिस्ट्री नहीं है। वहीं दूसरी तरफ रजिस्ट्रीधारी भू-स्वामियों की जमीन का मुआवजा अभी तक तय नहीं हो पाया है। वर्तमान में 80 मकान मालिकों के पास रजिस्ट्री के कागजात मौजूद हैं। इसके लिए फाइल वित्त विभाग को भेजी गई है। वित्त विभाग से अनुमति मिलने के बाद सर्वे और अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी।

14 मीटर की होगी नई सड़क

भारत माता, शुक्रवारी बाजार से होकर स्टेशन तक जाने वाली सड़क को 14 मीटर चौड़ी की जानी है। वर्तमान में गुढ़ियारी क्षेत्र में घनी बसाहट के चलते इस रूट पर सुबह-शाम ट्रैफिक जाम होता है। भारत माता चौक से स्टेशन आने वाले यात्री भी परेशान होते हैं। क्योंकि पहाड़ी चौक तक सड़क फोर लेन है, लेकिन पहाड़ी चौक से शुक्रवारी बाजार के बीच की सड़क केवल 5 मीटर चौड़ी है। लोगों की समस्या को देखते हुए पीडब्ल्यूडी सड़क चौड़ीकरण करने का निर्णय लिया है।

26 जनवरी तक एयर इंडिया की उड़ानें रद्द

गणतंत्र दिवस के कारण एयरलाइन ने लिया निर्णय

रायपुर/नवप्रदेश। गणतंत्र दिवस के मद्देनजर दिल्ली में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू होने के कारण हवाई सेवाओं पर असर पड़ा है। एयर इंडिया ने राजधानी दिल्ली से संचालित कुछ उड़ानों को 26 जनवरी तक रद्द कर दिया है। इसमें दिल्ली-रायपुर-दिल्ली सेक्टर की सुबह संचालित नियमित उड़ान भी शामिल है। एयर इंडिया की ओर से जारी सूचना के अनुसार, फ्लाइट (नंबर एआई 1718) 26 जनवरी तक संचालित नहीं होगी। सुरक्षा कारणों से दिल्ली एयर स्पेस में अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिसके चलते उड़ानों के संचालन में यह अस्थायी बदलाव किया गया। इसका सीधा असर रायपुर से दिल्ली जाने वाले यात्रियों पर पड़ा है, विशेषकर उन लोगों पर जिन्होंने पहले से टिकट बुक कर रखी थी।

एयरलाइन और एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे फ्लाइट से पहले अपनी बुकिंग और उड़ान की स्थिति की पुष्टि कर लें। इससे अनावश्यक असुविधा और समय की बर्बादी से बचा जा सकेगा। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा के मद्देनजर यह कदम अनिवार्य है और गणतंत्र दिवस के बाद उड़ान संचालन सामान्य हो जाएगा।

एयरलाइन ने दी रिफंड की सुविधाः रायपुर एयरपोर्ट पर यात्री पहले ही लंबी सुरक्षा जांच और कड़ी चेकिंग के कारण परेशान थे। अब उड़ानों के रद्द होने से लोगों को विकल्प खोजने और यात्रा योजना में बदलाव करना पड़ सकता है।

शॉपिंग, एंटरटेनमेंट और फूड एंजॉय करने आज लोग पहुंचेंगे राडा एक्सपो

खरीदी के साथ राडा ऑटो एक्सपो में संडे-मंडे को एंटरटेनमेंट धमाल

रिपब्लिक डे की शाम देशभक्ति के रंग से सराबोर रहेगा एक्सपो मंच

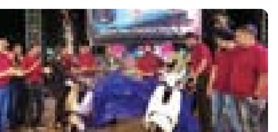

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के श्रीराम बिजनेस पार्क में जारी राडा ऑटो एक्सपो में संडे और मंडे को खरीदारी के साथ में ग्राहक खास इवेंट का लुत्फ उठा सकेंगे। संडे को शॉपिंग, एंटरटेनमेंट और फूड एंजॉय करने लोग पहुंचेंगे।

वहीं मंडे रिपब्लिक डे की शाम देशभक्ति के रंगों से सराबोर रहेगा, स्टंट शो भी होगा। दोनों दिन वाहनों की बिक्री के साथ ही कस्टमर के एंटरटेनमेंट के लिए राडा ने खास इंतजाम किया है। इन दो दिनों में वाहनों की बुकिंग और बिक्री का नया रिकॉर्ड बनने की उम्मीद है। शनिवार को कृषि मंत्री रामविचार नेताम राडा एक्सपो स्थल पहुंचे।

उन्होंन तीन वाहनों की लॉन्चिंग की। वहीं शनिवार को वाहनों की बिक्री का आंकड़ा 85 सौ पहुंच गया। राडा ऑटो एक्सपो स्थल पर संडे और मंडे दोनों दिन फैशन शो का आयोजन किया गया है। संडे को डांस ट्रुप अपने परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीतेंगे। वहीं 26 जनवरी की शाम फैशन शो देशभक्ति का रंग लिए रहेगा। एक्सपो स्थल पर 26 जनवरी की शाम को टीवीएस स्टंट शो का भी आयोजन किया जाएगा। स्टंट शो में पेशेवर स्टंटबाज प्रस्तुति देंगे। इसका आनंद शाम को 5 बजे से लिया जा सकेगा। राडा ऑटो एक्सपो-2026 में वाहनों की खरीदी को लेकर ग्राहकों में जबर्दस्त उत्साह दिख रहा है। रोड टैक्स पर 50 प्रतिशत की छूट मिलने पर लोग अपने मनपसंद वाहन खरीद रहे हैं। रोड टैक्स में छूट के साथ ही डीलर्स और कंपनियों ने भी आकर्षक ऑफर पेश किए हैं। पांच दिनों में वाहनों की बिक्री 85 सौ पहुंच गई है। राडा के पदाधिकारियों का कहना है कि वैसे तो हर दिन के लिए खास इवेंट रखे गए हैं लेकिन संडे और उसके बाद मंडे को रिपब्लिक डे होने से खास तैयारी की गई है।

गणतंत्र दिवस 2026: राष्ट्र के स्वाभिमान का महापर्व

प्रस्तावना: 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था, जिसने हमें एक पूर्ण गणराज्य की पहचान दी। आज 2026 में, जब हम अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं, तो यह दिन हमारे गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य के बीच एक सेतु की तरह खड़ा है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र की असली ताकत देश की जनता में निहित होती है।

संविधान और लोकतांत्रिक मूल्य

भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जो हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है। इस पैराग्राफके माध्यम से हमें यह समझना चाहिए कि हमारा संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों का जीवंत प्रतीक है। यह समाज के हर वर्ग को अपनी आवाज उठाने का हक देता है और हमें एक सूत्र में पिरोकर रखता है। विविधता में एकता ही हमारे गणतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है, जहाँ अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों के बावजूद हम सब 'भारतीय' होने पर गर्व करते हैं।

आधुनिक भारत की विकास गाथा

वर्ष 2026 तक आते-आते भारत ने विज्ञान, तकनीक और आर्थिक मोर्चे पर अभूतपूर्व प्रगति की है। आज हमारा देश रक्षा उपकरणों से लेकर दवाओं तक के उत्पादन में 'आत्मनिर्भर' बन रहा है। डिजिटल क्रांति ने भारत के गांवों को शहरों से जोड़ दिया है, जिससे शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं अब हर नागरिक की पहुंच में हैं। गगनयान मिशन और सेमीकंडक्टर निर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत की बढ़ती ताकत यह दर्शाती है कि हम अब केवल एक बाजार नहीं, बल्कि दुनिया के लिए एक 'इनोवेशन हब' बन चुके हैं।

युवाओं की भूमिका और भविष्य का विजन

भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और हमारे युवाओं की ऊर्जा ही इस गणतंत्र का असली इंजन है। 2026 का यह समय भारतीय युवाओं के लिए असीम संभावनाओं का द्वार खोलता है। स्टार्टअप कल्चर और तकनीकी कौशल के दम पर आज का युवा न केवल अपने लिए रोजगार पैदा कर रहा है, बल्कि वैश्विक समस्याओं का समाधान भी दे रहा है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं को अपने मौलिक कर्तव्यों को समझना होगा। शिक्षा, ईमानदारी और कड़े परिश्रम के बल पर ही हम भारत को पुनः 'विश्व गुरु' के पद पर आसीन कर सकते हैं।

नारी शक्ति और सामाजिक समरसता

2026 का भारत आज 'महिला नेतृत्व वाले विकास' (ङ्खश्वद्वद्गठ्ठ-द्यद्गस्र ष्ठद्ग1द्गद्यश्चद्वद्गठ्ठह्ल) की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। हमारे गणतंत्र की मजबूती इस बात में झलकती है कि आज देश की बेटियां सीमाओं की रक्षा से लेकर अंतरिक्ष के मिशनों तक में अपनी काबिलियत साबित कर रही हैं। जब समाज का हर वर्ग–चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या लिंग का हो–एक साथ मिलकर काम करता है, तभी लोकतंत्र वास्तव में समृद्ध होता है। सामाजिक समरसता और नारी शक्ति का सम्मान ही हमारे गणतंत्र को विश्व के अन्य देशों से अलग और महान बनाता है।

अंततः, गणतंत्र दिवस हमें आत्म-चिंतन का अवसर देता है। हमें यह सोचना चाहिए कि हम अपने देश के विकास में क्या योगदान दे रहे हैं। जब तक हम अपने कर्तव्यों के प्रति सजग नहीं होंगे, तब तक अधिकारों का मूल्य अधूरा है। आइए, तिरंगे के नीचे खड़े होकर हम यह शपथ लें कि हम एक ऐसे भारत का निर्माण करेंगे जो समृद्ध, सुरक्षित और सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण हो।

मैं स्त्री हूं

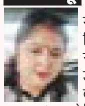

हां मैं ही संस्कृति हूं
मैं ही लक्ष्मी
मै ही काली
और मैं ही सरस्वती हूं
पीढ़ियां दर पीढ़ियां
मुझ पर पग रख चलती रही
मेरी उड़ानें देखकर
परपाटियां खलती रही
जी खोलकर मैं कभी
मुस्कुरा पाती नहीं हूं
लव सिल चुके हैं मान में
पलकें झुकी सम्मान में
शब्द मेरे कस रहे हैं
कुछ लोग मुझपर हंस रहे हैं
भोर की पहली किरण सी
दौड़ती देखो हिरण सी
बेटी बहिन मां रूप रखती
मैं ही रति मायावती हूं
हां मैं स्त्री हूं

मैं ही संस्कृति हूं
जितनी सहज जितनी
सरल हूं
उतनी कयामत तक
कठिन हूं
वध मेरी मर्यादा का
मैं होने दें सकती नहीं
आज की नारी हूं साहब
निज अस्तित्व मैं
खोने दे सकती नहीं हूं
मैं ही अर्जुन की रथी
मैं ही वायु की गति हूं
तुम जब दुर्योधन बनोगे
तब तेरी मैं दुर्गति हूं
मैं स्त्री हूं
हां मैं ही संस्कृति हूं
मैं ही लक्ष्मी
मै ही काली
और मैं ही सरस्वती हूं।

– रेनू सक्सैना

परछाई

सहसा एक दिन मुझसे पूछी, खुद मेरी परछाई।
प्रात: सान्ध्य मैं लम्बवत, अब खुश हो न भाई।।
बात करो मुझसे थोड़ी,खोल पाओगे गाँठे थोड़ी।
जब–जब सूरज सीध हुई,क्यों याद मेरी न आई।।
मान अमान भेद न करती, चाहे ये जग मुँह फेरे।
चाहे साथ रहे न कोई , सदा रहती संग–संग तेरे।।
आईने संग तो बातें सारी,मुझसे आँख मिलाओ।
संग संगिनी मैं हूँ तेरी,तब भी रात कालिमा घेरे।।
जब टूटेगी साँसों डोरी, रहूँगी पार्थिव सहचरणी।
साथ निभाए मुझसा कोई,और कहाँ सहधर्मिणी।।
मैं पूछूँ जीवन में तुम्हे क्या, मेरी जैसी मिल पाई।
परछाई की नीयत न्यारी,शुद्ध हृदय मैं देववरणी।।
मैंने कहा कोई ऐसी आँखें, शायद न पढ़ पाया हूँ।
नियत मंजिल जब रुकना,शायद न बढ़ पाया हूँ।।
दिल कई–कई बार कहा, जानूँ मैं क्या– क्या सहा।
व्यर्थ रही है साँसे तब तो, पाया न मैं
गढ़ पाया हूँ।।

– रोशन साहू 'मोखला'

सुनो भाई उधो — कोड़ भका–भक, कोड़ भका–भक...

परमानंद वर्मा

मनखे तो मनखे ये मुसुआ मन घला आजकल अड़बड़े पदनीपाद पदोवत हे, हद करत हे, लाहो लेवत हे। मुसकेट के रख दे के लइक हे। सुनब म आवत हे अउ अखबार, टीवी घला बतावत हे के ये मुसुवा मन लाखों, करोडों रुपया के धान ला फोकला पार दे हें। मंडी, गोदाम अउ घर कै कोठी म रखे किसान् मन के धान के धुर्रा बिगाड़ दे हे कोड भकाभक कोड भकाभक कर के। बकबकावत हे। नसबंदी करा दय सरकार हा एक् 'मन के ते जतका मस्ती हे तउन सब घुसड़ जही। इकरे उपर पेश हे छत्तीसगढ़ी आलेख......

कोड़ भका-भक - कोड़ भका-भक...?

कोन कोती ले आवाज आवथे, कोनो बिलई, मुसुवा तो नइ छटपटावत हे। हत रे... हत रे... हुर्रे... हुर्रे...। कथरी ला ओढ़के फिरंतीन फेर सुत जथे।

कोड़ भका-भक - कोड़ भका-भक

खसर-मसर चर्र... चर्र... होये के फेर आवाज आथे, अधरतिया घला खटिया हा कोनो डिस्को डांस करथे का, आजकल किसम-किसम के डांस होये ले धर ले हे। फेर खटिया डांस बर कभू, कोनो-ककरो ले परमिट ले के जरूरत नइ हे। न पुलिस, न एसडीएम अउ न कलेक्टर से?

कोड़ भका-भक, कोड़ भका-भक, एती एकर मन के काम शुरू हो जाय रहिथे, फेर 'खटिया डांस, गीत, गजल, कव्वाली अउ फाग गीत नंगाड़ा, बैंड बाजा, गिटार के कनरस आवाज ओकर मन के काम मं बाधा डारत रिहिसे।

कोड़ भका-भक - कोड़ भका-भक के काम ला थोरकिन रोकिन, मुड़ी ला ऊपर कोती टांग के देखथे तब अंधियार मं कांही दीखय तब ना? घुप अंधियार मं कोनो डांसर दीखय न कोनो कोड़-फोड़े के काम मं लगे कलाकार अउ दरशक मन। बड़ा अचरज मं परगे, ओमन।

कोनो होवय, का करना हे- चलिन अपन जउन काम मं लगे हन, तेला शुरू करिन। फेर शुरू होगे... कोड़ भका-भक, कोड़ भका-भक...।

होत बिहनिया अखबार मं ओकर मन के करतूत छप के आगे। कवर्धा मं करोड़ों के धान मुसुवा मन कोड़ के खागे। सब झन दांत निपोर दीन, सिर पीट लीन अउ एक-दूसर ला काहत फिरत हे- ये कइसे हो सकत हे?

तब कोनो-कोनो काहत हे, हो का सकत हे..., होगे का। जाके मंडी ला, कोठी ला, गोदाम ला देख लौ, 'हाथ कंगन ला आरसी का?

अरे बाप रे, अतेक जबर-जबर मुसुआ हे कवर्धा मं, का एकर जानबा पहिली नइ रिहिसे?

तब कोनो कहिथे- रहितिस तब मुसुआ मारे के दवई नइ छिछवा दे रहितेन। बड़ा भुसंड.. भुसंड... मुसुआ हे तइसे लागथे भई?

हो तो गे, डकार तो डरिन राछस मन सही बनके, अब सरकार के अधिकारी मन का रिपोट दिही, मुख्यमंतरी अउ खाद्य मंतरी पूछही- ये कइसे होइस अतेक नुकसान कर डरिन मुसुआ मन तब तुमन सब आंखी मूंद के सुते रेहेव का कुंभकरन सही?

ये मुसुआ मन के बहुत बड़े गेंग हे तइसे लागथे, जइसे आतंकवादी संगठन अउ नक्सलवादी मन के होथे। बस्तर, मुंबई, पंजाब अउ कश्मीर मं सिरियल ब्लास्ट होय हे, करे हें वइसने कवर्धा के बाद महासमुंद अउ कांकेर मं घला कोड़ भका-भक, कोड़ भका-भक.. करके करोड़ों के धान के वारा-नियारा कर डरे हे। हाथी कस पेट हे एकर मन के अइसे लागत हे। खाद्य विभाग अउ मंडी अधिकारी मन परेशान हे, लहू-लुहान होगे हे। बम, बारूद, रायफल जइसे खतरनाक हथियार के काम करत हे ये मुसुआ मन के मुंह, दांत हा। खबर सुनके सब चकित हे।

साय सरकार अउ पुलिस परेशान, करय तो करय का, सोचत हे- अइसन तो पहिली नइ होवत रिहिस हे। ये कहां के, कइसन आतंकी मुसुआ आगे हे, जउन रातों-रात कोनो ला खबर नइ मिलय, अउ अपन खेल कर तक देथे। इकर छत्तीसगढ़ मं तो अइसन मुसुवा नइहे। इहां के मुसुआ मन अलगोजवा असन हे, निरमुड़ हे।

एकर मन के खाय के दांत अलग अउ देखाय के अलग होथे, लम्बोदर महाराज कस।

इही बात के खुलासा ओ दिन एक झन नेता हा पत्रकार संगवारी मन करा करिस तब सबो झन अकचकागे। किहिन- सही बात ये जउन धान के कोठी, गोदाम अउ मिल मं कोड़ भका-भक - कोड़ भका-भक माते हे तेमा 'लोकल मुसुआ मन के हाथ नइहे।

एमन गुजरात अउ महाराष्ट्र के सीखे-पढ़े (प्रशिक्षित, ट्रेनिंगशुदा) मुसुआ हे। छत्तीसगढिया मुसुआ मन अइसन उल्टा-पुल्टा, उठापटक नइ कर सकय। हाथ अउ हिरदय कांपथे ओकर मन के।

बिहान भर अखबार मन मं ओ नेता के बयान छप के आगे। सब के हे लगिन- 'खग जानय खग ही के भासा बात तो सिरतोन हे। अइसन तो पहिली छत्तीसगढ़ मं नइ होवत रिहिसे?

वाजिब मं हद करत हे मुसुआ मन। हेड हे मुसुवा के ओहर...। पशु-पक्षी, जीव-जन्तु किला के खोज में निकल परे हे, झपाय परत हे, कोनो रोका-छेका नइ कर सकत हे? करय तो करय का, बस एक रस्दा दीखत हे, ओ सब मुसुआ मन ला 'कोड़ भका-भक - कोड़ भका-भक। खदान, पहाड़, जंगल, खेतखार सब कोती ये मुसुआ मन के नजर दउड़त हे। छत्तीसगढ़ तो चारागाह हे, कोनो माई-बाप नइहे। जउन माई-बाप हे तउन मन सब दलाल हे, दलाली करत हे। चलत हे खेल, तमाशा कोड़ भका-भक - कोड़ भका-भक..।

पामीर पर्वत, 'दुनिया की छत'

पामीर पर्वत श्रृंखला को सदियों से दुनिया की छत कहा जाता है। यह मध्य और दक्षिण एशिया के संगम पर स्थित एक विशाल पहाड़ी क्षेत्र है, जहां हिमालय, काराकोरम, हिंदुकुश, तियान शान और कुनलुन जैसी पर्वत श्रृंखलाएं मिलती हैं। ऊंचे पठार, बर्फीली चोटियां और शांत घाटियां इसकी पहचान हैं।

सदियों से यात्री, व्यापारी और जियोग्रफर्स मध्य एशिया के एक दूरदराज इलाके को दुनिया की छत कहते आए हैं। यह नाम किसी एक ऊंची चोटी, जैसे माउंट एवरेस्ट, को नहीं बल्कि पूरे एक विशाल पहाड़ी क्षेत्र को दिया गया है, हम बात कर रहे हैं पामीर पर्वत श्रृंखला की। पामीर पहाड़ मध्य और दक्षिण एशिया के संगम पर स्थित हैं। यहां ऊंचे पठार, बर्फ से ढकी चोटियां और दूर-दूर तक फैली शांत घाटियां हैं, जिन्होंने हमेशा से यात्रियों और खोजकर्ताओं को आकर्षित किया है।

यह पर्वत श्रृंखला मुख्य रूप से ताजिकिस्तान के पूर्वी हिस्से में फैली हुई है और अफ़गानिस्तान, चीन और किर्गिस्तान तक जाती है। पामीर क्षेत्र को एशिया का दिल कहा जाता है, क्योंकि यहीं पर दुनिया की कई बड़ी पर्वत श्रृंखलाएं एक–दूसरे से मिलती हैं, हम बात कर रहे हैं हिमालय, काराकोरम, हिंदुकुश, तियान शान और कुनलुन की।

बिना पैरों के एवरेस्ट फतह कर इतिहास रचने वाले महानायक हरि बुद्ध मगर

जब हालात इंसान से सब कुछ छीन लेने की कोशिश करते हैं, तब ही असली पहचान सामने आती है। किसी के लिए पहाड़ चढ़ना सपना होता है, तो किसी के लिए रोजमर्रा की जिंदगी ही सबसे बड़ी चढ़ाई बन जाती है। लेकिन हरि बुद्ध मगर ने उस सपने को चुना, जिसे दुनिया नामुमकिन कहती है। जिन पैरों के बिना चलना भी मुश्किल माना जाता है, उन्हीं के बिना उन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची चोटियों को चुनौती दे डाली। एक्स गोरखा रेजिमेंट के जवान हरि बुद्ध मगर की कहानी दर्द से नहीं, हौसले से लिखी गई है। हादसे ने उनके पैर छीन लिए लेकिन सपने नहीं। बर्फ से ढकी चोटियां, गलाने वाली ठंड और कम ऑक्सीज! इन सबके बीच हरि ने यह साबित कर दिया कि इंसान अगर ठान ले, तो उसकी उड़ान को कोई नहीं रोक सकता।

आज का इतिहास

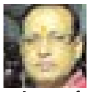

पं. देवव्रत शर्मा

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। बिजनेस पहले से बेहतर चलेगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आप किसी काम को लेकर दूसरे पर डिपेंड ना रहें, नहीं तो उसे पूरा करने में आपको समस्या अवश्य आएगी।

मिथुन राशि: आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बढ़िया रहने वाला है। उन्हें किसी मनचाहे कोर्स में भी दाखिला मिल सकता है और आप आज अपनी मेहनत से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचान कर चलना होगा। दोस्तों के साथ आप कुछ समय व्यतीत करेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए किसी नई प्रॉपर्टी के लिए बढ़िया रहने वाला है और आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

कन्या राशि : आज आपको किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझ कर बोलनी होगी, इसलिए आप अपने मन में सामंजस्य की भावना बनाए रखें।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए किसी नई नौकरी की प्राप्ति के लिए रहेगा। जीवनसाथी और आपके बीच रिश्ते बेहतर रहेंगे और आपको अपनी संतान से भी रिश्तों को बेहतर करने की आवश्यकता है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। यदि आपका कोई काम धन को लेकर रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आप अपने रहन-सहन में लापरवाही करेंगे, जिससे बाद में आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए खर्च पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आपको अपनी आए और व्यय में तालमेल बनाकर चलना होगा। आपके सामने आज कुछ ऐसे खर्च आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए कुछ उलझने लेकर आएगा, क्योंकि आपके मन में कुछ कामों को लेकर टेंशन रहेगी। आज आपकी किसी से कहा सुनी हो सकती है।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको अपनी संतान की नौकरी से संबंधित कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) जेलैड वन्यजीव अभयारण्य, जो तेल अन्वेषण के कारण समाचारों में देखा गया था, किस राज्य में स्थित है?

2) क्रिस्टीन कार्ला कांगलू को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया, वे किस देश की राष्ट्रपति हैं?

3) दिदी की लाइब्रेरी पहल किस राज्य द्वारा शुरू की गई थी?

4) कौन सा कोयला पीएसयू भूमिगत खनन में पेस्ट फिल तकनीक अपनाने वाला भारत का पहला बन गया है?

5) अंगामी जनजाति मुख्य रूप से किस राज्य में पाई जाती है?

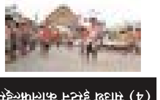

उत्तरमाला- (1) मणिपुर (2) त्रिनिदाद और टोबैगो (3) बिहार (4) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (5) नागालैंड

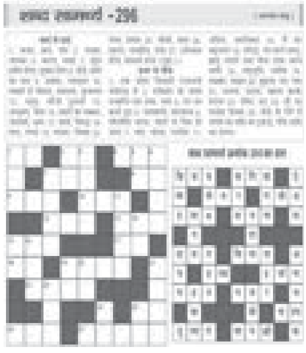

न्यूज गैलरी

रूंगटा यूनिवर्सिटी में मनाई गई बसंत पंचमी

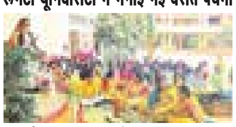

भिलाई। बसंत पंचमी के मौके पर रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी (रूंगटा आर-1) में ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा-वंदना की गई। रूंगटा यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति संतोष रूंगटा, कुलपति डॉ जवाहर सूरीशेट्टी और सीईओ सोनल रूंगटा भी पूजा में शामिल हुए। कॉलेज स्टाफ सफेद और पीले रंग के वस्त्र पहनकर पहुंचे। मां सरस्वती को पीले रंग के फूल और पीले पकवानों का भोग अर्पित किया गया। छात्रों और फैकल्टी ने रंगोली सजाई। भजन के जरिए मां सरस्वती की महानता का वर्णन किया गया। लाइब्रेरी में मानवीय मूल्यों और आध्यात्मिक पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई। पूजा में डायरेक्टर जनरल डॉ मनीष मनोरिया, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ आशीष पनत, डॉ महेंद्र श्रीवास्तव, डायरेक्टर डॉ.नीमा एस बालन, डीन ईसीएस डॉ सत्यधर्म भारती सहित सभी फैकल्टी मौजूद रहे।

भिलाई स्टील सिटी चैंबर के व्यापारियों और सामाजिकजनों का सम्मान आज

भिलाई। भिलाई स्टील सिटी चेंबर द्वारा 25 जनवरी रविवार को शाम 4 बजे वरिष्ठ व्यापारियों और सामाजिकजनों का सम्मान किया जाएगा। सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य और छत्तीसगढ़ विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय के विशेष आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रसेन जन कल्याण समिति के अध्यक्ष बंसी अग्रवाल करेंगे। सम्मान समारोह में भिलाई स्टील सिटी चैंबर द्वारा 78 वर्ष से अधिक आयु के व्यापारियों और सामाजिक गतिविधियों में विशिष्ट भूमिका निभाने वाले सामाजिकजनों व भिलाई इस्पात संयंत्र के पूर्व कर्मचारियों और अधिकारियों का सम्मान किया जाएगा।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय में मां सरस्वती पूजा का आयोजन

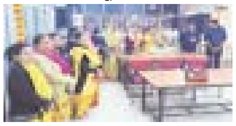

भिलाई। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय भिलाई के केन्द्रीय ग्रंथालय में बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना झा, डीन (अकादमिक) डॉ. जे दुर्गा प्रसाद राव, केन्द्रीय ग्रंथालय विभाग से डॉ. मालती साहू, गौरव चौहान, प्रवीण वर्मा, डेविड राजू, मन्टू चक्रवर्ती, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित थे। सरस्वती वंदना के साथ विधि विधान से पूजा डॉ. महेन्द्र शर्मा द्वारा कराया गया।

करुणानिधि को पीएचडी उपाधि

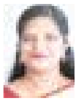

भिलाई। भिलाई मैत्री कॉलेज रिसाली की सहायक प्राध्यापक सीनी करुणानिधि को नक्सल क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों में सुरक्षा-असुरक्षा की भावना और समायोजन का उनकी पूर्ण कुशलता पर प्रभाव विषय पर किए गए शोध के लिए हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। यह शोध बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभा आर कुरुप के निर्देशन और कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय के डॉ. के नागमणि के सह-निर्देशन में संपन्न हुआ। शोध के निष्कर्ष नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी विद्यार्थियों की सुरक्षा-बोध, समायोजन क्षमता और समग्र कुशलता को समझने में उपयोगी माने जा रहे हैं। इस उपलब्धि पर मैत्री एजुकेशनल एंड कल्चरल एसोसिएशन की अध्यक्ष राजम सुधाकरन, प्रबंधकगण डॉ. संजीता थम्बी, एस. सजीव व एस. साजन और प्राचार्या डॉ. सुरेखा विनोद पाटिल सहित कॉलेज परिवार ने हर्ष व्यक्त किया है।

संविदा भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) दुर्ग के अंतर्गत संविदा भर्ती के तहत 3 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया है। विज्ञापन के माध्यम से स्टाफ नर्स, स्टाफ नर्स (एलएमयू), कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में स्पष्ट एवं त्रुटिरहित ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन 4 फरवरी को शाम 5.30 बजे तक किया जा सकता है।

वन विभाग के कार्यालय में घुसकर एसडीओ को धमकाया, गाली गलौज करते हुए फेंके दस्तावेज

अवैध आरा मशीन संचालन करने वाले युवक ने किया हंगामा, पद्मनाभपुर थाने में एफआईआर दर्ज करने एसडीओ ने दिया आवेदन

दुर्ग/नवप्रदेश। उप वनमंडल कार्यालय में अवैध आरा मशीन चलाने वाले अजय तिवारी ने उप वनमंडलाधिकारी एसडीओ धनेश साहू के साथ गाली-गलौज करते हुए धमकी दी। दफ्तर में घुसकर युवक ने शासकीय दस्तावेज फेंक दिए। एसडीओ साहू ने पद्मनाभपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

एसडीओ धनेश साहू ने शिकायत में बताया कि 20 जनवरी को दोपहर करीब 3:30 बजे वे अपने कार्यालय परिसर में खड़े थे। उसी समय गाड़ाडीह निवासी अजय तिवारी कार्यालय पहुंचा। तिवारी ने बिना किसी कारण के आक्रोशित होकर गाली-गलौज शुरू कर दी।

कारण पूछने पर अजय तिवारी ने एसडीओ को गाड़ी छुड़वाने कहा। एसडीओ साहू ने स्पष्ट किया कि वन विभाग में उसके नाम से कोई भी गाड़ी जब्ती का मामला दर्ज नहीं है। इसके बावजूद अजय तिवारी कार्यालय के भीतर घुस गया और गाली-गलौज करने लगा। उसने स्टाफ की मौजूदगी में शासकीय दस्तावेज उठाकर फेंक दिए। घटना के दौरान अधिकारी बीलाम और खैरागढ़ वन

मंडल में आयोजित अग्नि सुरक्षा कार्यशाला की तैयारी में व्यस्त थे। इसके कारण शासकीय कार्य में बाधा पहुंची और कार्यालय का माहौल तनावपूर्ण हो गया।

एसडीओ साहू ने बताया कि अजय तिवारी के खिलाफ पूर्व में अवैध आरा मशीन संचालन का प्रकरण दर्ज किया गया था, जिसमें विभागीय नियमों के तहत कार्रवाई की गई थी। उसी कार्रवाई के बाद से आरोपी लगातार वन अधिकारियों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है और अपनी गाड़ी छुड़वाने की कोशिश कर रहा है।

एसडीओ साहू ने आरोप लगाया कि अजय तिवारी अक्सर उन्हें धमकी देता है। अजय उन्हें बाहर निकलने की धमकी देता है। उप वनमंडलाधिकारी ने शिकायत में कहा कि वे नियमित रूप से रात्रि गश्त करते हैं। उन्हें जान का खतरा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायत की प्रतिलिपि कलेक्टर दुर्ग, वनमंडलाधिकारी दुर्ग और पुलिस अधीक्षक दुर्ग को भी भेजी गई है। उप वनमंडलाधिकारी ने आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, धमकी और गाली-गलौज के तहत कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

अज्ञात कार की टक्कर से महिला की मौत

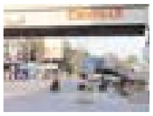

भिलाई/नवप्रदेश। सुपेला थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने हिट एंड रन का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुबह करीब 8:15 बजे नेहरू नगर अग्रसेन चौक के पास कल्याण ज्वेलर्स के सामने भिलाई निवासी मृतिका मोहना मेश्राम (52 वर्ष) अपने भाई मुकेश कुमार गजभिये के साथ बाइक पर नेहरू नगर की ओर जा रही थी। इसी दौरान अज्ञात कार चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मारी। दुर्घटना में मोहना मेश्राम के सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल स्पर्श अस्पताल सुपेला में भर्ती किया गया। गंभीर हालत के कारण उन्हें निगरानी में रखा गया था। 23 जनवरी को सुबह 8 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस मामले में अज्ञात कार के चालक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है।

डायरेक्टर इंचार्ज महापात्र सहित कार्यपालक निदेशकों ने प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरुस्कृत

सेल स्थापना दिवस पर रन फॉर सेल मैराथन में आलोक और अवि विजेता

भिलाई/नवप्रदेश। सेल के स्थापना दिवस के अवसर पर आज जयंती स्टेडियम इंदिरा प्लेस में 5 किमी पैदल चाल/दौड़ का आयोजन सुबह 8 बजे किया गया। रन फॉर सेल मैराथन जयंती स्टेडियम से प्रारम्भ होकर टीए बिल्डिंग, पोस्ट ऑफिस, मिराज सिनेमा, भिलाई निवास, चोपड़ा पेट्रोल पम्प होते हुए जयंती स्टेडियम में समाप्त किया गया। दौड़ में 3 हजार से ज्यादा प्रतिभागी शामिल हुए। प्रतियोगिता में सेल कर्मचारी व उनके परिवार के सदस्य और सेल द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं ने भाग लिया।

रन फॉर सेल के प्रतिभागियों को बीएसपी के डायरेक्टर इंचार्ज चित्तरंजन महापात्र ने सेल की झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अजय चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीन निगम, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार,

कार्यपालक निदेशक प्रबीर सरकार, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान), सीएमएलओ कमल भास्कर और कार्यपालक निदेशक सीएमएलओ अरुण कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और महाप्रबंधकगण संयंत्र के क्रीड़ा सांस्कृतिक व नागरिक सुविधाएं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सेल स्थापना दिवस-2026 पर भिलाई बिरादरी को बधाई देते हुए चित्तरंजन महापात्र ने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को उनकी बहुमूल्य भागीदारी और खेल भावना के लिए बधाई दी। महापात्र सहित कार्यपालक निदेशकों ने प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरुस्कृत किया गया। दौड़ के पहले उप महाप्रबंधक (क्रीड़ा सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ) राजेंद्र प्रसाद ने स्वस्थ जीवनशैली के लिये सभी को शपथ दिलाई। प्रतियोगिता में आलोक कुमार ने बेस्ट क्लॉकिंग टाइम 15 मिनट 32 सेकण्ड दर्ज करते हुए पुरुष समूह में ओवरआल विजेता का ख़िताब हासिल किया। प्रगति प्रसाद ने बेस्ट क्लॉकिंग टाइम 20 मिनट 54.99 सेकण्ड दर्ज करते हुए महिला समूह से ओवरआल विजेता का ख़िताब जीता। सभी सेल इकाइयों में सर्वश्रेष्ठ टाइमिंग के लिए एक धावक और धाविका को 5000 रुपये नगद पुरस्कार और सभी सेल इकाइयों में सर्वश्रेष्ठ टाइमिंग के लिए 6 वीं कक्षा तक के छात्र व छात्रा को 3000 रुपये नगद पुरस्कार दिया जाता है। प्रतियोगिता हेतु सेल निगमित कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा तय मापदंड के आधार पर श्रेणियां निर्धारित की गई थी। प्रतियोगिता में महिला व पुरुष वर्ग के श्रेणी अ में कक्षा छठवीं तक के बच्चे, श्रेणी ब में कक्षा सातवीं से बारहवीं तक के बच्चे, श्रेणी स में बारहवीं से ऊपर 45 वर्ष तक के, श्रेणी द में 46 वर्ष से 60 वर्ष तक तथा श्रेणी उ में भूतपूर्व कर्मचारियों (सेवानिवृत्त) ने भाग लिया।

सिसकोल प्लांट में मजदूर के ऊपर गिरी लोहे की प्लेट, मौत

■ सुरक्षा मानकों में लापरवाही के कारण हुआ हादसा

भिलाई/नवप्रदेश। औद्योगिक क्षेत्र हथखोज में सिसकोल कंपनी के प्लांट में शनिवार को सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। हादसे में क्रेन ऑपरेट कर रहे एक मजदूर लेखू राम कौशल (35 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। लेखूराम कौशल सुबह अपनी नियमित ड्यूटी पर कार्यरत था। ओवरहेड क्रेन की मदद से लोहे के भारी प्लेट को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ट्रांसफर कर रहा था। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगडने से लोहे की प्लेट स्लिप हो गई और सीधे लेखूराम के ऊपर गिर गई। प्लेट के भारी वजन के कारण उसे गंभीर चोटें आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुरानी भिलाई थाना की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर घटना के बारे में मौके पर मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ की है। हादसे के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि सुरक्षा मानकों में लापरवाही या तकनीकी खामी के कारण यह हादसा हुआ। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। भिलाई-3 पुलिस ने बताया कि प्लांट में हादसे की सूचना सुबह मिली थी। इसके बाद पूरी टीम के साथ मौके पर पहुंच कर जांच की जा रही है।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र ने किया स्कूल और आंगनबाड़ी का निरीक्षण

दुर्ग/नवप्रदेश। केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने आज वार्ड 15 करहीडीह क्षेत्र का भ्रमण कर नागरिकों की समस्याओं की जानकारी ली। संबंधित विभाग के अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित निराकरण करने आवश्यक निर्देश दिए। मॉर्निंग विजिट के दौरान गजेंद्र ने करहीडीह स्थित शासकीय स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। बच्चों से संवाद करते हुए शैक्षणिक, पोषण व मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर पोषण और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने शिक्षकों को निर्देश दिए। गजेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि शिक्षा की नींव मजबूत हो और हर बच्चे को समान अवसर मिले। वार्ड के नागरिकों ने वार्ड में डोमशेड, सड़क सीमेंटीकरण, नाली, शेड निर्माण सहित विभिन्न मूलभूत आवश्यकताओं की जानकारी दी। मंत्री गजेन्द्र यादव ने नागरिकों के सभी समस्याओं को प्राथमिकता के साथ आवश्यक कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।

राज्यपाल डेका ने सिद्धी विनायक मंदिर में की विशेष पूजा-अर्चना

भिलाई/नवप्रदेश। प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका ने आज भिलाई सेक्टर-5 स्थित श्री सिद्धी विनायक मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान गणेश की आराधना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की मंगल कामना की। श्री सिद्धी विनायक मंदिर आगमन पर मंदिर समिति द्वारा राज्यपाल का आत्मीय स्वागत किया गया।

कुम्हारी में प्रथम छग स्तरीय बैडमिंटन स्पर्धा संम्पन्न

कुम्हारी। विगत दिवस प्रथम छत्तीसगढ़ स्तरीय नॉन प्रोफेशनल डबल्स बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन बैडमिंटन क्लब कुम्हारी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में प्रदेश की कुल 65 टीमों ने हिस्सा लिया। विजेता टीमों में 35 वर्ष के आयु श्रेणी में मनेन्द्रगढ़ के साहिल और करण विजेता रहे। रायपुर के निखिल और निखिल उपविजेता रहे। 35 से अधिक आयु श्रेणी में बिलासपुर के डॉ चंद्रांश और विनय व उपविजेता धमतरी के रवि सुखवानी और मुकेश शर्मा विजेता बने। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल, विशेष अतिथि प्रमोद सिंह राजपूत व पार्षद अनुराग गुप्ता, अध्यक्षता नगरपालिका अध्यक्ष मीना वर्मा ने की। सांसद बघेल ने बैडमिंटन क्लब के भव्य आयोजन की तारीफ करते हुए भविष्य में इसे और बेहतर बनाने के साथ ही बैडमिंटन कोर्ट के रंग-रोगन व अन्य आवश्यक सहयोग देने आश्वासन दिया। पालिकाध्यक्ष वर्मा ने तारीफ करते हुए सहयोग देने की बात कही। बैडमिंटन क्लब के दिलीप ओझा ने सांसद विजय बघेल का शॉल-श्रीफल और स्मृति चिन्ह प्रदान किया। आयोजन समिति के प्रकाश गज्जर ने खिलाडियों, दर्शकों समेत सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन में अनुराग गुप्ता, राजू निषाद, नागेश राव, अवधेश शुक्ला, अशोक राठी, दिलीप ओझा, अंकित, भूपेंद्र पाठक, मो.शरीफ देवेंद्र साहू, धर्मेन्द्र सोनी, अनिल चौहान, आशीष शुक्ला, शीनू रेड्डी, आशुतोष ने सहयोग दिया। विजेता खिलाड़ियों सहित अम्पायरिंग के लिए किशोर पटेल और दिलीप ओझा को सम्मानित किया गया।

देवांगन समाज की राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका: चंद्राकर

■ थनौद, विनायकपुर व मचान्दुर में आयोजित मां परमेश्वरी जयंती समारोह में शामिल हुए विधायक ललित चंद्राकर

भिलाई/नवप्रदेश। बसंत पंचमी के पावन पर्व के अवसर पर देवांगन समाज की ईष्ट देवी माँ परमेश्वरी जयंती पर थनौद, विनायकपुर, मंचान्दूर में देवांगन समाज द्वारा मंडल स्तरीय माँ परमेश्वरी जयंती मनाई गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने मां परमेश्वरी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त

किया। वसंत पंचमी पर्व की शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर देवांगन समाज द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई। समारोह में समाज के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि देवांगन समाज मेहनती समाज के रूप में माना जाता है और राज्य के विकास में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा समाज के उत्थान हेतु बुनकरों का कर्ज माफ करने के साथ उनके उत्थान हेतु विभिन्न योजनाएं चलाई गई थीं। वर्तमान में विष्णु देव साय सरकार निरंतर समाजों के विकास के लिए योजनाएं चला रही हैं, इसका सीधा लाभ समाज को मिल रहा है। उन्होंने नशा रूपी जहर से बचने और बच्चों को संस्कारवान बनाने का आव्हान किया। चंद्राकर ने कहा कि शिक्षित और संस्कारी बच्चों से सभ्य समाज का निर्माण होता हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक बालमुकुंद देवांगन, दुर्ग जिला देवांगन समाज अध्यक्ष पुराणिक देवांगन, दुर्ग जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जिपं सदस्य प्रिया साहू, श्रद्धा साहू, जनपद सदस्य अजीत चंद्राकर, सरपंच योगेन्द्र दिल्लीवार, जनपद सदस्य संगीता साहू, सरपंच मेनका देशमुख दिनेश देशमुख माखन साहू समाज के अध्यक्ष धनराज देवांगन, संतोष देवांगन रूपेश देवांगन उपस्थित थे।

यातायात व्यवस्था सुधार और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

सिरसा-खुर्सीपार में फ्लाईओवर निर्माण की स्वीकृति, जाम से मिलेगी राहत

दुर्ग/नवप्रदेश। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सिरसा और खुर्सीपार में दो फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण को स्वीकृति दी गई है। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी शामिल हुए।

बैठक में कलेक्टर ने जिले में यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी उपाय अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार रिफ्लेक्टर, स्पीड ब्रेकर एवं स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश दिए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

अग्रवाल ने परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि हाईवा वाहनों में निर्धारित मानकों के अनुरूप रिफ्लेक्टर अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। साथ ही सिविक क्षेत्रों में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध हेतु यूनिपोल लगाने के निर्देश भी दिए गए।

लोक निर्माण विभाग (एनएच) के अधिकारी ने बताया कि सिरसा और खुर्सीपार में दो फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण को स्वीकृति मिल चुकी है, जिसके निर्माण से इन क्षेत्रों में यातायात जाम की समस्या से राहत मिलेगी। फ्लाईओवर बनने के बाद वाहनों का सुचारू आवागमन सुनिश्चित होगा, सड़क दुर्घटनाओं की संभावना में कमी आएगी और आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी।

इसके अलावा सुपेला मार्केट क्षेत्र में सड़क पर अवैध पार्किंग कराने वाले पार्किंग ठेकेदारों के विरुद्ध वाहन जब्ती की कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने सड़क किनारे किए गए सभी प्रकार के अतिक्रमण तत्काल हटाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में जिले की सड़कों में यातायात सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर विचार-विमर्श कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में एएसपी यातायात ऋचा मिश्रा, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम पाटन लवकेश, एसडीएम भिलाई-3 महेश राजपूत, एसडीएम धमधा सोनल डेविड, आरटीओ एसएल लकड़ा, एनएचएआई के परियोजना निदेशक दिग्विजय सिंह, एनएचआई के कार्यपालन अभियंता गोविंद अहिवार, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता आशीष भट्टाचार्य सहित अन्य पुलिस अधिकारी और बीएसपी के अधिकारी उपस्थित थे।

भिलाई बचाओ आंदोलन: देवेंद्र ने स्थगित की पदयात्रा

■ सभी वर्गों से रायशुमारी के बाद तय की जाएगी रणनीति

भिलाईनगर/नवप्रदेश। सेल-बीएसपी प्रबंधन की निजीकरण की नीति के खिलाफ 25 जनवरी को प्रस्तावित पदयात्रा स्थगित कर दी गई है। विधायक देवेन्द्र यादव ने भिलाई टाउनशिप में बीएसपी के आवासों को लेकर नई गाइडलाइन, रिटेंशन स्कीम, मैत्रीबाग, सेक्टर 9 हॉस्पिटल सहित स्कूलों के निजीकरण, लाइसेंसी और थर्ड पार्टी अलॉटी, दुकानों के लीज नवीनीकरण जैसे मुद्दों को लेकर इस्पात भवन तक पदयात्रा का ऐलान किया था। वार्डों का दौरा न होने के कारण फिलहाल पदयात्रा स्थगित करने का फैसला किया गया है। प्रेस बयान में देवेंद्र ने कहा कि भिलाई के सभी वार्डों का दौरा करने के बाद पदयात्रा निकाली जाएगी। इससे पहले विधायक देवेन्द्र ने भिलाई बचाओ आंदोलन के तहत सिविक सेंटर में 5 दिनों का उपवास रखा था। इसके बाद बीएसपी प्रबंधन के साथ जिला प्रशासन की मौजूदगी में त्रिपक्षीय चर्चा हुई, जिसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सालय सेक्टर-9 को लीज पर न देने, बीएसपी कर्मियों और पूर्व कर्मियों की सुविधाएं यथावत रखने और मैत्री बाग को लीज पर न देने की सहमति बनी थी। रिटेंशन स्कीम को लेकर प्रबंधन की ओर से संतोषप्रद जवाब न मिलने पर विधायक यादव ने 15 दिनों का समय दिया था। प्रबंधन की ओर से जवाब न आने पर देवेंद्र ने 14 जनवरी से जन-जागरण अभियान शुरू किया।

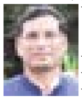

देवेंद्र ने अब तक टाउनशिप के सेक्टर-2, से-3, से 4, से-6, से-7, हुडको, जोन-2 केएलसी खुर्सीपार के रिटेंशन स्कीम और लाइसेंस के तहत आवंटित आवासधारियों से भेंट-मुलाकात की है। नागरिकों ने आंदोलन को क्रमबद्ध जारी रखने के लिए कई सुझाव भी दिए हैं। नागरिकों ने बताया कि आवासों का मेंटनेंस नहीं किया जा रहा है। बैकलेन की सफाई के आवेदनों पर सुनवाई नहीं हो रही है। शुद्ध पेयजल सप्लाई न होने की शिकायतें भी बताई गई। कार्मिकों को दोहरे आवास के नाम पर विजिलेंस जांच की धमकी देकर अनुशासनात्मक कार्यवाही, रिटेंशन की वैकल्पिक व्यवस्था की जानकारी जैसे कई विषयों पर चर्चा की गई है।

गणतंत्र दिवस के लिए किया गया अंतिम रिहर्सल

■ कलेक्टर ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

राजनांदगांव /नव प्रदेश। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह का रिहर्सल आज सुबह दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में आयोजित किया गया। अपर कलेक्टर श्री सीएल मारकण्डेय ने रिहर्सल में मुख्य अतिथि का दायित्व निभाया। अपर कलेक्टर श्री सीएल मारकण्डेय ने ध्वजारोहण किया एवं परेड की सलामी ली। इस अवसर पर कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव, पुलिस अधीक्षक श्रीमती अंकिता शर्मा, अपर कलेक्टर श्री प्रेम प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेन्द्र नायक, सीएसपी श्रीमती वैशाली जैन, नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। रिहर्सल के दौरान ध्वजारोहण कर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने अंतिम रिहर्सल कर व्यवस्था का जायजा लिया।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समारोह स्थल में बैठक व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से वीआईपी बैठक व्यवस्था के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, शहीद जवानों के परिजनों, पत्रकारों एवं जनसामान्य के लिए भी बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रिहर्सल के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा देश भक्ति गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी गई। रिहर्सल के दौरान परेड का नेतृत्व परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक लोकेश कुमार कसेर ने किया। उप निरीक्षक थाना बसंतपुर श्री राकेश पटेल ने परेड टूआईसी का दायित्व निभाया। परेड में 14 प्लाटून भाग ले रहे हैं। रिहर्सल में आर्म्स पलाटून में 40वीं बटालियन आईटीबीपी, 8वी बटालियन सीएएफ पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय (पीटीएस), जिला पुलिस बल महिला, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय (महिला), नगर सेना महिला तथा अनार्म्स पलाटून में दिग्विजय महाविद्यालय नेवी (नेवल), दिग्विजय महाविद्यालय शामिल हुए।

सनातन संस्कृति को बचाने और पुनर्निर्माण का जरिया विद्यालय

■ जन सेवक राकेश यादव ने की सरस्वती शिशु मंदिर के शिक्षा पद्धति की सराहना

बालोद / नव प्रदेश।। बालोद जिले के सरस्वती शिशु मंदिर पूर्व माध्यमिक विद्यालय जगन्नाथपुर में शुक्रवार को बसंत पंचमी और वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। सुबह से देर शाम तक चले इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे। बच्चों के पालकों ने पूरे आयोजन का लुफ्त उठाया। आयोजन के शुभारंभ के मुख्य अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष और जनसेवक बालोद से राकेश यादव पहुंचे हुए थे। जिन्होंने आयोजन की काफी सराहना की। साथ ही सरस्वती शिशु मंदिर के शिक्षण पद्धति को लेकर भी उन्होंने कहा कि यहां शिक्षा के साथ-साथ संस्कार मिलता है। सनातन संस्कृति को बचाने, नए भारत के पुनर्निर्माण , बच्चों में हमारी संस्कृति के संरक्षण और संस्कार के बीज बोने का काम यहां होता है। इन्हीं विद्यालयों की वजह से आज हमारे देश में भावी पीढ़ी हमारी भारतीय संस्कृति का महत्व समझेगी। उन्होंने कहा कि बहुत ही अल्प मानदेय पर ऐसे विद्यालय के आचार्य और दीदियां सेवा भाव से बच्चों को पढ़ाते हैं।

■ न्यूज गैलरी

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे ध्वजारोहण

राजनांदगांव / नव प्रदेश। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन 26 जनवरी 2026 को सुबह 9 बजे दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में आयोजित किया जाएगा। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मुख्य अतिथि होंगे। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा 26 जनवरी 2026 को सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा एवं परेड की सलामी ली जाएगी। मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण एवं संदेश वाचन किया जाएगा। समारोह में मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन, हर्ष फायर एवं परेड का मार्च पास्ट, शहीद परिवारों का सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभागीय झांकियों का प्रस्तुतिकरण एवं पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस: जिला स्तरीय समारोह आज

राजनांदगांव। नव प्रदेश। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 के अवसर पर जिला स्तरीय समारोह का आयोजन रविवार 25 जनवरी 2026 को सुबह 10 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष राजनांदगांव में किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव श्री विजय कुमार होता उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जितेन्द्र यादव तथां मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

त्रिवेणी संग्रहालय साहित्य प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र

राजनांदगांव। नव प्रदेश। जनसंपर्क विभाग द्वारा रायपुर साहित्य उत्सव आदि से अनादि तक पुरखौती मुक्तांगन नवा रायपुर में राजनांदगांव जिले का त्रिवेणी संग्रहालय साहित्य प्रेमियों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा। 23 जनवरी से 25 जनवरी 2026 तक आयोजित रायपुर साहित्य उत्सव में किताबनुमा आकार में राजनांदगांव त्रिवेणी संग्रहालय देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकारों की स्मृति में प्रदर्शित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय परिसर राजनांदगांव में स्थित त्रिवेणी संग्रहालय छत्तीसगढ़ में एक विशिष्ट पहचान रखता है। संग्रहालय हिंदी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार गजानन माधव मुक्तिबोध के निवास स्थान में बनाया गया है। संग्रहालय तीन खंडों में विभाजित है, यहां मुक्तिबोध के अतिरिक्त हिंदी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी और डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र से जुड़ी स्मृतियों संकलित हैं। उनकी रचनाओं और उनसे संबंधित वस्तुओं को यहां सहेज कर रखा गया है। इनसे जुड़ी स्मृतियों, रचनाओं और पांडुलिपियों के संयुक्त संरक्षण के उद्देश्य से ही संग्रहालय का निर्माण किया गया है। स्मारक परिसर में वाचनालय, स्वागत कक्ष एवं प्रतीक्षा कक्ष की भी व्यवस्था की गई है।

वन्य प्राणी इंडियन ग्रे मुंगूस का शिकार आरोपी को घेराबंदी पकड़ा, जेल दाखिल

■ आरोपी के कब्जे से वन्य प्राणी एक नग मृत इंडियन ग्रे मुंगूस बरामद

राजनांदगांव /नव प्रदेश। मोबाइल से सूचना मिला कि, शिवनाथ नदी एनीकट के के पास एक व्यक्ति वन्य प्राणी इंडियन ग्रे मुंगूस को मारकर रखा है , सूचना पर थाना डोंगरगांव टीम रवाना हुई जो ग्राम मटिया शिवनाथ नदी एनीकट के पास से गोकुल उईके पिता मनेजर उइके, उम्र 22 साल, निवासी ग्राम आरी कोनारी, थाना डोंगरगांव के साथ एक वन्य प्राणी इंडियन ग्रे मुंगूस के साथ घटना स्थल पर घेराबंदी कर तत्काल वन विभाग को सूचित किया गया। वन विभाग के आर.ओ. लवकेश गिलहरे थाना डोंगरगांव आने पर मृत वन्य प्राणी इंडियन ग्रे मुंगूस एवं गोकुल उईके पिता मनेजर उइके, उम्र 22 साल, निवासी ग्राम आरी कोनारी, को वन विभाग डोंगरगांव को सुपुर्दनामा पर दिया गया।

वन विभाग डोंगरगांव के द्वारा आरोपी के विरूद्ध पी.ओ.आर. प्रकरण क्रमांक 17845/08 दिनांक 23.01.2026 धारा वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 39, 44, 49, 498, 51, 57 कायम कर आरोपी गोकुल उईके पिता मनेजर उइके, उम्र 22 साल, निवासी ग्राम आरी कोनारी, थाना डोंगरगांव को माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

इस कार्यवाही में निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर, थाना प्रभारी डोंगरगांव,एवं वन विभाग राजनांदगांव के योगेश साहू, उपमण्डला अधिकारी राजनांदगांव, लवकेश गिलहरे वन परिक्षेत्र अधिकारी डोंगरगांव, अकाश ठाकुर वन परिक्षेत्र अधिकारी खुज्जी, प्रवीन देहारे सहायक परिक्षेत्र अधिकारी उमरवाही, विनोद मिश्रा सहायक परिक्षेत्र अधिकारी डोगरगांच, पंकज निर्मल वन रक्षक डोंरगगांव की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन महिला प्रकोष्ठ द्वारा बसंत पंचमी पर भव्य हल्दी-कुमकुम पर्व का आयोजन

राजनांदगांव /नव प्रदेश। बसंत पंचमी के पावन एवं उल्लासपूर्ण अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन महिला प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ द्वारा महाराष्ट्र प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा हल्दी-कुमकुम पर्व का भव्य गरिमामय एवं सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन श्री गणेश मंदिर प्रांगण ब्लू डायमंड सिटी कॉलोनी में श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सौहार्द के वातावरण में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान, विद्या और कला की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुरूप हल्दी-कुमकुम पर्व मनाया गया जिसमें बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर समाज की अनेक गणमान्य एवं सम्माननीय महिलाएँ विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में माननीय श्रीमती रत्ना ओस्तवाल जी, माननीय श्रीमती तारा बाफना जी (पद्मश्री डॉ. पखराज बाफना जी), माननीय श्रीमती शारदा तिवारी जी, माननीय श्रीमती सोनाली ओस्तवाल जी, माननीय श्रीमती सीमा शिव साहू जी एवं माननीय श्रीमती रमा अग्रवाल जी का स्नेहिल आशीर्वाद प्राप्त हुआ जिससे कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ गई।

अवैध शराब के विरुद्ध अभियान फरार आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

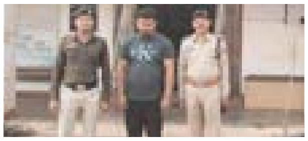

■ चौकी तुमडीबोड थाना लालबाग पुलिस की कार्यवाही

राजनांदगांव /नव प्रदेश। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) द्वारा जिले में अवैध शराब बिक्री पर संज्ञान लेते हुए संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। उक्त निर्देशों के पालन में कीर्तन राठौर अति.पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव, श्री पुष्पेंद्र नायक अति. पुलिस अधीक्षक, राजनांदगांव एवं श्रीमती वैशाली जैन (भा.पु.से.), नगर पुलिस अधीक्षक, श्री एलेग्जेंडर कीरो, नगर पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव के मार्गदर्शन में तथा निरीक्षक दिलीप पटेल, चौकी प्रभारी तुमडीबोड के नेतृत्व में यह कार्यवाही की गई। 18.01.2026 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर संदेही वाहन क्रमांक छत्त 08 ब्क्ष्ट 5628 में शराब तस्करी की सूचना पर चौकी तुमडीबोड और साइबर की संयुक्त टीम गठित कर नेशनल हाईवे में ग्राम कोहका के पास आर्टिका कार, क्रमांक सीजी 08 बीसी 5628 जिसमें 16 पेटी मध्यप्रदेश निर्मित अंग्रेजी शराब (147.00 बल्क लीटर) व मोबाइल कुल जुमला रकम 12,22,096 जप्त किया गया।

जिस पर आरोपी के विरुद्ध चौकी तुमडीबोड थाना लालबाग में अपराध क्रमांक 33/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट कायम कर प्रकरण के फरार आरोपी अरविंद साहू की गिरफ्तारी आज दिनांक 23.01.2026 को कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

पूर्व माध्यमिक शाला गोडेला में मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना

बालोद / नवप्रदेश। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला गोडेला में ज्ञान, बुद्धि और कला की देवी मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना श्रद्धा और भक्ति भाव से की गई। इस अवसर पर ऋतु परिवर्तन के इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाते हुए विद्या एवं ज्ञान के मार्ग पर अग्रसर होने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के दौरान मां सरस्वती का वंदन कर शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने ज्ञानार्जन और सद्बुद्धि के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। ÷वीणा वादिनी वर दे, विद्या का उजियारा कर दे÷ के मंत्रोच्चार के साथ विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

पूजन कार्यक्रम में शाला के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। साथ ही शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष सोनिया साहू, साधना गायकवाड़, सत्यवती गायकवाड़, पालक समिति से परमिला साहू, गणेश राम जांगड़े, कुसुमलता कुर्रे तथा ग्राम सरपंच वागीश बंजारे सहित अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। सभी ने मां सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त किया।

अयोध्या से दर्शन कर लौटे तीर्थ यात्रियों का उप मुख्यमंत्री कार्यालय में हुआ भव्य स्वागत

कवर्धा / नवप्रदेश।। अयोध्या धाम से श्रीरामलला के पावन दर्शन कर वापस लौटे तीर्थ यात्रियों का आज उपमुख्यमंत्री कार्यालय कवर्धा में जनप्रतिनिधियों एवं समाज प्रमुखों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालु तीर्थ यात्रियों को श्रीफल, पुष्पमाला एवं वस्त्र भेंट किए गए।

कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा जी के निर्देशानुसार अयोध्या धाम से लौटने वाले प्रत्येक तीर्थ यात्री दल का सम्मानपूर्वक स्वागत किया जाता है। इस पहल का उद्देश्य है कि तीर्थ यात्रा कर लौटे श्रद्धालुओं को सम्मान, आत्मीयता और सहयोग की अनुभूति हो तथा वे अपने धार्मिक अनुभव को सुखद स्मृतियों के साथ साझा कर सकें। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, सिख गुरुद्वारा प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री गुरुमुख सिंह अरोरा, श्री नितेश अग्रवाल, जनपद पंचायत कवर्धा अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री गनपत बघेल, श्री नरेन्द्र मानिकपुरी, श्री सतविंदर पाहुजा तथा श्रीमती वेदकुमारी सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान तीर्थ यात्रियों ने अयोध्या धाम में श्रीरामलला के दर्शन के अपने भावनात्मक और आध्यात्मिक अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि दर्शन यात्रा उनके जीवन का अविस्मरणीय अनुभव रही और शासन-प्रशासन द्वारा किए गए इस सम्मान ने उन्हें अत्यंत प्रसन्नता प्रदान की है। तीर्थ यात्रियों ने इस आत्मीय स्वागत के लिए माननीय उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त की।

प्रथम पेज का शेष

फिल्म सिटी का बरसों...

ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण की आधारशिला रखी। इस ऐतिहासिक अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों, फिल्म कलाकारों, निर्माता-निर्देशकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

फिल्म निर्माण से जुड़ी तकनीकी सुविधाएं मिलेंगी: मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज का दिन प्रदेश के अभिनय और कला जगत से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। चित्रोत्पला फिल्म सिटी के माध्यम से प्रदेश के हजारों हुनरमंद कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। स्थानीय फिल्म निर्माताओं को फिल्म निर्माण से जुड़ी सभी तकनीकी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने फिल्म सिटी एवं ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के लिए केंद्र सरकार से प्राप्त सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश की कला और कलाकारों को उचित सम्मान मिल रहा है।

सांस्कृतिक, आर्थिक और रचनात्मक भविष्य की नींव

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज का यह अवसर छत्तीसगढ़ पर्यटन एवं फिल्म विकास उद्योग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह केवल एक निर्माण परियोजना की शुरुआत नहीं है, बल्कि राज्य के सांस्कृतिक, आर्थिक और रचनात्मक भविष्य की सशक्त नींव है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता से परिपूर्ण राज्य है और इस पहल से पर्यटन के साथ-साथ फिल्म उद्योग को भी नया आयाम मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में छत्तीसगढ़ फिल्म निर्माताओं के लिए एक पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। हमारी स्पष्ट योजना है कि आगामी दो वर्षों के भीतर इन परियोजनाओं को पूर्ण कर राज्य को समर्पित किया जाएगा। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक अनुज शर्मा, विधायक इंद्र कुमार साहू, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल तथा पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव उपस्थित थे।

बर्फबारी से बिजली गुल...

के लिए लोक निर्माण विभाग युद्धस्तर पर काम कर रहा है। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शनिवार को ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बर्फबारी के बाद सड़कों की बहाली के लिए प्रदेशभर में 385 मशीनें तैनात की गई हैं। इनमें जेसीबी, डोजर और स्नो ब्लोअर शामिल हैं। विभाग का मॉनिटरिंग सेल लगातार फील्ड से रिपोर्ट जुटा रहा है और प्राथमिकता के आधार पर मुख्य और संपर्क सड़कों को खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए बर्फबारी से पहले ही अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मशीनरी की तैनाती सुनिश्चित की गई थी।

26 जनवरी तक सड़क बहाल करने की कोशिश

मंत्री के अनुसार सड़कों की बहाली के लिए चरणबद्ध लक्ष्य तय किया गया है। आज शाम तक 625, कल 25 जनवरी को 290 और 26 व 27 जनवरी तक 324 सड़कों को बहाल करने का प्रयास किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन भी लगाए जाएंगे ताकि यातायात जल्द से जल्द सुचारू किया जा सके।

बागवानों और किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि लंबे समय के शुष्क दौर के बाद हुई यह बर्फबारी राज्य के लिए महत्वपूर्ण है। इससे बागवानों और किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है और सेब सहित अन्य फसलों के लिए यह बर्फबारी उपयोगी साबित हो सकती है। उन्होंने इसे प्रदेश की आर्थिकी के लिए भी राहत भरा बताया।

पर्यटक संयम बरते और यात्रा से बचे

पर्यटकों को लेकर मंत्री ने अपील की कि वे बर्फबारी के दौरान संयम बरतें और अनावश्यक यात्रा से बचें। कुछ वायरल वीडियो पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि असभ्य गतिविधियां हिमाचल की देव संस्कृति के विपरीत हैं और ऐसे मामलों में पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को पैनिक नहीं करना चाहिए ।

बांग्लादेश टी-20 वर्ल्डकप...

दिया, जिसके बाद आईसीसी ने यह कदम उठाया। भारत में मैच कराने के आईसीसी के फैसले के खिलाफ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने डिस्प्यूट रिजोल्यूशन कमेटी में अपील दायर की थी, लेकिन उसे भी खारिज कर दिया गया। इस पूरे विवाद की शुरुआत बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर किए जाने के बाद हुई।

इसके बाद बीसीबी ने भारत में खेलना असुरक्षित बताते हुए टीम को भारत भेजने से मना कर दिया। बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने दो दिन पहले ढाका में नेशनल प्लेयर्स के साथ बैठक करके यह साफ कर दिया था कि उनकी टीम भारत नहीं जाएगी। बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने दो दिन पहले ढाका में नेशनल प्लेयर्स के साथ बैठक करके यह साफकर दिया था कि उनकी टीम भारत नहीं जाएगी।

भारत-ईयू के बीच होने जा...

दौरान यूरोप के प्रतिनिध 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह भारत और यूरोप के गहरे संबंधों को दिखाता है। इसके बाद 27 जनवरी को प्रधानमंत्री के साथ बैठक होगी, जिसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रेड, टेक्नोलॉजी, जलवायु संरक्षण और रणनीतिक सहयोग पर परिणामों की रूपरेखा पेश किए जाने की उम्मीद है. इसके बाद राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद वे वापस 28 जनवरी को रवाना हो जाएंगी।

भारत के पास अमेरिका का एक वैकल्पिक रास्ता

खासकर ऐसे समय में जब अमेरिका का दबाव भारत पर बना हुआ है. अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, जिससे भारत के कई प्रोडक्ट्स अमेरिकी मार्केट में नहीं पहुंच पा रहे हैं। अमेरिका में भारत का एक्सपोर्ट भी उतनी तेजी से ग्रो नहीं कर पा रहा है। हालांकि इस डील के बाद भारत के पास अमेरिका का एक वैकल्पिक रास्ता होगा।

ऐतिहासिक सुरक्षा और रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर

अगले हफ्ते दिल्ली में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास के बीच एक ऐतिहासिक सुरक्षा और रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर होने जा रहे हैं। यह समझौता समुद्री सुरक्षा, साइबर रक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों में सहयोग बढ़ाएगा. भारत और ईयू 'सुरक्षा सूचना समझौते' (स्ह्ह्व) पर भी बातचीत शुरू करेंगे, जिससे संवेदनशील रक्षा जानकारी साझा करना आसान होगा। यूरोपीय संघ के नेताओं का कहना है कि यूक्रेन युद्ध अब केवल एक क्षेत्रीय संघर्ष नहीं, बल्कि यूरोप के लिए 'अस्तित्व का संकट' बन चुका है. यूरोपीय संघ चाहता है कि भारत रूस के साथ अपने पुराने और गहरे रिश्तों का इस्तेमाल कर युद्ध को रुकवाने में मध्यस्थ की भूमिका निभाए।

दंतेश्वरी मंदिर को चोरों...

चोर कैद हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची है, जो टूटे ताले, दरवाजे और अन्य साक्ष्यों की बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि हर एंगल से जांच जारी है और जल्द ही चोरी में शामिल आरोपियों का पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी. वहीं जांच की वजह से आम लोगों के लिए मंदिर के कपाट अस्थाई रूप से बंद दिया गया है।

नवागांव में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

नगरी/नवप्रदेश। प्राथमिक शाला माध्यमिक शाला नवागांव में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। आज दिनांक 23 1 2026 को सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिभा अग्रवाल प्राचार्य उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय सांकरा, विशिष्ट अतिथि जोहन नेताम व्याख्याता डाइट नगरी , संकुल समन्वयक दिनेश कुमार ताम्रकार, मिनेश्वरी पुजारी, विशेष अतिथि नगीना सोम सरपंच ग्राम पंचायत भोथली अध्यक्षता तुलसीराम कश्यप शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नवागांव थे। अतिथियों को गुलदस्ता गुलाल से स्वागत कर मेमोंटो प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजा अर्चना के साथ हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बच्चों के द्वारा स्वागत गीत का गायन किया गया। कार्यक्रम में बंगाली गीत बस्तर गीत, देशभक्ति गीत एवं अंधविश्वास को दूर भगाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से कार्यक्रम हुआ ? तथा अच्छे कार्य करने एवं आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया । प्रहसन के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम भव्य हुआ ।

गांजा परिवहन करते एक गिरफ्तार, बिना नंबर प्लेट की गाड़ी से तस्करी

- भटगांव पुलिस की बड़ी कार्यवाही
- आरोपी से 5 किलो 700 ग्राम मादक पदार्थ गांजा व मोटरसाइकिल किया जप्त

भटगांव/नवप्रदेश। नगर भटगांव क्षेत्र में अवैध शराब जुआ सट्टा और गांजा पर कार्यवाही लगातार जारी है। जहां भटगांव थाना प्रभारी शिव कुमार धारी के नेतृत्व में आज मादक पदार्थ गांजा का परिवहन करते हुए एक आरोपी को पकड़ा गया है?। जहां मुखबिर से सूचना मिला कि दो व्यक्ति बिना नंबर वाले मोटर साइकिल में मादक पदार्थ लेकर भटगांव की ओर आ रहे हैं जिसकी सूचना मिलते ही भटगांव थाना प्रभारी शिव कुमार धारी द्वारा अपने स्टाफ के साथ घेराबंदी कर एक आदमी को रोका गया और उसे पुछताछ किया गया जिस पुछताछ करने पर अपना नाम अरूण यादव ग्राम मल्दी का बताया जिसे विधिवत नोटिस देकर तलाशी व पंचनामा तैयार कर आरोपी अरूण यादव की मोटरसाइकिल की डिक्की को तलाशी लिया गया जहां तलाशी लेने पर प्लास्टिक झिल्ली में भरा मादक पदार्थ गांजा को समक्ष गवाह के मुताबिक जप्ती पत्रक के जप्त कर कब्जा पुलिस ने लिया। वहीं आरोपी अरूण यादव पिता रामप्रसाद यादव उम्र 28 वर्ष साकिन मल्दी थाना बिलाईगढ़ के कब्जे से कुल 5 किलो 700 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जिसकी कीमत 29000 तथा मोटरसाइकिल एस.पी. साइन कीमत 50000 रूपये को मुताबिक जब्ती पत्रक समक्ष गवाह के जप्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जिसे न्यायालय द्वारा न्यायिक रिमांड में भेजा गया। वहीं इन सभी कार्यवाही में थाना प्रभारी शिव कुमार धारी, सहायक उपनिरीक्षक बलीराम निराला, प्रधान आरक्षक श्रवण बरिहा, आरक्षक खिलवान बघेल, राहुल खुंटे, शशि खुंटे, प्रत्येन बर्मन के साथ थाना स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

ट्रैक्टर की ठोकर से मासूम की मौत, पिता जख्मी

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र में एक ट्रैक्टर की ठोकर से एक तीन साल की बच्ची की मौत हो गई, वहीं पिता बुरी तरह ज़ख्मी हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच में लिया है। जानकारी के मुताबिक सतनामीपारा भंवरपुर निवासी दशरथ खुंटे (25) 22 जनवरी को अपनी बाइक एचएफडिलक्स क्रमांक सीजी 28 5231 से बेटी दिव्यानी खुंटे (03) के साथ खेत खुसरूपाली मार्ग की ओर से भंवरपुर आ रहा था। करीब 11 बजे खुसरूपाली मोड़ भंवरपुर में सामने से बिना नंबर आईसर ट्रैक्टर के चालक ने बाइक को सामने से ठोकर मार दिया, जिससे वह और उसकी पुत्री दिव्यानी खुंटे बाइक सहित नीचे गिर गए। गंभीर चोट लगने से दिव्यानी की मौत हो गई। वहीं उनके (प्रार्थी) के दोनों पैर, दाहिना हाथ, दाहिने गाल में चोट आई है। मामले की रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125(ए), 106 (1) के तहत अपराध दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी है।

शराब बेचते युवक पकड़ाया

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना पुलिस ने पथरला मार्ग ग्राम तिलकपुर के पास अवैध रूप से शराब बेच रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तिलकपुर निवासी शंकर चौहान (33) से 6 लीटर शराब (कीमत 1200 रुपए) जब्त कर धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

विविध संस्कृति की दिखेगी झलक, 1000 बच्चों का होगा संगीतमय व्यायाम प्रदर्शन

गणतंत्र दिवस के पहले की गई फुल ड्रेस रिहर्सल

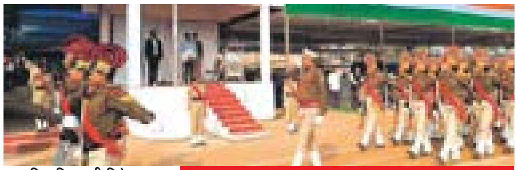

- पुलिस विभाग की विशेष प्रस्तुति कहो नशे को अलविदा की होगी विशेष प्रस्तुति

मुख्य समारोह में सांसद रूपकुमारी चौधरी फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

जिले में 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) पूरी गरिमा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। गणतंत्र दिवस के मौके पर ज़िला मुख्यालय महासमुंद के मुख्य समारोह में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे तथा मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। जिला स्तरीय मुख्य समारोह जिला मुख्यालय के मिनी स्टेडियम में प्रातः 9 बजे शुरू होगा। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने यहां सभी तैयारियों का जायजा लिया।

महासमुंद/नवप्रदेश। गणतंत्र दिवस के लिए आज कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार की मौजूदगी में गणतंत्र दिवस परेड की फुल्ल ड्रेस रिहर्सल की गई। पूर्वाभ्यास में रक्षित निरीक्षक दीप्ति कश्यप के नेतृत्व में पुलिस, नगर सैनिक, एनसीसी एनएसएस की कुल 10 टुकड़ियों ने परेड की सलामी दी। रिहर्सल सुबह 9 बजे मिनी स्टेडियम में आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे।

मिनी स्टेडियम में रिहर्सल सुबह 9 बजे शुरू हुई। आज फुल्ल ड्रेस रिहर्सल में 6 स्कूलों द्वारा राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत गीत संगीत पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति दिया गया। आज उनकी भी अंतिम रिहर्सल की गई। समारोह में 16 स्कूलों के लगभग 1000 बच्चों द्वारा एरोबिक्स जुंबा पीटी प्रदर्शन होगा। साथ ही पुलिस विभाग द्वारा नाटिका कहो नशे को अलविदा की प्रस्तुति विशेष आकर्षण होगा। इसके अलावा 13 विभागों की जीवंत झांकी निकाली जाएगी। शहीद के परिजनों का सम्मान व उत्कृष्ट कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस अवसर पर कलेक्टर ने

इन विभागों की निकलेगी जीवंत झांकी

वन विभाग, शिक्षा विभाग स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास, उद्यानिकी विभाग, जल संसाधन, मछली पालन, आदिवासी विभाग, पशुपालन, पीएचई, क्रेडा/ विद्युत, कृषि विभाग और खाद्य विभाग की झांकी निकलेगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अक्षा गुप्ता, तहसीलदार एवं जिला अधिकारी - कर्मचारी मौजूद थे।

खरीदी केंद्र प्रभारी ने गबन किया 260 क्विंटल धान, एफआईआर दर्ज

- भौतिक सत्यापन में 650 कट्टा धान कम पाया गया

महासमुंद/नवप्रदेश। धान उपार्जन केन्द्र जगदीशपुर में समिति प्रभारी कुशाग्र प्रधान द्वारा 650 पैकेट धान कुल 260 क्विंटल समर्थन मुल्य 6,15,940 रूपया एवं कृषक उन्नति योजना राशि 1.90.060 रूपया कुल राशि 8 लाख 6 हजार रुपए का गबन करने के संबंध में 23 जनवरी को बसना थाना में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज किया गया है।

कृषि साख सहकारी समिति जगदीशपुर के कुशाग्र प्रधान द्वारा अपराध धारा 316(5) बीएनएस का घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति जगदीशपुर के धान उपार्जन केन्द्र में 21 जनवरी 2026 को भौतिक सत्यापन एसडीएम पिथौरा बजरंग वर्मा द्वारा किया गया ।भौतिक सत्यापन में जगदीशपुर समिति में अब तक खरीदी ऑनलाईन रिपोर्ट अनुसार 58,556.40 क्विंटल धान की खरीदी की गई, जिसमें से 44,430 क्विंटल धान का उठाव हो चुका है एवं 14,126.40 क्विंटल धान उपार्जन केन्द्र में प्रदर्शित हो रहा है। स्टाक के अनुसार 35, 316 पैकेट धान 22 स्टेक पर होना समिति प्रभारी कुशाग्र प्रधान के द्वारा बताया गया परंतु भौतिक रूप से स्टेक पर 34, 666 पैकेट धान पाया गया। इस प्रकार धान खरीदी केन्द्र में 650 पैकेट धान कुल 260 क्विंटल समर्थन मुल्य 6 लाख 15 हजार 940 रुपए एवं कृषक उन्नति योजना राशि 1 लाख 90 हजार 60 रुपए कुल राशि 8 लाख 6 हजार रुपए का कम होना पाया गया। इस तरह समिति प्रभारी कुशाग्र प्रधान के द्वारा जारी धान नीति 2025-26 के खिलाफ कार्य कर संस्था एवं शासन को क्षति पहुंचाई गयी है । इसे जानबूझकर किया गया कृत्य मानकर प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति जगदीशपुर के समिति प्रभारी कुशाग्र प्रधान के खिलाफ एफ आई. आर दर्ज किया गया है।

'बसंत पंचमी सृजनशीलता, ज्ञान, बुद्धि और संस्कारों का पर्व'

महासमुंद/नवप्रदेश। महर्षि विद्या मंदिर, महासमुंद में बसंत पंचमी का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती एवं गुरु परंपरा की विधिवत पूजा-अर्चना हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक पीले वस्त्र धारण कर विद्यार्थियों व शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भजन, गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया और परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार तिवारी ने बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे ज्ञान, बुद्धि, सृजनशीलता एवं संस्कारों का पर्व बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से सतत अध्ययन, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। पश्चात विद्यालय के ध्यान शिक्षक सुभाष पांडे एवं संदीप शर्मा ने उपस्थितजनों को भवातीत ध्यान कराया , जिससे विद्यार्थियों व शिक्षकों ने मानसिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रसाद वितरण किया गया। इस आयोजन में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

मरार पटेल समाज ने मनाया मां शाकंभरी महोत्सव

महासमुंद/नवप्रदेश। नांदगांव में बसंत पंचमी के मौके पर मरार पटेल समाज द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ मां शाकंभरी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम मां शाकंभरी के मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की गई।

आदिवासी कन्या आश्रम सिहावा में बाउंड्री निर्माण कार्य पर घटिया ईंटों का उपयोग

नगरी/नवप्रदेश। आदिवासी कन्या आश्रम शाला सिहावा स्कूल को सुरक्षित रखने के लिए शासन द्वारा बाउंड्रीवाल निर्माण लाखों रुपए स्वीकृत हुआ है वहीं टेंडर के माध्यम से ठेकेदार को दिया गया है वहीं निर्माण कार्य को देखने से गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। निर्माण कार्य में मानकों के विपरीत घटिया एवं कमजोर गुणवत्ता की ईंटों के उपयोग का आरोप लगाया जा रहा है, जिससे कार्य की मजबूती और टिकाऊपन पर संदेह उत्पन्न हो गया है।

कुछ स्थानीय लोगों एवं जनप्रतिनिधियों का कहना है कि छात्रावास जैसे संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण शासकीय भवन में इस प्रकार की लापरवाही छात्राओं की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। निर्माण स्थल पर बड़ी संख्या में ऐसी ईंटें देखी गई हैं जो पहले से ही टूट-फूट की स्थिति में हैं तथा मानक मापदंडों पर खरी नहीं उतरतीं।

ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराए जाने तथा निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता की तकनीकी जांच की मांग की है। साथ ही दोषी ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी उठ रही है।यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में यह निर्माण कार्य जल्द ही क्षतिग्रस्त हो सकता है, जिससे शासन को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ छात्राओं की सुरक्षा पर भी खतरा उत्पन्न हो सकता है।

अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए जांच एवं आवश्यक कार्रवाई करता है।

रामनगर डोंटो में शाकंभरी महोत्सव हुआ संपन्न

- भवन निर्माण के लिए पांच लाख देने की घोषणा

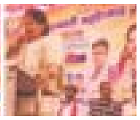

भटगांव/नवप्रदेश। भटगांव परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम रामनगर डोटो में आज पटेल समाज द्वारा मां शाकम्भरी महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि जांजगीर चांपा लोकसभा की सांसद श्रीमति कमलेश जांगड़े रही। वहीं कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि बिलाईगढ़ विधानसभा की विधायक कविता प्राण लहरें एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांताध्यक्ष छत्तीसगढ़ मरार पटेल समाज सुरेन्द्र पटेल ने की। जहां सांसद श्रीमति कमलेश जांगड़े के रामनगर डोटो पहुंचते ही पटेल समाज के लोगों द्वारा स्वागत गेट से स्वागत करते हुए सांसद को कार्यक्रम स्थल लेकर पहुंचे। जहां सर्वप्रथम मां शाकंभरी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। वही कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। और पटेल समाज के प्रांताध्यक्ष सुरेंद्र पटेल ने कार्यक्रम स्थल में सांसद से मांग किया कि मेन रोड से रामनगर तक पहुंचने वाली सड़क बहुत ज्यादा खराब है और रामनगर डोटो में पटेल समाज का एक भवन है वहां भी पूरी तरह से जर्जर हो गयी है जिसको जिर्णोद्धार की जरूरत है जिस पर सांसद श्रीमति कमलेश जांगड़े द्वारा ने घोषणा करते हुए सामाजिक भवन के लिए 5 लाख रुपए तथा मेन रोड से रामनगर डोटो तक की सड़क के लिए सत्र बजट में रखने की बात कही और लोगों को आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द बजट में पास कराऊंगी । वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने कहा कहा कि मां शाकंभरी को अन्न, हरियाली और समृद्धि की देवी माना जाता है और पटेल समाज द्वारा आयोजित इस शाकंभरी महोत्सव में मुझे बुलाया इसके लिए मैं पटेल समाज को धन्यवाद देती हूं और उन्होंने समाज के लोगों को मां शाकंभरी के आदर्शो को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

32 पौवा देशी प्लेन शराब जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना पुलिस ने बाइक से शराब का अवैध परिवहन कर रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सूचना पर संदिग्ध बाइक को रोका।

पूछताछ में उसने अपना नाम बैतारी निवासी सारथी साहू (50) बताया । आरोपी के कब्जे से 32 पौवा देशी प्लेन रोमियो शराब (कीमत 2560 रुपए) और बाइक बरामद किया।

खेत के कुएं में गिरकर तेंदुआ की मौत

छुरा/नवप्रदेश। छुरा वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम टोनहीडबरी में एक खेत में बने कुएं में तेंदुए के गिरने की घटना सामने आई है। कुएं में तेंदुए को देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया, जिसके बाद तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी गई।

सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे, जहां तेंदुआ कुएं में मृत अवस्था में पाया गया। वन अमले द्वारा आवश्यक सुरक्षा इंतजामों के साथ तेंदुए को कुएं से बाहर निकाला गया। वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार तेंदुए के शव का नियमानुसार डॉक्टरों की टीम द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात वन विभाग के दिशा-निर्देशों के तहत तेंदुए के शव का अंतिम संस्कार (दहन) किया गया।

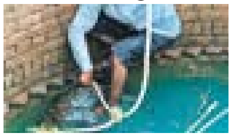

फिलहाल तेंदुए की मृत्यु के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में वन विभाग द्वारा निगरानी बढ़ा दी गई है, वहीं ग्रामीणों को भी सतर्क रहने की अपील की गई है।

बसंत पंचमी | शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य महाविद्यालय में बसंत पंचमी उत्सव, माता सरस्वती की हुई पूजा-अर्चना

ऋतु आते ही खिल उठता है प्रकृति का कण-कण : करुणा

महासमुंद/नवप्रदेश। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बसंत पंचमी मनाई गई। महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान महाविद्यालय के समस्त विभाग के प्राध्यापक व अधिकारी-कर्मचारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, योग विभाग के विद्यार्थी सहित महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्राचार्य प्रो. करुणा दुबे ने कहा कि बसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती मां की पूजा की जाती है। बसंत ऋतु आते ही प्रकृति का कण-कण खिल उठता है। मानव तो क्या पशु-पक्षी तक उल्लास से भर जाते हैं। हर दिन नयी उमंग से सूर्योदय होता है और नयी चेतना प्रदान कर अगले दिन फिर आने का आश्वासन देकर चला जाता है। इस दिन पीले वस्त्र धारण करते हैं। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है, तो पुराणों-शास्त्रों तथा अनेक काव्यग्रंथों में भी अलग-अलग ढंग से इसका चित्रण मिलता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. नीलम अग्रवाल, डॉ. मालती तिवारी, डॉ. आर के अग्रवाल, एसआर रात्रे ग्रंथपाल, मनीराम धीवर, डॉ. दुर्गावती भारतीय, डॉ. ईश्वरी प्रसाद चेलक, अजय कुमार राजा, सरस्वती सेठ, राजेश्वरी सोनी, दिलीप कुमार लहरे, डॉ. अजय कुमार देवांगन, मनबोध चौहान, दिलीप कुमार बढ़ाई, आशुतोष पुरी गोस्वामी, मनीषा प्रधान, डॉ.जगदीश सत्यम, प्रियंका सोनवानी, केशरचन्द बनपाल, कार्यालय कर्मचारी गेश्वर दीवान छात्रावास अधीक्षक, मुकेश साहू कार्यालय प्रमुख, अतिथि व्याख्याता जीवन लाल चंद्राकर, परवीन करीम, डॉ. कलम रेखा, विजय कुमार मिर्चे, मृणाली चंद्राकर, शिवानी तावेरकर, रेणुका साहू, डॉ. जागृति चंद्राकर, डॉ. गरिमा दीवान, डॉ. भूपेश पात्रा, ममता साहू, रूपावती, सीपी चतुर्वेदी, रोहिणी देवांगन, टीकम साहू, पूजा यादव, जनभागीदारी व्याख्याता प्रकाशमणि साहू, कल्याणी साहू, किरण साहू, मुकेश ढीढी, सुशील जांगड़े, सौरभ साहू, वेद देवांगन, मिलाप सिंह ध्रुव, कुन्दन कुमार देवांगन, केशर कुमार कश्यप, मनीष साहू, तेजस्वनी साहू, पूर्णिमा साहू, ललित कुमार लोधी, बीएल साहू, राकेश जांगड़े, मोरजध्वज कन्नौजे आदि उपस्थित रहे।

सशिमं में हुआ पांच कुंडीय यज्ञ

भलेसर मार्ग पर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर उमावि में बसंत पंचमी पर पांच कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम विद्यालय में मां सरस्वती का पूजन, हवन एवं आरती की गई। इस यज्ञ अनुष्ठान वैदिक विधि विधान से वरिष्ठ आचार्य बलराम सेन ने कराया । पूजन में आदर्श शिक्षा मंडल समिति के सचिव घनश्याम सोनी, विद्यालय के प्राचार्य देवराज वर्मा, विद्यालय समस्त आचार्य- दीदी, भैया-बहन एवं अभिभावकगण उपस्थित थे। पूजन पश्चात 65 बच्चों का पट्टी पूजन एवं विद्यारंभ संस्कार किया गया।

विद्युत सुरक्षा कार्यशाला में कर्मियों को दिलाई शपथ

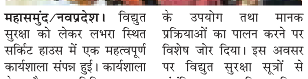

महासमुंद/नवप्रदेश। विद्युत सुरक्षा को लेकर लभरा स्थित सर्किट हाउस में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला के दौरान अतिरिक्त मुख्य अभियंता केएस भारती ने विद्युत कार्य के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों एवं आवश्यक सावधानियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने विद्युत लाइनों में कार्य करते समय बरती जाने वाली सावधानियों, सुरक्षा उपकरणों के उपयोग तथा मानक प्रक्रियाओं का पालन करने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर विद्युत सुरक्षा सूत्रों से संबंधित पत्रक का वितरण किया गया एवं सभी तकनीकी कर्मचारियों को विद्युत घातक एवं अघातक दुर्घटनाओं से बचाव हेतु शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम का उद्देश्य भविष्य में होने वाली विद्युत दुर्घटनाओं को रोकना एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

न्यूज गैलरी

तरेंगा में शराब पीने बैठे दो युवक में से एक व्यक्ति की मौत, दूसरा गंभीर

भाटापारा/नवप्रदेश। ग्रामीण थाना अंतर्गत ग्राम तरेंगा में बीती रात शराब सेवन करने वाले 2 लोगों में से 1 की मौत हो गई,वही दूसरे युवक को गंभीर हालत मे रायपुर के एक निजी अस्पताल मे भरती कराया गया है ,घटना स्थल को घर को सिल कर सभी पहलुओं की जांच ग्रामीण पुलिस कर रही है। उपरोक्त संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार शनिवार को प्रात: ग्रामीण थाना को सुचना मिली कि तरेंगा में दो लोग रात में शराब पीते हुए गंभीर हो गये है। सुचना पर ग्रामीण थाना पुलिस मौके पर पहुंची और देखा कि उनमें से एक की मौत हो गयी है जिसका पहचान चंद्रशेखर यदु के रूप में की है वही अन्य एक परमेश्वर घिरदे नामक युवक को गंभीर हालत तत्काल स्थानीय अस्पताल में लाया गया,जहां उसकी हालत को देखते हुए उचित इलाज हेतु रायपुर रिफर किया गया है। घटना को लेकर पुलिस तमाम पहलुओं की जांच करने हेतु घटनास्थल मकान को सिल किया गया वही फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने भी घटना स्थल पहुंच अपनी जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा विभिन्न बिंदु पर जांच की जा रही है कि मौत की असली वजह क्या है? मामला संदेहास्पद होने के कारण पुलिस अधीक्षक ने जांच के लिये विशेष दल का गठन किया है जो सभी बिंदुओं पर अपनी जांच करेगी।

सुंदर पाठ का हुआ आयोजन

भाटापारा/नवप्रदेश। ईश्वरी प्रसाद धुरंधर वार्ड स्थित महाबीर मंदीर मे अयोध्या रामलला स्थापना दिवस के अवसर पर चौबिस घंटे का सुन्दर कांड पाठ का आयोजन मोहल्ले वासी सहित महिलाओ के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ । कार्यक्रम के आयोजक पप्पू पाण्डेय ने बताया कि आयोजन में बाहर की भजन मण्डली ने भी अपनी प्रस्तुति दी। इस दौरान सभी को भगवान राम का आकर्षक चित्र भेटकर सम्मान किया गया सफल आयोजन के लिए पप्पू पाण्डेय ने सबका आभार व्यक्त किया है ।

शैक्षणिक पुस्तकों का विमोचन

भाटापारा/नवप्रदेश। शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय (जीएनए पीजी महाविद्यालय), भाटापारा में बसंत पंचमी के अवसर पर शैक्षणिक उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत स्श्रष्ट हरित रसायन और स्श्रष्ट बैंकिंग परिचालन पुस्तकों का विमोचन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे महाविद्यालय के प्राचार्य अशोक वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शैक्षणिक पुस्तकों का प्रकाशन एवं विमोचन किसी भी शिक्षण संस्था की अकादमिक सशक्तता को दर्शाता है। इससे न केवल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री प्राप्त होती है, बल्कि शिक्षकों को भी अकादमिक लेखन एवं शोध के लिए प्रेरणा मिलती है। उन्होंने लेखक डॉ. प्रीति सोनी, डॉ. दीपक यादव, प्रो. मनीष कुमार सरवैया एवं प्रो. संतोष कुमार बंजारे को उक्त पुस्तकों के लेखन के लिए शुभकामनाएँ दी।

विस युवा कांग्रेस बैठक अमृत पटेल के नेतृत्व में भव्य स्वागत

गरियाबंद/नवप्रदेश। युवा कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश सहप्रभारी सुश्री मोनिका मंडरे जीए प्रदेश महासचिव विक्रांत साहू जी जिला प्रभारी राजेश बारले जी जिला अध्यक्ष गौरव मिश्रा जी ने आज विधानसभा युवा कांग्रेस की बैठक हेतु बिंद्रानवागढ़ विधानसभा पहुंच कर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर दिशा निर्देश दिया। बैठक में युवा कांग्रेस संगठन विस्तारए आगामी कार्य योजनाओं व रणनीतियों को लेकर आदेश दिया। प्रमुख से वरिष्ठ कांग्रेस नेता युगल किशोर पांडेए ब्लाक अध्यक्ष अमित मिरी, जिला अध्यक्ष गौरव मिश्रा जी, बिंद्रानवागढ़ विधानसभा अध्यक्ष अमृत पटेल, गेंदलाल सिन्हा, महेंद्र राजपूत प्रदेश सचिव श्रद्धा राजपूत, ब्लाक अध्यक्ष महिला कांग्रेस सुरेखा ममता फुलझारे, सविता गिरी गुरुनूर कौर, सुमंत देवगन, नागेश, उमेश डोगरे, अल्तमस खान, शहीद मेमन, सोहन नागेश, निराकार डोगरे, हुकूमद यादव, मनोज पांडे, सूरज यादव, नंदू गोस्वामी, नूतन साहू, धर्मेंद्र बघेल गिरीश बघेल आरके नागेश, सतीश पटेल लक्ष्मण चक्रधारी, खेमे पटेल आदि शामिल हुए।

निधन : नरेंद्र भाई बावरिया

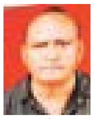

नवापारा राजिम। गुजराती समाज के नरेंद्र भाई बावरिया पिता खुशहाल बावरिया उम्र 63 वर्ष का आकस्मिक निधन 24 जनवरी, शनिवार को हो गया है। उनकी अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे जयकांत भाई बावरिया के छोटे भाई थे।

देवांगन समाज ने वित्त मंत्री चौधरी का किया ऐतिहासिक स्वागत

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। नवापारा नगर देवांगन समाज द्वारा बसंत पंचमी के अवसर पर शुक्रवार को नवापारा-छांटा रोड पर स्थित देवांगन समाज भवन में मां परमेश्वरी महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित मंचीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने उपस्थित सामाजिकजनों को संबोधित करते हुए कहा कि देवांगन समाज एक मेहनतकश समाज है, जिसने आज तक अपनी परंपरा को संरक्षित रखा है।

इस समाज ने अपने आप को समय के साथ अपडेट किया है,

जिसके चलते आज देवांगन समाज के युवा अपने मुख्य व्यवसाय कपड़ा निर्माण व विक्रय के अलावा विभिन्न निजी और शासकीय क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। इससे युवा अपने समाज के साथ-साथ प्रदेश का भी नाम रोशन कर रहे हैं। श्री चौधरी ने आगे कहा कि आज के जमाने में अशिक्षित व्यक्ति पशु के समान है। इस बात को देवांगन समाज ने भी बड़ी गंभीरता से समझा है और यही वजह है कि इस समाज के लोग अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। श्री चौधरी ने उपस्थित युवाओं को कैरियर गाइडेंस देते हुए कहा कि अपना लक्ष्य छोटा न रखें। बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिन-रात एक करते हुए वह लक्ष्य हासिल करें, जो आपके खानदान में कोई हासिल न कर पाया हो। लक्ष्य में केवल शासकीय नौकरी ही नहीं बल्कि व्यवसाय, राजनीति, आईटी सेक्टर, विज्ञान आदि को भी शामिल करें। अपने इस जीवन को ऐसा बनाकर जाएं कि भविष्य में आपके परिवार, समाज, प्रदेश व देश उसकी मिसाल देते रहें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय विधायक इंद्र कुमार साहू ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में रचा-बसा देवांगन समाज, प्रदेश की उन्नति में बराबर का योगदान देते आया है। कपड़ा उद्योग के क्षेत्र में हमारा प्रदेश, इसी समाज के बूते आगे बढ़ा है। मां परमेश्वरी के अनुयायी देवांगन समाज की एकता और उनके कार्य सराहनीय हैं। वहीं अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद समाज गौरव किशोर देवांगन ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ पिछले 2 वर्षों से विकास के पथ पर दौड़ते हुए विश्वसनीय छत्तीसगढ़ का तमगा हासिल कर चुका है, जिसमें वित्त मंत्री श्री चौधरी का बहुत बड़ा योगदान है।

राष्ट्रीय बालिक दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन

धरसीवां / कूंरा/नवप्रदेश। पीएम श्री स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कुँरा में राष्ट्रीय बालिक दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें रंगोली, मेहंदी, भाषण, गीत एवम प्रश्नोत्तरी में छात्राओं ने अपनी रुचि दिखाते हुए उत्साह के साथ भाग लिया।

संस्था की प्राचार्य सुजाता बहल ने बताया हर साल 24 जनवरी को वर्ष 2008 से राष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

परमेश्वरी जयंती पर शिवरतन शर्मा ने किया समाज के भवन का लोकार्पण

नशा रूपी जहर से बचने और बच्चों को संस्कारवान बनाने समाज से की अपील

भाटापारा/नवप्रदेश। देवांगन समाज की ईष्ट देवी माँ परमेश्वरी जयंती पर ग्राम सिंगारपुर (माँवली) स्थित रामजानकी मंदिर परिसर में तरेंगा राज देवांगन समाज द्वारा माँ परमेश्वरी जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा ने कार्यक्रम में शिरकत कर माँ परमेश्वरी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर विशेष पूजा अर्चना की साथ ही देवांगन समाज सामुदायिक भवन के लोकार्पण कर समाज वालों को परमेश्वरी जयंती, वसंत पंचमी एवं समाज के भवन की बधाई शुभकामनायें दी...

शिवरतन शर्मा ने समाज के लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि देवांगन समाज मेहनती समाज के रूप में जाना जाता है राज्य के विकास में समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हमारी सरकार के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा भी समाज के उत्थान हेतु बुनकरों का कर्ज माफ करने के साथ उनके उत्थान हेतु विभिन्न योजनाएं चलाई गई थीं। शिवरतन शर्मा ने नशा रूपी जहर से बचने और अपने बच्चों को संस्कारवान बनाने समाज से अपील की। शिवरतन शर्मा ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में बसंत पंचमी का विशेष स्थान है। यह पर्व न केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत देता है, बल्कि जीवन में नई ऊर्जा, उल्लास और सृजनशीलता का संदेश भी देता है। शिवरतन शर्मा ने सामुदायिक भवन के लोकार्पण पर कहा की यह भवन सामाजिक एकता, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण तथा समाज के युवा वर्ग को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारी सरकार समाजों के सशक्तिकरण एवं उनके विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है एवं उनके उत्थान, शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देने हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।

जेसिस कॉन्वेंट में बसंत पंचमी की रही धूम

भाटापारा। जेसिस कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, भाटापारा में बसंत पंचमी का पर्व श्रद्धा, अनुशासन एवं सादगी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने माँ सरस्वती से ज्ञान, बुद्धि एवं सद्बुद्धि की कामना की। कार्यक्रम में सचिव शंकर सोनी, अखिल गोलानी, सतीश अग्रवाल, मोहन केसरवानी, नारायण गुप्ता, आर.एस. गौतम एवं बी. राघव राव उपस्थित रहे। इस अवसर पर सचिव शंकर सोनी ने कहा कि बसंत पंचमी ज्ञान, शिक्षा और संस्कारों का पर्व है। माँ सरस्वती की कृपा से ही विद्यार्थियों में विवेक, अनुशासन और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है।

नेवले का शिकार, पुलिस-वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में युवक गिरफ्तार

डोंगरगांव/ नवप्रदेश। वन्य प्राणियों के संरक्षण को लेकर प्रशासन की मुस्तैदी के चलते डोंगरगांव पुलिस और वन विभाग ने एक संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित वन्य जीव 'इंडियन ग्रे मुंगूस' (नेवला) का शिकार करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से मृत नेवला बरामद किया गया है, जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार (23 जनवरी) की शाम करीब 5 बजे पुलिस को सूचना मिली कि शिवनाथ नदी एनीकट के पास एक व्यक्ति नेवले का शिकार कर उसे अपने पास रखे हुए है। सूचना मिलते ही डोंगरगांव थाना प्रभारी आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में पुलिस टीम ग्राम मटिया स्थित एनीकट पहुंची। वहां घेराबंदी कर आरोपी गोकुल उइके (22 वर्ष), निवासी आरी कोनारी को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके

पास से एक मृत इंडियन ग्रे मुंगूस बरामद हुआ।

पुलिस ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। वन परिक्षेत्र अधिकारी लवकेश गिलहरे की उपस्थिति में आरोपी और मृत वन्य प्राणी को वन विभाग के सुपुर्द किया गया। वन विभाग ने आरोपी के विरुद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं (9, 39, 44, 49, 49क्क 51, 57) के तहत पी.ओ.आर. प्रकरण क्रमांक 17845/08 दर्ज किया है। शनिवार को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया।

50 पौव्वा देशी शराब के साथ कोचिया गिरफ्तार, जेल दाखिल

■ **अवैध शराब पर डोंगरगांव पुलिस का प्रहार**

डोंगरगांव/नवप्रदेश। अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए डोंगरगांव पुलिस द्वारा चलाई जा रही मुहिम के तहत एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ग्राम कोकपुर में घेराबंदी कर एक युवक को अवैध शराब के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 4000 रुपये मूल्य की शराब जब्त की गई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार (23 जनवरी) को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति झोले में भारी मात्रा में शराब लेकर कोकपुर बस स्टैंड की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने ग्राम कोकपुर शराब भट्टी के पास मेन रोड पुलिया पर घेराबंदी कर संदिग्ध को दबोच लिया।पकड़े गए आरोपी की पहचान सूरज कुमार कोसरे (21 वर्ष),

निवासी ग्राम तिलईरवार (तुमड़ीबोड़) के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 50 नग देशी प्लेन शराब (कुल 9.00 बल्क लीटर) बरामद हुई। जब्त शराब की कुल कीमत लगभग 4000 रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मौके पर पंचनामा तैयार कर शराब को जब्त किया और आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है। यह पूरी कार्रवाई राजनांदगांव पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश एवं अति. पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

शिशु मंदिर रानीपरतेवा में वार्षिकोत्सव संपन्न

छुरा/नवप्रदेश। सरस्वती शिशु मंदिर रानीपरतेवा में वार्षिकोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री अभिमन्यु ध्रुव (भारतीय किसान संघ जिला पालक अधिकारी जिला गरियाबंद), मुख्य अतिथि श्री पंकज निर्मलकर (जनपद सदस्य, जनपद पंचायत छुरा), अध्यक्षता श्री हेमलाल नेताम (सरपंच ग्राम पंचायत रानीपरतेवा), विशेष अतिथि श्री साधु राम निषाद (ग्राम पटेल ग्राम रानीपरतेवा) ने किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर संस्कार की धनी होता है। यह आचार्य अपने बच्चों को भैया/बहिन करके संबोधित करते है।

उद्यमी दीदियों की आत्मनिर्भरता की मजबूत साथी बनी बिहान योजना

■ **अध्यक्ष केशव चंद्राकर की प्रेरणा से पटपरपाली में तीन महिला उद्यमों का शुभारंभ**

बागबाहरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में प्रभावी भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पटपरपाली में तीन स्व सहायता समूह की दीदियों ने योजना का लाभ लेकर स्वरोजगार की शुरुआत की है और गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनी हैं।

प्रेरणा स्व सहायता समूह की दीदी सावित्री साहू ने बैंक लिंकेज एवं उद्यमी लोन के माध्यम से तीन

लाख रुपये की सहायता राशि प्राप्त कर, अपनी निजी पूंजी जोड़ते हुए मेडिकल स्टोर की शुरुआत की है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिली है। इसी तरह जय छत्तीसगढ़ स्व सहायता समूह की दीदी छाया दुबे ने 2.5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त कर ब्यूटी पार्लर की स्थापना की है, जो उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ अन्य महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराएगा। वहीं रोशनी स्व सहायता समूह की दीदी रितु साहू ने बैंक लिंकेज एवं क्लस्टर संगठन से तीन लाख रुपये का ऋण प्राप्त कर, अपनी राशि जोड़ते हुए कपड़ा दुकान शुरू की है। खास बात यह है कि वे दुकान के साथ सिलाई कार्य भी कर रही हैं, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है।

इन तीनों नव स्थापित दुकानों का उद्घाटन जनपद पंचायत अध्यक्ष केशव नायकराम चंद्राकर द्वारा फीता काटकर किया गया। उन्होंने सभी दीदियों को आत्मनिर्भर बनने पर बधाई दी तथा उनके संघर्ष, चुनौतियों और सफलता की यात्रा की सराहना की। साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक आजीविका गतिविधियां प्रारंभ करने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। उद्घाटन कार्यक्रम में जनपद सीईओ, जनपद सदस्यों सहित, ग्राम सरपंच लता कमलेश तांडे, एडीईओ एकलदेव, एरिया कोऑर्डिनेटर राजेश पटेल, शिवम नगारची, पीआरपी रोशनी कंवर, एफएलसीआरपी, बिहान कैडर, स्व सहायता समूह की दीदियां एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता, स्वावलंबन और सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत संदेश लेकर सामने आया।

कलेक्टर-एसपी ने किया फाइनल परेड रिहर्सल का निरीक्षण

■ **परेड रिहर्सल में शैक्षणिक संस्थानों के छात्र.छात्राओं ने भाग लिया**

गरियाबंद/नवप्रदेश। गणतंत्र दिवस 2026 के भव्य आयोजन की तैयारियों के तहत आज दिनांक 24ध्01ध्2026 को जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन परेड मैदान में परेड की रिहर्सल आयोजित की गई। रिहर्सल में पुलिस बलए सीएएफए होमगार्डए एनसीसीए स्काउट.गाइड एवं विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्र.छात्राओं ने भाग लिया।

रिहर्सल के दौरान परेड की ड्रिलए मार्च पास्टए सलामी एवं अनुशासन का अभ्यास

किया गया। परेड का निरीक्षण कलेक्टर बी एस उईकेए पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर द्वारा किया गया तथा परेड की गुणवत्ताए अनुशासन एवं समन्वय को लेकर आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए।

अधिकारियों द्वारा बताया गया कि गणतंत्र दिवस समारोह को गरिमामयए सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु लगातार अभ्यास किया गया । आज अंतिम रिहर्सल आयोजित कर सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया।

आयोजन | देवनाथ साहू ने समाज को जागरूकता और संबल बनाने पर जोर दिया

पटेवा में राजिम माता की जयंती, भव्य कलश यात्रा का हुआ आयोजन

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। पंचकोशी धाम पटेवा ग्राम में ग्रामीण साहू समाज द्वारा राजिम भक्तिन माता जयंती का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। सुबह भव्य कलश यात्रा में माता राजिम की प्रतिमा को सामाजिक जन बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने सहभागिता की जिसमें पूरा गांव भक्ति मय वातावरण में सराबोर हो गया। कलश यात्रा मां कंकालिन मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर पटेश्वर मंदिर होते हुए साहू भवन पहुंचे इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर गांव का भ्रमण किया, जिससे गांव में धार्मिक उल्लास और आस्था का अद्भुत

दृश्य देखने को मिला। समाज के छोटे बड़े युवा और नौजवान माता राजिम के जयकारा लगाते हुए मुख्य सभा स्थल पहुंचे जहां विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि देवनाथ साहू अध्यक्ष साहू संघ ग्रामीण रायपुर, प्रमुख अतिथि तुलेश साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ अभनपुर एवं अध्यक्षता पारसमणी साहू अध्यक्ष परीक्षेत्र साहू संघ पिपरौद ने की। विशिष्ट अतिथि ब्रह्मानंद साहू पूर्व अध्यक्ष तहसील साहू संघ अभनपुर, उमराव साहू पूर्व अध्यक्ष परीक्षेत्र साहू संघ पिपरौद, कृष्णा यशवंत साहू सरपंच ग्राम पंचायत पटेवा, पहलाद साहू उपाध्यक्ष तहसील साहू संघ, गेंद लाल साहू अध्यक्ष परीक्षेत्र चंपारण, रामकुमार हिरवानी, डॉक्टर चंद्रकांत साहू, डॉक्टर फुलजी साहू थे। मुख्य अतिथि देवनाथ साहू ने अपनी उद्बोधन में समाज को जागरूकता एवं संबल बनाने पर जोर दिया, तुलसीदास जी के जीवन गाथा का वर्णन करते हुए समाज में सेवा समर्पण की भावना जागृत करने की बात कही। वहीं प्रमुख अतिथि तुलेश साहू ने माता राजिम की त्याग भक्ति का जिक्र करते हुए माता राजिम की जीवन जिसकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान लोचन मूर्त रूप में प्रकट हुए माता राजिम निस दिन उसकी पूजा करती थी भगवान ने आशीर्वाद दिया मेरे नाम के आगे राजिम होगा और राजिम लोचन नाम पड़ा। विशेष अतिथि ब्रह्मानंद साहू ने भी सामाजिक, संस्कार, शिक्षा और बच्चों की बौद्धिक विकास के साथ सामाजिक समरसता पर जोर दिया। इस भव्य कार्यक्रम में ग्रामीण पदाधिकारी के द्वारा समाज के पूर्व पदाधिकारी, पूर्व पार प्रमुख, वरिष्ठ जन एवं महिला वरिष्ठ जिन्होंने अपने जीवन का बहुमूल्य समय समाज की सेवा में प्रदान किया उनका सम्मान अतिथियों के द्वारा गमछा एवं श्री फल भेंट कर सम्मानित किया गया और कार्यक्रम के समापन के उपरांत भव्य प्रसादी खीर पूडी एवं खिचड़ी का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जोगीराम साहू अध्यक्ष, मिथलेश साहू सचिव, प्रेमलाल साहू उपाध्यक्ष, लीला राम साहू कोषाध्यक्ष, सदा राम साहू, श्यामलाल साहू, शिवनारायण साहू, नवेंद्र साहू शिक्षक पप्पू तेली, मोहन साहू, केशव साहू, प्यारे लाल साहू, उमेश साहू, कुलेश्वर साहू एवं समस्त साहू समाज एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

बसंत पंचमी पर मंत्रोच्चार से हुआ मां सरस्वती का पूजन, 200 पौधों का रोपण

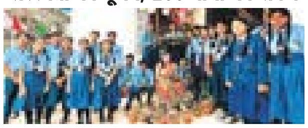

गरियाबंद/नवप्रदेश। शासकीय रामबिशाल पाण्डेय उत्कृष्ट अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालय में बसंत पंचमी का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और संस्कारपूर्ण वातावरण में मनाया गया। पूरे विद्यालय परिसर में भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा का सुंदर माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर ब्राह्मण बटुकों द्वारा विधि-विधान से मंत्रोच्चार कर विद्या की देवी माँ सरस्वती का पूजन एवं हवन संपन्न कराया गया। वैदिक मंत्रों की गूंज से वातावरण पवित्र हो उठा। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी पूरे मनोयोग और श्रद्धा के साथ पूजन एवं हवन में भाग लिया तथा ज्ञान, बुद्धि, विवेक और सद्गुणों की कामना की। पूजन उपरांत सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित अतिथियों को खीर-पूड़ी का प्रसाद वितरित किया गया, जिससे पूरे परिसर में प्रसन्नता और सामूहिकता का भाव दिखाई दिया।

26 और 30 को रायपुर में नहीं बिकेगा मांस- मटन

बेचते पाए जाने पर होगी सख्त कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। गणतंत्र दिवस और महात्मा गांधी निर्वाण दिवस पर रायपुर में मांस-मटन की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। महापौर ने 26 जनवरी और 30 जनवरी को नगर निगम के पूरे क्षेत्र में मांस-मटन की दुकानों और बूचड़खानों को बंद रखने का आदेश जारी किया हैं। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, यह आदेश छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन व विकास विभाग के निर्देशों के पालन में जारी किया गया है। दोनों पावन अवसरों पर शहर में किसी भी तरह का मांस-मटन बेचा नहीं जाएगा। नगर निगम के अनुसार, प्रतिबंध के प्रभावी पालन के लिए सभी जोन के स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी करेंगे। मांस-मटन की दुकानों के साथ-साथ होटलों और ढाबों पर भी विशेष नजर रखी जाएगी।

महापौर के निर्देश पर साफ किया गया है कि यदि कोई दुकान या होटल प्रतिबंध के बावजूद मांस-मटन की बिक्री करते पाया गया, तो सामग्री जब्त कर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समारोह का आयोजन कवर्धा के में 9 बजे से

रायपुर। कबीरधाम जिले के मुख्यालय कवर्धा में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहब शासकीय स्नातकोत्तर कालेज कवर्धा में वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न होगा। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह 26 जनवरी 2026 को प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगा।

नालंदा पार्ट-2 पर कांग्रेस ने पूछे सवाल, कहा- पहले से जगह तय थी

■ तो निर्माण क्यों नहीं कराया, साव-मूणत से मांगा जवाब

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में नालंदा परिसर पार्ट-2 के निर्माण को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार से 10 सवाल पूछे हैं। कांग्रेस नेता श्रीकुमार मेनन ने कहा कि नालंदा पार्ट-2 का भूमि पूजन करने से पहले सरकार, पूर्व सरकार और क्षेत्रीय विधायक को रायपुर की जनता के सामने कई सवालों के जवाब देने चाहिए। मेनन ने आरोप लगाया कि पिछले 3-4 सालों से स्मार्ट सिटी के तहत बने यूथ हब को नियम के खिलाफबताकर जनता को गुमराह किया गया। जबकि विधानसभा में नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव के जवाब में साफहो चुका है कि यूथ हब नियमों के अनुसार बना था। इसके बावजूद इसे अवैध बताकर तोड़ा गया, जो जनता के साथ धोखा है। कांग्रेस का कहना है कि 7-8 करोड़ रुपए की लागत से बने यूथ हब को तोड़ने से 300 से 400 लोगों का रोजगार छिन गया। श्रीकुमार मेनन ने सवाल उठाया कि क्या मंत्री अरुण साव या विधायक राजेश मूणत इन लोगों को दोबारा रोजगार दिलाएंगे? साथ ही यह भी पूछा कि क्या किसी जनप्रतिनिधि ने तोड़ी गई दुकानों वाले लोगों की वर्तमान स्थिति जानने की कोशिश की?

कांग्रेस बोली- खर्च की भरपाई कौन करेगा?

कांग्रेस ने पूछा कि यूथ हब पर खर्च की गई करोड़ों रुपए की राशि की भरपाई कौन करेगा। स्मार्ट सिटी के अधिकारी, तत्कालीन सांसद सुनील सोनी, तत्कालीन विधायक बृजमोहन अग्रवाल, या कोई और? मेनन ने कहा कि जनता के टैक्स के पैसों से बने निर्माण को तोड़ने की अनुमति देना भी गंभीर मामला है।

नालंदा पार्ट-2 के स्थान पर सवाल

कांग्रेस ने नालंदा पार्ट-2 के निर्माण स्थल को लेकर भी सवाल उठाए। कहा गया कि जब नालंदा पार्ट-1 के पास पहले से खाली और तय स्थान मौजूद था, तो वहां निर्माण क्यों नहीं कराया गया? जीई रोड के किनारे निर्माण से ट्रैफिक और सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को न्योता क्यों दिया जा रहा है?

खुली बहस की चुनौती

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि अरुण साव और राजेश मूणत में नैतिक साहस है, तो वे इन सभी मुद्दों पर रायपुर की जनता और मीडिया के सामने सार्वजनिक बहस के लिए आएं। श्रीकुमार मेनन ने कहा कि सच सामने आएगा और जनता तय करेगी कि झूठ किसने फैलाया।

राजधानी में युवती ने की आत्महत्या : नरैया तालाब में पेड़ पर लटकी मिली लाश

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के नरैया तालाब में एक लड़की की पेड़ पर लटकी हुई लाश मिली है। सुबह गार्डन में टहलते लोगों ने देखा और इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। मामला कोतावाली थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि, मृतका की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष के बी आंकी जा रही है लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है और साथ ही सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल्स निकाली जा रही है। घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच भी कराई गई है। पुलिस आत्महत्या, हत्या अन्य कारण से मौत की आशंका को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं पर गहन जांच कर रही है।

सनातनी आपस में ही लड़ने में व्यस्त हैं : बाबा रामदेव

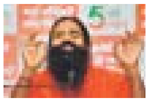

पणजी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ माघ मेले में हुए विवाद के बीच बाबा रामदेव ने कहा है कि सनातनी आपस में ही लड़ने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पहले से ही बहुत भारत विरोधी और सनातन विरोधी दुश्मन हैं और संतों को आपस में नहीं लड़ना चाहिए। गोवा में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे बाबा रामदेव ने मीडिया से बात करते हुए ये बात कही। बाबा रामदेव ने कहा, 'गायों को बचाना सभी हिंदुओं की साझा जिम्मेदारी है। गायों को सिर्फ नारेबाजी से नहीं बचाया जा सकता। सभी संतों को 5-10 हजार गायों को पालना चाहिए। गायों को तभी बचाया जा सकता है, जब हम उनकी देखभाल करें। पतंजलि पीठ एक लाख गायों की देखभाल कर रही है। शंकराचार्यों को भी अपने आश्रम में गायों की देखभाल करनी चाहिए। सनातनी आपस में ही लड़ने में व्यस्त हैं। हमारे पहले से ही भारत विरोध, सनातन विरोधी दुश्मन हैं। ये देश विरोधी तत्व पीएम मोदी और अमित शाह को नुकसान पहुंचाने के लिए सबकुछ कर रहे हैं। ऐसे में हमारे संतों को भी हमारे नेताओं के खिलाफ मन में नाराजगी नहीं रखनी चाहिए।' इससे पहले बाबा रामदेव शुक्रवार को प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में संगम में स्नान करने पहुंचे। वहां भी बाबा रामदेव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ माघ मेले में हुई बदसलूकी और शंकराचार्य के विरोध पर अपनी बात रखी।

विदेशों में छिपे 70 से ज्यादा भगोड़ों पर केंद्र सरकार कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली (ए.) पिछले एक साल में भारतीय जांच एजेंसियों को भगोड़ों के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत को वांछित 70 से ज्यादा अपराधियों और भगोड़ों को विदेशों में लोकेट कर लिया गया है। वहीं, इसी दौरान भारत में छिपे दूसरे देशों के 203 भगोड़ों का भी पता लगाया गया। केंद्र सरकार ने आंकड़ों को लेकर रिपोर्ट जारी की है। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024-25 के दौरान कुल 71 भगोड़ों की लोकेशन विदेशों में ट्रेस की गई। अधिकारियों का कहना है कि पिछले एक दशक में यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच कुल 74 'लैटर्स रोगेटरी' भेजे गए। इनमें से 54 सीबीआई के मामलों से जुड़े थे।

पेंडिंग मामलेः 31 मार्च 2025 तक कुल 533 ऐसे अनुरोध अलग-अलग देशों में लंबित हैं। इंटरपोल नोटिस का जालः भगोड़ों को पकड़ने के लिए सीबीआई ने अलग-अलग तरह के नोटिस जारी किए। इनमें 126 रेड नोटिस , 89 ब्लू नोटिस (जानकारी जुटाने के लिए), और लापता लोगों के लिए 24 येलो नोटिस शामिल हैं।

पासपोर्ट और नागरिकता पर सख्त नजर

सुरक्षा और छानबीन के मामले में रिपोर्ट में कुछ और अहम बातें कही गई हैं। चोरी या खोए हुए पासपोर्ट के डेटाबेस (SLTD) में अब तक 1,91,031 भारतीय पासपोर्टों की जानकारी दर्ज की जा चुकी है। पिछले साल ऐसे 30 मामले पकड़े गए जिनमें चोरी या रद्द किए गए पासपोर्ट का गलत इस्तेमाल करने की कोशिश की गई थी। सीबीआई ने इस दौरान भारतीय नागरिकता छोड़ने के 22,200 से अधिक आवेदनों की बारीकी से जांच की।

27 अपराधी लाए गए वापस

रिपोर्ट के अनुसार, विदेशों में छिपे भारतीय भगोड़ों को ना केवल ट्रेस कि या गया, बल्कि पिछले वित्तीय वर्ष में 27 भगोड़े विदेश से भारत वापस भी लाया गया है। भारत में इंटरपोल की नोडल एजेंसी के तौर पर काम करने वाली सीबीआई इन अपराधियों को वापस लाने के लिए गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के साथ तालमेल बिठाकर काम कर रही है।

किसी को भी हमें राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं

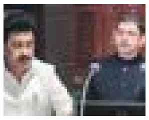

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दावा किया है कि राज्यपाल आरएन रवि विधानसभा के संयुक्त सत्र में कैबिनेट द्वारा मंजूर भाषण को न पढ़कर गवर्नर पद का अपमान कर रहे हैं। शनिवार को तमिलनाडु विधानसभा में सीएम स्टालिन ने राज्यपाल की आलोचना की। हाल ही में तमिलनाडु विधानसभा के संयुक्त सत्र की शुरुआत में राष्ट्रगान न बजाए जाने पर राज्यपाल सत्र को संबोधित किए बिना ही सदन से चले गए थे, जिसे लेकर खूब विवाद हुआ।

शनिवार को इस मुद्दे पर बोलते हुए सीएम स्टालिन ने कहा, 'राज्यपाल,सरकार के खिलाफकाम कर रहे हैं। वे बार-बार एक ही मुद्दे पर आपत्ति जताकर सदन से चले जाते हैं। मेरे मन में देश और राष्ट्रगान के प्रति गहरा सम्मान है। किसी को भी हमें राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है। विधानसभा सत्र की शुरुआत में तमिल थाई वझाथु गाने की परंपरा रही है और सत्र के अंत में राष्ट्रगान गाया जाता है।'

सीएम ने कहा, 'द्रवड़ियन मॉडल की सरकार की उपलब्धियों के चलते तमिलनाडु का सिर ऊंचा है। तमिलनाडु अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा विकसित हुआ है। इसका कारण हमारी योजनाएं हैं। एक के बाद एक उपलब्धियां हासिल करना डीएमके सरकार की पहचान है।'

छत्तीसगढ़ के शहरी पथ-विक्रेताओं को पीएम का न्यौता मिलना बड़ी बात : साव

साव ने आमंत्रण पर नई दिल्ली जा रहे पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों से वीडियो काल पर की बात

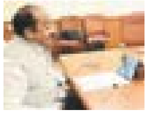

रायपुर। नई दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाले देश के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में इस वर्ष एक नई और ऐतिहासिक पहल के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के शहरी पथ-विक्रेता भी सहभागी बनेंगे। यह पहली बार है जब छत्तीसगढ़ राज्य के शहरी पथ-विक्रेताओं को इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र के नाम अपने संदेश में देशभर के पथ-विक्रेता भाई-बहनों को संबोधित करेंगे। उप मुख्यमंत्री-सह-नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरूण साव ने आज नगर पालिका परिषद मुंगेली के पथ-विक्रेता श्री बाबूलाल बुनकर और नगर पालिका परिषद लोरमी के शहरी पथ-विक्रेता श्री सोना कुमार कैवर्त्य से वीडियो कॉल पर बात की। इस दौरान दोनों से उनके कार्यों की चर्चा कर 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मिलित होने पर बधाई दी। दोनों पथ-विक्रेता प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत लाभान्वित हैं तथा अपने-अपने क्षेत्रों में ईमानदारी एवं परिश्रम से आजीविका अर्जित कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने दोनों पथ-विक्रेताओं से वीडियो काल से चर्चा कर इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अवसर छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी है। वर्षों से देश की शहरी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे पथ-विक्रेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान एवं पहचान दिलाने की दिशा में यह एक सार्थक कदम है। गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व में उनकी भागीदारी सामाजिक समावेशन, आत्मनिर्भर भारत और समावेशी विकास की भावना को सशक्त रूप से दर्शाती है। छत्तीसगढ़ के पथ-विक्रेताओं को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं लोटस टेंपल (कमल मंदिर) का भ्रमण भी कराया जाएगा। यह भ्रमण उनके लिए न केवल ज्ञानवर्धक होगा, बल्कि देश की लोकतांत्रिक परंपराओं, सांस्कृतिक विविधता एवं राष्ट्रीय मूल्यों को और अधिक गहराई से समझने का अवसर भी प्रदान करेगा।

कभी नहीं छोड़ा पार्टी का रुख : थरूर

कोझिकोड (केरल)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में कभी भी पार्टी के रुख का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर थी। थरूर केरल लिटरेचर फेस्टिवल में आयोजित एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने सख्त रुख अपनाया था और वह इस अब भी बिना किसी पछतावे के इस रुख पर कायम हैं।

उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। इन अटकलों में यह भी शामिल है कि कोच्चि में हुए एक हालिया कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से उन्हें पर्याप्त महत्व न दिए जाने और राज्य के नेताओं की ओर से कई बार उन्हें किनारे लगाने की कोशिशों से वे नाराज हैं। अपने रुख को स्पष्ट करते हुए थरूर ने कहा कि एक पर्यवेक्षक और लेखक के रूप में उन्होंने पहलगाम की घटना के बाद एक अखबार में लेख लिखा था। उस लेख में उन्होंने कहा था कि बिना सजा दिए इस मामले को नहीं छोड़ा जाना चाहिए और इसके जवाब में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कार्रवाई हो, तो वह केवल आतंकवादी ठिकानों तक ही सीमित रहनी चाहिए।थरूर के मुताबिक, उन्हें हैरानी हुई कि भारत सरकार ने वही कदम उठाए, जिनकी उन्होंने सिफारिश की थी।

अमेरिका में आने वाली है बर्फ की 'सुनामी', 15 राज्यों के 18 करोड़ लोग फंसे

भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका में भी मौसम तेजी से बदल रहा है. भारत में पहाड़ी इलाकों में जबरदस्त बर्फबारी हो रही है, वहीं अमेरिका भी बर्फीले तूफान की चपेट में आ गया है. शुक्रवार से ही अमेरिका में बर्फीली हवाएं चल रही हैं और बर्फबारी हो रही है. मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि बर्फीला तूफान जल्द ही पूरे अमेरिका को अपनी चपेट में ले सकता है।

भावनात्मक ठप्पेबाजी बंद करे, तथ्यों और कानून के आधार पर करे निर्णय

नई दिल्ली। रूढ़िवाद या विधर्म के मानदंड कभी भी राजनीतिक निकटता या सांसारिक हितों पर आधारित नहीं होने चाहिए। वे केवल और केवल पवित्र शास्त्रों पर आधारित होने चाहिए। दो हज़ार वर्ष पहले, यीशु मसीह को विधर्मी ठहराया गया और उस समय की धार्मिक व्यवस्था द्वारा सताया गया। फिर भी इतिहास ने यीशु को विश्वास की आधारशिला के रूप में प्रमाणित किया।

भावनात्मक ठप्पेबाज़ी बंद करे और निर्णय तथ्यों और कानून के आधार पर होना चाहिए। यीशु की कलीसिया के सदस्य शिनचोनजी ने सवाल करते हुए कहा कि आज किसी धार्मिक समुदाय को केवल उसके अनुयायियों की संख्या या प्रतिद्वंद्वी पास्टरों के दावों के आधार पर, बाइबल की सामग्री के बजाय, विधर्मी कहना क्या उचित है? शिनचोनजी ने इस गंभीर मुद्दे पर एक पारदर्शी समाधान का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि इन धर्मशास्त्रीय विवादों को भावनाओं या राजनीतिक दबाव के बजाय पवित्र शास्त्र पर आधारित एक खुले, सार्वजनिक बाइबल परीक्षण के माध्यम से सुलझाएं। शिनचोनजी ने कहा कि यीशु की कलीसिया ने कभी भी स्वयं को अचूक होने का दावा नहीं किया है। यदि वास्तव में कोई सिद्धांतगत या सामाजिक त्रुटियां हैं, तो हम आग्रह करते हैं कि उन्हें स्पष्ट और विशिष्ट रूप से प्रस्तुत किया जाए।

कालनेमि की बात करने वालों का काल बनकर आएगा कालनेमि : अखिलेश

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा भाजपा की कंपनी को वोटर लिस्ट का काम आउटसोर्स किया गया है। तंज कसा कि जारी की गई वोटर लिस्ट में 'भगवानदास के घर में मोहम्मद अफ़्ज़ल' है। वोटर लिस्ट सेकुलर हो रही है। लगता है बीजेपीवालों ने जानबूझकर मजाक किया है। सपा मुखिया शनिवार को समाजवादी पार्टी के मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2022 के बाई इलेक्शन में पूरा का पूरा बूथ लूटा गया। पुलिस ने अपने कपड़े बदलकर वोट डाले। SIR में बार-बार समय बढ़ाया गया। इसका मतलब सरकार इसके लिए तैयार नहीं थी। सीएम योगी के कालनेमि के बयान पर सपा मुखिया ने कहा कि कालनेमि को याद करने वाले बताएं कि कलयुग के कालनेमि कौन हैं। कालनेमि ही इनका काल बनकर आएगा। केजीएमयू से मजार हटाने के सवाल पर कहा कि सरकार को केजीएमयू भी हटवा देना चाहिए, क्योंकि इसे क्रिश्चियन ने बनाया था।

3 करोड़ से अधिक लोगों को नोटिस दिया जा रहा

उन्होंने कहा कि जिन्हें नोटिस दिया जा रहा है, उसकी जानकारी चुनाव आयोग पॉलिटिकल पार्टीज को क्यों नहीं दे रहा है? चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है। वह सरकार से मिला हुआ है। अधिकारी सरकार से मिलकर गड़बड़ कर रहे हैं। पहले कहा गया था कि मैपिंग मतदाताओं को नोटिस नहीं दिया जाएगा। अब 3 करोड़ से अधिक लोगों को नोटिस दिया जा रहा है।

न्यायालय तहसीलदार धमधा, जिला-दुर्ग

रा.प्र.क्र.- 202601100800021/अ-74/वर्ष 2025-2026

ग्राम बसनी / प.ह.नं.- 12,

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं, कि आवेदक दिनेश सिंह ठाकुर पिता मोहन सिंह ठाकुर निवासी बसनी, तहसील धमधा, जिला-दुर्ग के द्वारा द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्राप्त करने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, की मौजा ग्राम बसनी, प.ह.नं. 12 स्थित भूमि खसरा नंबर 74/1, 671/2, 715, 716, 719, 780 कुल खसरा 06 कुल रकबा 2.21 हे. भूमि दिनेश सिंह पिता मोहन सिंह के नाम पर राजस्व अभिलेख पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है। किन्तु उक्त भूमि की मूल ऋण पुस्तिका आवेदक से कहीं गुम हो गया है, जिसे बहुत खोजबीन बाद भी नहीं मिल रहा है. आवेदक द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र के साथ एवं खाते की नकल, शपथ पत्र, पुलिस हस्तक्षेप आयोग्य अपराध की सूचना, आनापत्ति/नोड्यूड प्रमाण पत्र एवं चालान की मूल प्रति पेश कर उक्त भूमि का डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका प्रदान करने का निवेदन किया गया है। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त प्रश्नाधीन वाद भूमि के संबंध में यदि जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/समिति को कोई दावा/आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी पेशी दिनांक 28/01/2026 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 09/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 09/01/2026

आगामी पेशी दिनांक- 28/01/2026

मुहर

तहसीलदार
धमधा

न्यूज गैलरी

बोलेरो को मारी टक्कर, दो लोगों की मौके पर मौत, 12 हुए घायल

कांकेर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एनएच-30 पर रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां देर रात पालिटेक्निक कॉलेज के पास स्कॉर्पियो और बोलेरों के बीच हुई भीषण आमने-सामने की टक्कर ने इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। इस दर्दनाक हादसे में मौके पर ही दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। मिली जानकारी के अनुसार, बोलेरो को टक्कर मारने वाली स्कॉर्पियो से अवैध शराब की तस्करी की जा रही थी। स्कॉर्पियो से एक लाख की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। टक्कर मारने के बाद चालक फरार हो गया था। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। घायलों को तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद कुछ देर तक हाईवे पर यातायात भी बाधित रहा। यह पूरी घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। फिलहाल, पुलिस इस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

विकास कार्यों की चमक कागजों पर नहीं धरातल पर दिखे: प्रसन्ना

सुकमा/नवप्रदेश। केंद्रीय गृह विभाग के संयुक्त सचिव एवं सुकमा जिले के केंद्रीय प्रभारी सचिव आर. प्रसन्ना की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले के सर्वांगीण विकास, नीति आयोग के संकेतकों और शासन की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर कलेक्टर अमित कुमार भी उपस्थित थे। बैठक में जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर ने जिले की प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि सुकमा जिला वर्तमान में नवाचार के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि जिले में इमली प्रसंस्करण, झींगा उत्पादन, छिंद गुड़ निर्माण और लखपति दीदी योजना जैसी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। साथ ही, पीएम आवास योजना और नक्सल पुनर्वास नीति के तहत किए जा रहे कार्यों ने जिले की सामाजिक-आर्थिक तस्वीर बदली है। समीक्षा के दौरान केंद्रीय सचिव श्री आर. प्रसन्ना ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रशासन की कार्यप्रणाली ऐसी हो जिससे विकास कार्यों का प्रत्यक्ष लाभ आम जनता को मिले। उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल दस्तावेजों तक सीमित न रहकर फील्ड में भी दिखाई देने चाहिए।

कोयला से लदा ट्रेलर सड़क पर पलटा पिकअप सवार चार लोग बाल-बाल बचे

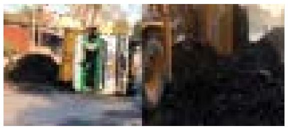

कोरबा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में कोयले से भरी ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। पटलते ही सड़क किनारे खड़ी पिकअप वाहन में कोयला जा गिरा। इस हादसे में पिकअप वाहन में सवार चार लोग बाल-बाल बच गए। घटना के बाद राहगीरों लम्बी भारी भीड़ लग गई। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जेसबी की मदद से कोयला को हटाया जा रहा है। मामला कटघोरा थाना के छिर्रा न्यायालय के पास हुआ है। वहीं इस घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। इधर, कांकेर जिले में हा-30 पर रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां देर रात पालिटेक्निक कॉलेज के पास स्कॉर्पियो और बोलेरों के बीच हुई भीषण आमने-सामने की टक्कर ने इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। इस दर्दनाक हादसे में मौके पर ही दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। मिली जानकारी के अनुसार, बोलेरो को टक्कर मारने वाली स्कॉर्पियो से अवैध शराब की तस्करी की जा रही थी। स्कॉर्पियो से एक लाख की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। टक्कर मारने के बाद चालक फरार हो गया था।

दूसरे राज्य से पहुंचे दो साधु, तंत्र-मंत्र के शक में ग्रामीणों ने की धुनाई

सूरजपुर/नवप्रदेश। सूरजपुर जिले के देवनगर गांव में तंत्र-मंत्र आशंका को लेकर अफरा-तफरी मच गई। जब दूसरे राज्य से आए दो साधुओं के साथ ग्रामीणों ने जमकर मारपीट कर दी। साधुओं ने एक ग्रामीण का हाथ देखने के दौरान उसके अचानक बेहोश हो जाने से ग्रामीणों में डर और गुस्सा फ़ैल गया। जिसके बाद मामला हिंसक हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, देवनगर गांव में बाइक से पहुंचे दो साधु गांव के एक एक व्यक्ति का हाथ देखने लगे। इसी दौरान वह व्यक्ति अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। यह देखकर आसपास मौजूद लोगों में तंत्र-मंत्र किए जाने की आशंका फैल गई। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और गुस्साए लोगों ने दोनों साधुओं की जमकर धुनाई कर दी। करीब एक घंटे तक गांव में हंगामा चलता रहा। बाद में किसी तरह समझाइश के बाद ग्रामीणों ने दोनों साधुओं को छोड़ दिया। मौके का फायदा उठाकर दोनों साधु अपनी बाइक में बैठकर गांव से फरार हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल रहा।

ड्रोन से होगी रेत-पत्थर और खनन की निगरानी, सूचना मिलते ही एक्टिव होगी टीम

अवैध खनन को रोकने राज्य शासन की नई योजना, दिन-रात निगरानी, नवा रायपुर में बनेगा कंट्रोल रूम

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रहे अवैध उत्खनन पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार नया प्लान तैयार कर रही है। इस प्लान के तहत दिन हो या फिर रात का समय, ड्रोन कैमरों के माध्यम से रेत, पत्थर सहित अन्य खनिज खदानों पर न केवल नजर रखी जाएगी, बल्कि शिकायत या सूचना मिलने पर संबंधित खदानों का ड्रोन के माध्यम से निरीक्षण भी किया जाएगा।

इस काम के लिए छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम (सीएमडीसी) द्वारा भारत सरकार की डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) के माध्यम से एजेंसियों से अनुबंध भी किया जाएगा। ये एजेंसियां ही ड्रोन कैमरों के माध्यम से खदानों का निरीक्षण करेंगी और कहीं भी अवैध उत्खनन पाए जाने पर इसकी तत्काल सूचना कंट्रोल रूम में देंगी। इधर सूचना मिलते ही खनिज विभाग भी तत्काल एक टीम को एक्टिव करेगा, जो दूरी के अनुसार कम से कम समय में मौके पर पहुंचकर खदान में चल रहे अवैध उत्खनन करने वालों पर कार्रवाई करेगी।

रात के समय में ज्यादा होता है अवैध खनन

5छत्तीसगढ़ के कई जिलों में रेत, पत्थर, फर्शी, मुरुम आदि खदानों में खनिज और पर्यावरण विभाग की स्वीकृति के बिना अवैध रूप से उत्खनन किया जा रहा है। अवैध उत्खनन का कार्य दिन की तुलना में रात में ज्यादा हो रहा है। इसकी लगातार शिकायतें भी विभाग से लेकर जिला प्रशासन तक पहुंचती रहती हैं। इनमें से कई शिकायतों पर कार्रवाई भी की जाती है, लेकिन ज्यादातर प्रकरणों में मशीनें और गाड़ियां ही पकड़ी जाती हैं, जबकि उत्खनन करने वाले टीम के पहुंचने से पहले फरार हो जाते हैं। इस कारण उनकी न ही गिरफ्तारी हो पाती है और न ही कार्रवाई। इसका फायदा लगातार माफिया उठाते हैं, जो खदानों में कार्रवाई के कुछ हफ्तों बाद फिर सक्रिय होकर अवैध खनन कराना शुरू करा देते हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए अब खनिज विभाग ड्रोन कैमरों से खदानों पर नजर रखने के साथ शिकायत या सूचना पर खदानों का निरीक्षण कर अवैध उत्खनन करने वालों पर कार्रवाई

नई योजना लाई जा रही

रेत, पत्थर सहित अन्य खदानों पर अवैध उत्खनन पर अंकुश लगाने के लिए नई योजना लाई जा रही है। ड्रोन कैमरों के माध्यम खदानों पर निगरानी रखी जाएगी। इससे दोषियों पर कार्रवाई होगी। ड्रोन कैमरों से खदानों पर नजर रखने के लिए डीजीसीए के अधीन संचालित एजेंसियों से अनुबंध किया जाएगा।

– रजत बंसल, संचालक, भूतत्व एवं खनिकर्म

5 खरीदी केंद्रों के 9 कर्मचारी सस्पेंड, सेवा से पृथक करने के निर्देश, सभी पर FIR

धान खरीदी घोटाला: 200 प्रतिशत से 1116 प्रतिशत तक की गई ओवरलोडिंग

मुंगेली/नवप्रदेश। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान खरीदी में सामने आई भारी अनियमितताओं के मामले में कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देश पर सख्त कार्रवाई की गई है। आईसीसीसी मार्कफेड रायपुर की रिपोर्ट में जिले के विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों पर 200 से 1116 प्रतिशत तक धान ओवरलोडिंग पाए जाने के बाद 5 केंद्रों के 9 कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। साथ ही सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है।

कलेक्टर के निर्देश पर गठित संयुक्त जांच टीम की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि संबंधित खरीदी प्रभारी एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों ने जानबूझकर शासन के निर्देशों की अनदेखी करते हुए षड्यंत्रपूर्वक अनधिकृत वाहनों के माध्यम से मिलरों को धान की आपूर्ति की, जिससे शासन को गंभीर आर्थिक क्षति पहुंची। हितेश कुमार श्रीवास सहायक आयुक्त सहकारिता एवं सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला मुंगेली की ओर से जारी आदेश के अनुसार 5 धान उपार्जन केंद्रों के कुल 9 कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर सेवा से पृथक करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

मुंगेली कलेक्टर ने कराई थी जांच

सभी मामलों में निलंबन एवं सेवा से पृथक करने की कार्रवाई सहायक आयुक्त सहकारिता एवं सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला मुंगेली द्वारा संबंधित समितियों के प्रबंधक/प्राधिकृत अधिकारियों को निर्देशित कर कराई गई है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, बिलासपुर (छ.ग.) के नोडल कार्यालय, जिला मुंगेली द्वारा जारी पत्रों के माध्यम से सभी संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे, जिस पर एफआईआर दर्ज किया गया है। यह आदेश कलेक्टर मुंगेली की ओर से कराई गई संयुक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर जारी किया गया है।

इन कर्मियों को किया निलंबित

- **फंदवानी समिति :** संतोष साहू - खरीदी प्रभारी, श्रीधर परिहार - कंप्यूटर ऑपरेटर
- **निरजाम समिति :** श्रीराम सिंह ठाकुर - खरीदी प्रभारी, रामस्वरूप साहू - कंप्यूटर ऑपरेटर
- **नवागांव घुटेरा समिति :** विकास पांडेय - समिति प्रबंधक, अनिल जांगड़े - कंप्यूटर ऑपरेटर
- **तरवरपुर समिति :** गैदलाल (गेंदलाल) साहू - खरीदी प्रभारी
- **सिंघनपुरी समिति :** मुरारी साहू-खरीदी प्रभारी, खोरबहरा साहू - कंप्यूटर ऑपरेटर

भूपेश के स्वागत में हुड़दंग पड़ा भारी पुलिस ने जब्त की 8 लग्जरी गाड़ियां

अंबिकापुर/नवप्रदेश। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के स्वागत कार्यक्रम के बाद शहर में हुड़दंग और स्टंट करने वाले युवकों के विरुद्ध पुलिस ने कार्रवाई शुरू की है। पुलिस ने चारपहिया वाहनों की खिड़कियों से लटककर स्टंट करने के मामले में आठ लग्जरी वाहन जब्त किए हैं। इनमें तीन इनोवा, चार स्कॉर्पियो और एक अर्टिगा शामिल है।

वाहन चालकों के लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। स्टंटबाजी में शामिल अन्य वाहनों की तलाश जारी है। स्टंटबाजी का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित है।

कब का है मामला: घटना 23 जनवरी की शाम की है, जब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल श्रीमद्भागवत कथा में शामिल होने अंबिकापुर पहुंचे थे। उनके स्वागत में वाहनों का काफिला गांधी चौक पहुंचा था। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से 15 से अधिक चारपहिया वाहनों में सवार युवक गांधी चौक पहुंचे थे।

वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल की: स्वागत कार्यक्रम के बाद युवक चारपहिया वाहनों से गांधी चौक, आकाशवाणी चौक, चोपड़ापारा, चौपाटी और नगर निगम कार्यालय क्षेत्र से होकर स्टंट करते हुए निकले। इस दौरान वाहन चालकों ने शीशे खोलकर खिड़कियों पर बैठकर शोर-शराबा किया और मोबाइल से रील बनाई। स्थानीय लोगों ने स्टंटबाजी के वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर साझा किए और मौखिक रूप से पुलिस को सूचना दी। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने शहर के चौक-चौराहों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। प्रसारित वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर नंबरों की पहचान कर आठ वाहनों को जब्त किया गया है। कुछ अन्य वाहनों की तलाश अभी जारी है। प्रकरण में वाहन चालकों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 125, 281, 285, 3(5) तथा मोटरयान अधिनियम की धारा 184 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

मंत्री नेताम के खिलाफ बड़े आंदोलन की तैयारी में आकांक्षा टोप्पो, निकालेंगी 220 किमी लंबी रैली

अंबिकापुर/नवप्रदेश। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आकांक्षा टोप्पो एक बार फिर चर्चाओं में आ गई हैं। इंफ्लुएंसर आकांक्षा टोप्पो ने कृषि मंत्री रामविचार नेताम के खिलाफ बड़ा आंदोलन करने की तैयारी की है। आकांक्षा अंबिकापुर से बिलासपुर तक करीब 220 किमी रैली निकालने वाली हैं। इस रैली के जरिए वह कृषि मंत्री रामविचार नेताम के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर करने जाएंगी।चर्चित सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आकांक्षा टोप्पो ने कृषि मंत्री रामविचार नेताम के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर करने की तैयारी की है। इसके लिए वह अंबिकापुर से बिलासपुर तक करीब 220 किमी रैली निकालकर हाई कोर्ट पहुंचेंगी। प्रदेश में धान खरीदी में घोटाले और किसानों को केसीसी लोन जारी करने के मामले में हुई गड़बड़ी को लेकर याचिका दायर की जाएगी। इसके अलावा हाई कोर्ट में जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए भी याचिका दायर करने की बात सामने आई है। इस आंदोलन को लेकर इंफ्लुएंसर आकांक्षा टोप्पो ने कहा कि उन्हें युवाओं का साथ मिल रहा है।

सोशल मीडिया पर जारी किया वीडियो: इंफ्लुएंसर आकांक्षा टोप्पो ने इस आंदोलन और रैली को लेकर जानकारी देते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में आकांक्षा ने याचिका दायर करने और रैली निकालने की बात कही है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जारी किए गए वीडियो में ही आकांक्षा ने दावा किया है कि उन्हें युवाओं का साथ मिल रहा है।

आकांक्षा ने जताई गिरफ्तारी की आशंका: इस वीडियो में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आकांक्षा टोप्पो ने आंदोलन और रैली को लेकर अपनी गिरफ्तारी की आशंका भी जताई है। आकांक्षा ने कहा कि अगर गिरफ्तारी होती है तब भी यह रैली निकलेगी। बता दें कि सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आकांक्षा टोप्पो अपने बयानों को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। हाल ही में कृषि मंत्री रामविचार नेताम के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

गैर चर्चित ब्रांड्स की शराब नहीं बेच पाए कंसल्टेंसी एजेंसी पर 80 लाख का जुर्माना

- **सैल्समैन और कर्मचारियों से हो रही वसूली, सैलरी काटगर होगी नुकसान की भरपाई**

रायपुर/नवप्रदेश। शराब दुकान में गैर चर्चित या नये ब्रांड्स के शराब की बिक्री नहीं कर पाने पर आबकारी मुख्यालय ने वीआईएस कंसल्टेंसी एजेंसी के खिलाफ 80 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

कंपनी जुर्माना राशि शराब दुकान में काम करने वाले सुपरवाइजर से लेकर सेल्समैन की सैलेरी से काटकर नुकसान की भरपाई कर रही है। शराब दुकान में काम करने वाले कर्मियों से बात करने पर बताया कि, कंपनी ने उन्हें नुकसान की भरपाई करने नवंबर से लेकर दिसंबर तक सैलेरी में कटौती करने की चेतावनी दी है। साथ ही जो सैलेरी नहीं कटवाना चाहते, उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी है।

आबकारी विभाग के अफसरों के अनुसार संबंधित कंसल्टेंसी एजेंसी को जितनी मात्रा में शराब बिक्री करने लक्ष्य दिया गया था, उस लक्ष्य के अनुसार संबंधित एजेंसी शराब बिक्री नहीं कर पाई। इसके चलते कंपनी के खिलाफ 80 लाख रुपए का जुर्माना किया गया है। अलग-अलग शराब दुकान के कर्मियों से बात करने पर उन लोगों ने बताया कि ग्राहकों की मांग के अनुरूप ब्रांड भेजने की वे डिमांड करते हैं। इसके विपरीत उन्हें उन ब्रांड की शराब आपूर्ति करने के बजाय ऐसे ब्रांड जिसे लोग जानते तक नहीं, उस ब्रांड की शराब आपूर्ति करते हैं। इसके चलते दुकान में शराब की बिक्री कम हो रही है।

जिले में 77 अंग्रेजी शराब दुकान संचालित हैं। इस हिसाब के हर शराब दुकान में एक सुपरवाइजर के हिसाब से 77 सुपरवाइजर हुए। सेल्समैन की संख्या पांच से छह है। इस तरह से सेल्समैन की संख्या साढ़े चार सौ से ज्यादा हुई। बताया जा रहा है, नवंबर में शराब आपूर्ति करने वाली कंसल्टेंट कंपनी ने अपने कर्मचारियों के 40 लाख रुपए से ज्यादा के वेतन में कटौती की है। इसके साथ ही दिसंबर में 41 लाख रुपए से ज्यादा की वेतन में कटौती की है। सेल्समैन की सैलेरी 25 तथा सुपरवाइजर की सैलरी 36 हजार रुपए है।

योजना धरसींवा क्षेत्र और बिरगांव के लोगों को आना नहीं पड़ेगा रायपुर शहर, समय की बचत होगी

5 नए मॉडल रजिस्ट्री दफ्तर खुलेंगे, रायपुर में तीन और धरसीवां-बीरगांव में एक-एक

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रॉपर्टी की बढ़ती रजिस्ट्रियों के कारण कलेक्टोरेट स्थित पंजीयन कार्यालय में होने वाली भीड़ कम करने तथा लोगों को सुविधा देने के लिए शहर में 3 नए माडल रजिस्ट्री कार्यालय खोले जाएंगे। इसके अलावा 1 धरसींवा और 1 बिरगांव नगर निगम क्षेत्र में भी रजिस्ट्री दफ्तर खुलेगा। इस तरह जिले में कुल 5 नए मॉडल रजिस्ट्री कार्यालय खोले जाएंगे। इधर बजट में शामिल किए जाने के बाद इन नए रजिस्ट्री कार्यालयों के लिए जिला पंजीयन विभाग ने भवन तलाशना भी शुरू कर दिया है। धरसींवा और बिरगांव वासियों को अभी तक रजिस्ट्री कराने के लिए शहर आना पड़ता था, लेकिन इन क्षेत्रों में रजिस्ट्री कार्यालय खुलने से लोगों को भारी राहत मिलेगी। इन दोनों क्षेत्रों के लोगों को भी रजिस्ट्री कराने के लिए लंबा सफर तय करना पड़ता था, साथ ही भीड़ होने के कारण रजिस्ट्री कार्यालय में भी कई घंटे बैठना पड़ता था। यही नहीं, दूरी के कारण इन क्षेत्रों के लोगों को रजिस्ट्री कराने के लिए एक-दो घंटे पहले ही रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचना पड़ता था, लेकिन क्षेत्र में रजिस्ट्री कार्यालय खुलने से धरसींवा और बिरगांव वासियों को शहर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे कई घंटों के समय की बचत होगी।

कमल विहार, सड्डू, टाटीबंध में खुलेंगे नए कार्यालय: रायपुर नगर निगम क्षेत्र में नए मॉडल रजिस्ट्री कार्यालय के लिए कमल विहार, सड्डू और टाटीबंध क्षेत्र को चुना गया है। रायपुर कलेक्टोरेट के पंजीयन कार्यालय से ये तीनों क्षेत्र लगभग 7-8 किलोमीटर की दूरी पर है। इन क्षेत्रों को इसलिए चुना गया है कि इन क्षेत्रों के साथ इससे लगे हुए आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी रजिस्ट्री कराने के लिए लंबा सफर तय करना नहीं पड़े। अभी तक इन सभी क्षेत्रों के लोग रजिस्ट्री कराने के लिए कलेक्टोरेट रजिस्ट्री कार्यालय ही आना पड़ता है। इन क्षेत्रों में नए रजिस्ट्री कार्यालय खुलने से लोगों का न केवल समय बचेगा, बल्कि भीड़ से भी राहत मिलेगी।

प्राथमिकता में सरकारी भवन, नहीं मिले तो किराए पर लेंगे

पंजीयन विभाग के अधिकारियों के अनुसार नए रजिस्ट्री कार्यालयों के लिए क्षेत्र का चयन कर लिया गया है। इन क्षेत्रों में कार्यालय खोलने के लिए भवनों की तलाश भी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिकता सरकारी भवन की है, लेकिन अगर किसी क्षेत्र में सरकारी भवन खाली नहीं मिला, तो किराए के भवन में रजिस्ट्री कार्यालय संचालित किया जाएगा।

5 नए रजिस्ट्री कार्यालय खुलेंगे: जिले में 5 नए रजिस्ट्री कार्यालय खोला जाना प्रस्तावित है। इनमें 3 रायपुर शहर में और 1-1 धरसीवा-बिरगांव में खोले जाने है। कार्यालय खोलने के लिए शासकीय भवनों की तलाश की जारी है। अगर कहीं नहीं मिला तो किराए के भवन में कार्यालय खोला जाएगा।

– विनोज कोचे, पंजीयक, पंजीयन विभाग रायपुर

झलकियां

राजनीति के बढ़ते कवरेज को वरिष्ठ पत्रकारों ने बताया सकारात्मक संकेत, मीडिया आयोग की उठी मांग

राष्ट्रीय मीडिया की बहसों पर रायपुर साहित्य उत्सव में मंथन

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर साहित्य उत्सव के दूसरे दिन आज लाला जगदलपुरी मंडप में आयोजित परिचर्चा 'राष्ट्रीय मीडिया में बहस के मुद्दे' ने मीडिया की मौजूदा दिशा, चुनौतियों और संभावनाओं पर गंभीर विमर्श को मंच दिया। सूत्रधार श्री वरुण सखा के सवालों के जवाबों के रूप में वरिष्ठ पत्रकारों और मीडिया विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय मीडिया की भूमिका, उसकी प्राथमिकताओं और भविष्य की जरूरतों पर खुलकर बात रखी। यह सत्र छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय श्री रमेश नैयर को समर्पित था।

परिचर्चा में वरिष्ठ पत्रकार श्री अनिल पाण्डेय ने कहा कि राजनीति का मीडिया के केंद्र में आना एक सकारात्मक संकेत है। पिछले एक दशक में खबरों के ट्रेंड में बड़ा बदलाव आया है, जहां कभी बॉलीवुड और सिनेमा की खबरें हावी रहती थीं, वहीं अब राजनीति प्रमुख विषय बन रही है। उन्होंने सरकार से प्रेस आयोग या मीडिया आयोग के गठन की मांग करते हुए कहा कि समय के अनुरूप नीतियां और नियमन बनेंगे तो पत्रकारों के हितों की रक्षा संभव होगी। ट्रेड यूनियनों, पत्रकार संगठनों, मीडिया मालिकों और संपादकों के साथ संवाद से मीडिया का माहौल बेहतर हो सकता है। उन्होंने कहा कि आज टीवी चैनलों के प्राइम टाइम डिबेट के विषय सोशल मीडिया तय कर रहा है। उन्होंने पत्रकारों के संवेदनशील और अध्ययनशील होने के साथ ही मुद्दों को समझने के लिए उनके समुचित प्रशिक्षण पर भी जोर दिया। वरिष्ठ पत्रकार श्री अखिलेश शर्मा ने छत्तीसगढ़ के संदर्भ में राष्ट्रीय मीडिया की भूमिका पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद से जुड़ी घटनाओं को तो राष्ट्रीय मीडिया में प्रमुखता मिलती है, लेकिन नक्सल मोर्चे पर हो रहे सकारात्मक बदलावों और विकास कार्यों को अपेक्षित स्थान नहीं मिल पाता।

'आज की हिंदी कहानियाँ' विषय पर पैनल चर्चा

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर साहित्य महोत्सव के अंतर्गत आज पुरखौती मुक्तांगन, रायपुर स्थित लाला जगदलपुरी मंडप में 'आज की हिंदी कहानियाँ' विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। यह सत्र महोत्सव के दूसरे दिन मंडप में आयोजित दूसरा सत्र था। इस पैनल चर्चा में प्रख्यात साहित्यकार श्री परदेशी राम वर्मा, वरिष्ठ लेखिका सुश्री जयश्री राय, प्रसिद्ध लेखक श्री सतीश जायसवाल तथा साहित्य विदुषी डॉ. अंशु जोशी ने सहभागिता की। चर्चा के दौरान वक्ताओं ने समकालीन हिंदी कहानी के स्वरूप, विषयगत परिवर्तन, शिल्पगत प्रयोगों तथा समाज के बदलते यथार्थ को अभिव्यक्त करने में साहित्य की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। पैनलिस्टों ने आज की हिंदी कहानी में उभरती सामाजिक चेतना, संवेदनशीलता और नए कथ्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित साहित्यप्रेमियों, विद्यार्थियों एवं पाठकों के साथ संवाद भी हुआ, जिससे कार्यक्रम और अधिक सार्थक एवं विचारोत्तेजक बन सका।

लोकगीतों में बसती है छत्तीसगढ़ की आत्मा

लाला जगदलपुरी मंडप में लोकगीतों का जीवंत विमर्श

रायपुर /नवप्रदेश। रायपुर साहित्य उत्सव 2026 के दूसरे दिन लाला जगदलपुरी मंडप में आयोजित परिचर्चा 'छत्तीसगढ़ के लोक गीत' प्रदेश की लोक-संस्कृति, भाषा और जनजीवन के गहन संवाद का सशक्त मंच बनी। परिचर्चा में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि लोकगीत छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक स्मृति और जीवन-दृष्टि की आत्मा हैं।

लोक संवेदना से समृद्ध होता है आधुनिक लेखन : शकुंतला तरार

वरिष्ठ कवयित्री एवं स्वतंत्र पत्रकार श्रीमती शकुंतला तरार ने कहा कि लोकगीतों की भावनात्मक गहराई आधुनिक साहित्यिक विधाओं को निरंतर समृद्ध करती है। उन्होंने हाइकू रचना में लोक चेतना के प्रयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि लोक संवेदना पीढ़ी दर पीढ़ी विकसित होती रहती है। बस्तर पंडुम जैसे उत्सव आदिवासी समाज की विविधता, सौंदर्य और अभिव्यक्ति के सशक्त माध्यम हैं, जिनसे लोकजीवन की सच्ची तस्वीर सामने आती है।

भाषा-विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध हैं लोकगीत : डॉ. विनय कुमार पाठक

हिंदी एवं भाषा विज्ञान में पीएचडी और डी.लिट. की दोहरी उपाधि प्राप्त डॉ. विनय कुमार पाठक ने कहा कि छत्तीसगढ़ी लोकगीतों में ध्वनि, लय और अर्थ का अद्भुत संतुलन है, जो इन्हें भाषायी दृष्टि से विशिष्ट बनाता है। उन्होंने कहा कि लोकगीत प्रकृति के अत्यंत निकट होते हैं और इसी निकटता के माध्यम से लोकजीवन अपनी बात सहज रूप में अभिव्यक्त करता है।

लोककथा और लोकगीत एक-दूसरे के पूरक : डॉ. बिहारी लाल साहू

कहानीकार डॉ. बिहारी लाल साहू ने कहा कि लोकगीत और लोककथाएँ समाज की आत्मा को अभिव्यक्त करने के दो सशक्त माध्यम हैं। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं और लोक साहित्य की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाते हैं।

लोक साहित्य जन-जीवन की गहरी अनुभूतियों से उपजा समृद्ध साहित्य

रायपुर साहित्य उत्सवः दूसरे दिन लोकगीतों पर हुई जीवंत परिचर्चा

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर साहित्य उत्सव के दूसरे दिन प्रथम सत्र में लाला जगदलपुरी मंडप में छत्तीसगढ़ के लोकगीतों पर परिचर्चा आयोजित हुई। इसमें डॉ. पीसी लाल यादव, श्रीमती शकुंतला तरार, श्री बिहारीलाल साहू और डॉ. विनय कुमार पाठक विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए तथा अपने विचार रखें।

डॉ. पीसी लाल यादव ने कहा कि वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ के लोकगीत मानवता के पक्षधर हैं, जो हमें रास्ता दिखाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकगीतों को गर्व से संजोकर रखने का दायित्व अब युवा पीढ़ी का है।

परिचर्चा में दूसरी वक्ता श्रीमती शकुंतला तरार ने बस्तर के लोकगीतों और उनके महत्व को अनूठे अंदाज में प्रस्तुत किया। बस्तर के लोकगीत सुनाकर उन्होंने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने घोटुल के इतिहास, लिंगोपेन देवता की पूजा पद्धति में गाए जाने वाले ककसार गीत (जो महिलाओं द्वारा गाए जाते हैं) आखेट पर जाते पुरुषों के लिए महिलाओं द्वारा गाए मंगल गीत, छेरछेरा परंपरा, जगार धार्मिक पर्व में धनकुल गीत तथा 650 वर्षों से चली आ रही बस्तर दशहरा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बस्तर पंडुम द्वारा सरकार के कार्यों की भी सराहना की।

श्री बिहारी लाल साहू ने युवाओं को मार्गदर्शन देते हुए वर्तमान लोकगीतों, कहानियों एवं पहेलियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पुराने समय में छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकगीतों के महत्व को उदाहरणों सहित समझाया तथा बताया कि छत्तीसगढ़ी एक समृद्ध और पूर्ण भाषा है।

अंत में डॉ. विनय कुमार पाठक ने कहा कि लोक साहित्य जन-जीवन की गहरी अनुभूतियों से उपजा समृद्ध साहित्य है। उन्होंने लोकगीतों को लेकर प्रचलित भ्रांतियों को दूर करते हुए इसकी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और रचनात्मक महत्ता को रेखांकित किया।

सत्र के अंत में डॉ. पीसी लाल यादव का छत्तीसगढ़ी गजल संग्रह 'हमर का बने का गिनहा' तथा कविता संग्रह 'दिन म घलो अंधियार हावय' का विमोचन किया। साथ ही श्रीमती वर्णिका शर्मा द्वारा निर्मित वीडियो 'महतारी की आरती' का विमोचन किया गया।

'जशप्योर' का जलवाः महुआ और मिलेट्स से बने जशप्योर उत्पादों को मिली शानदार प्रतिक्रिया

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में आयोजित भव्य साहित्य उत्सव में छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला और संस्कृति के साथ-साथ जशपुर जिले का गृह ब्रांड 'जशप्योर' (Jashpure) आगंतुकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मुख्यमंत्री के आदिवासी एवं महिला उत्थान के विजन से प्रेरित यह ब्रांड पारंपरिक स्वादों को आधुनिक बाजार से जोड़ते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान कर रहा है।

उत्सव परिसर में लगाए गए जशप्योर के स्टॉल पर दिनभर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। विशेष रूप से महुआ से बने लड्डू, कुकीज़ और कैंडी आगंतुकों के बीच चर्चा का विषय बने रहे। स्टॉल पर आने वाले लोग न केवल उत्पादों के स्वाद और गुणवत्ता की सराहना कर रहे हैं, बल्कि लगाए गए क्यूआर कोड के माध्यम से इनके पोषण मूल्य और

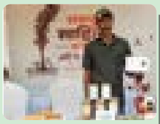

निर्माण प्रक्रिया की जानकारी भी प्राप्त कर रहे हैं।

रायपुर की स्थानीय निवासी निधि साहू ने स्टॉल का भ्रमण करने के बाद कहा, 'यह जानकर आश्चर्य हुआ कि महुआ से इतने स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद भी बनाए जा सकते हैं। पारंपरिक ज्ञान का यह आधुनिक उपयोग वास्तव में सराहनीय है।' जशप्योर से जुड़े युवा वैज्ञानिक समर्थ जैन ने बताया कि महुआ को लेकर लंबे समय से समाज में यह धारणा रही है कि इसका उपयोग केवल शराब निर्माण तक सीमित है, लेकिन जशप्योर इस सोच को बदलने का कार्य कर रहा है।

महिला सशक्तिकरण की नई पहचान

जशप्योर केवल एक ब्रांड नहीं, बल्कि महिला आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की एक अभिनव पहल है। स्थानीय संसाधनों के कुशल उपयोग से जशपुर की ग्रामीण महिलाएं आज न केवल स्थायी रोजगार प्राप्त कर रही हैं, बल्कि उद्यमिता के क्षेत्र में भी सशक्त रूप से आगे बढ़ रही हैं। रायपुर साहित्य उत्सव में जशप्योर की यह प्रभावशाली उपस्थिति छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, स्वदेशी उत्पादों और महिला सशक्तिकरण की बढ़ती पहचान का सशक्त प्रमाण है।

रायपुर साहित्य महोत्सवः 'आज की हिंदी कहानियां' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित

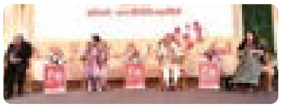

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर साहित्य महोत्सव के अंतर्गत आज पुरखौती मुक्तांगन, रायपुर स्थित लाला जगदलपुरी मंडप में 'आज की हिंदी कहानियाँ' विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। यह सत्र महोत्सव के दूसरे दिन मंडप में आयोजित दूसरा सत्र था। इस पैनल चर्चा में प्रख्यात साहित्यकार श्री परदेशी राम वर्मा, वरिष्ठ लेखिका सुश्री जयश्री राय, प्रसिद्ध लेखक श्री सतीश जायसवाल तथा साहित्य विदुषी डॉ. अंशु जोशी ने सहभागिता की। चर्चा के दौरान वक्ताओं ने समकालीन हिंदी कहानी के स्वरूप, विषयगत परिवर्तन, शिल्पगत प्रयोगों तथा समाज के बदलते यथार्थ को अभिव्यक्त करने में साहित्य की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। पैनलिस्टों ने आज की हिंदी कहानी में उभरती सामाजिक चेतना, संवेदनशीलता और नए कथ्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित साहित्यप्रेमियों, विद्यार्थियों एवं पाठकों के साथ संवाद भी हुआ, जिससे कार्यक्रम और अधिक सार्थक एवं विचारोत्तेजक बन सका।

अम्बेडकर केवल दलितों के नहीं, सम्पूर्ण समाज के महान चिंतक और नेताः डॉ. राजकुमार फलवारियां

डॉ. अम्बेडकर विचारपुंज की आभा' विषय पर लाला जगदलपुरी मंडप में आयोजित परिचर्चा

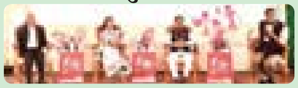

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर साहित्य उत्सव 2026 'आदि से अनादि तक' के द्वितीय दिवस के पंचम सत्र अंतर्गत पुरखौती मुक्तांगन स्थित लाला जगदलपुरी मंडप में 'डॉ. अम्बेडकर विचारपुंज की आभा' विषय पर एक विचारोत्तेजक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात चिंतक डॉ. राजकुमार फलवारिया उपस्थित रहे। अपने वक्तव्य में डॉ. राजकुमार फलवारिया ने कहा कि भारत के सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक क्षेत्र, मीडिया जगत तथा अनेक दलित संगठनों द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर को केवल दलितों का नेता मानने की धारणा अधूरी और सीमित है। उन्होंने ऐतिहासिक घटनाओं, तथ्यों तथा बाबासाहेब के विचारों के माध्यम से स्पष्ट किया कि डॉ. अम्बेडकर सम्पूर्ण समाज के नेता, चिंतक और मार्गदर्शक थे। डॉ. फलवारिया ने कहा कि बाबासाहेब केवल सामाजिक न्याय के प्रतीक ही नहीं थे, बल्कि वे महान अर्थशास्त्री, लेखक, बैरिस्टर, शिक्षक, पत्रकार, संपादक, स्तंभकार, श्रम मंत्री एवं कानून मंत्री के रूप में एक बहुआयामी व्यक्तित्व थे। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों, श्रमिकों के हितों, आर्थिक नीतियों, कृषि एवं औद्योगिक विकास, नदी जल प्रबंधन तथा भारतीय संविधान के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जाति व्यवस्था से ऊपर उठकर सम्पूर्ण समाज को केंद्र में रखकर कार्य किया। परिचर्चा के दौरान विचार व्यक्त किए कि डॉ. अम्बेडकर का चिंतन आज भी सामाजिक समरसता, लोकतंत्र और समानता के लिए पथप्रदर्शक है। कार्यक्रम में साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों, विद्यार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की उल्लेखनीय सहभागिता रही। कार्यक्रम का उद्देश्य डॉ. अम्बेडकर के समग्र विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाना तथा उन्हें केवल एक वर्ग तक सीमित करने की मानसिकता पर पुनर्विचार करना रहा।

इंटरनेट ने साहित्य को दिया नया लोकतांत्रिक मंच, डिजिटल मंचों पर बढ़ रही पाठकों-लेखकों की सक्रियता

डिजिटल युग में लेखक और पाठक के रिश्ते पर रायपुर साहित्य उत्सव में सार्थक संवाद

किंडल और ऑडियो बुक्स के दौर में भी रचनात्मकता की भूख ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर साहित्य उत्सव के दूसरे दिन आज लाला जगदलपुरी मंडप में आयोजित परिचर्चा 'डिजिटल युग के लेखक और पाठक' में बदलते समय के साथ साहित्य, लेखन और पाठकीय संस्कृति में आ रहे बदलावों पर गंभीर और सकारात्मक विमर्श हुआ। सूत्रधार पत्रकार श्री अनिल द्विवेदी के संचालन में हुई इस परिचर्चा ने यह स्पष्ट किया कि डिजिटल माध्यम ने साहित्य के स्वरूप को बदला जरूर है, लेकिन उसकी आत्मा और रचनात्मकता आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। लेखक, कवि और शिक्षक श्री सर्वेश तिवारी ने परिचर्चा में कहा कि किताबों का छपना आज भी जरूरी है, क्योंकि पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम वह अनुभव नहीं दे सकता जो मुद्रित किताब देती है। उन्होंने माना कि युवा और बच्चे ऑनलाइन काफी पढ़ रहे हैं। लेखक की सफलता का पैमाना पुरस्कार नहीं, बल्कि पाठकों की संख्या होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जितने अधिक पाठक, उतनी ही रचना की सार्थकता और पहुंच मानी जानी चाहिए।

लेखक श्री नवीन चौधरी ने डिजिटल मीडिया की ताकत को रेखांकित करते हुए कहा कि इंटरनेट ने साहित्य के लिए नए रास्ते खोले हैं। युवा पीढ़ी ने डिजिटल माध्यमों के जरिए श्री विनोद कुमार शुक्ल जैसे वरिष्ठ रचनाकारों को पढ़ा, जिससे उनकी पुस्तकों की रॉयल्टी लाखों तक पहुंची। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण पुराने लेखक फिर से सरकुलेशन में आ रहे हैं और पाठकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पढ़ने और पढ़ाने में रुचि जगाने में इंटरनेट की भूमिका बेहद अहम हो गई है।

प्रसार भारती की सलाहकार श्रीमती स्मिता मिश्रा ने कहा कि डिजिटल माध्यम, किंडल और ऑडियो बुक्स जैसे विकल्पों ने किताबों को पढ़ना आसान, सस्ता और सुविधाजनक बना दिया है। अब किताबें सिर्फ पढ़ी ही नहीं जा रहीं, बल्कि सुनी भी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि लेखन कभी बंद नहीं हुआ है, समय के साथ सिर्फ उसका फॉर्मेट बदलता रहा है। लेखक चाहे किसी भी टूल का उपयोग करे, लेकिन उसकी रचनात्मकता की भूख कम नहीं होनी चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार श्री संजीव कुमार सिन्हा ने कहा कि इंटरनेट के आने के बाद साहित्य का सही मायनों में लोकतांत्रीकरण हुआ है। अब रचनाओं को पाठकों तक पहुंचाने के लिए अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म्स उपलब्ध हैं। डिजिटलीकरण से साहित्य का पूरा परिदृश्य बदला है और बड़ी संख्या में युवा डिजिटल माध्यमों पर लिख और पढ़ रहे हैं, जो भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। परिचर्चा का निष्कर्ष प्रस्तुत करते हुए सूत्रधार श्री अनिल द्विवेदी ने कहा कि डिजिटल युग देखने-दिखाने, सुनने-सुनाने, पढ़ने और पढ़ाने का नया दौर लेकर आया है। यह युग सभी को मंच प्रदान कर रहा है और साहित्य को नए पाठक व नए लेखक दे रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com